الرَّيْ يَعْنَى الْمُضَلِّلُ الْمُلاكِمَاءُ وَكِيْ فِي السِّوَعُ اللهِ



كر بلوريثانيون أبحنون ادريباديون كيك كروات كالالافتيو



(مولانا)حافظاقبال قرلیتی پیمارینار

(پسندفرمونه

مولا ناابوالقاسم نعمانی مهم دراهه و پیداد د کیم سید

ولا با حرصها ۱۲ می بازگاند بنده دادهٔ ریزار شدهنده دارید ساده امام در زیراند

الثين عبدالرحمٰن الشيعيّ في مدارعوداند مولانا محمد كل مجاز ومانله

Sugar



تصل مركزی جامع مسجد (لال مسجد) اسلام آباد 0321-5180613

Email: saaleheen@gmail.com

فهرست عنوانات

| نبرثار | المراس التفصيل | صفحه |
|--------|---|------|
| 1 | مقدب | 16 |
| 2 | مين اغظ عبي الغظ | 17 |
| 3 | تاثرات | 19 |
| 4 | اسماء الحسنى مع معنى اور فضائل | 24 |
| 5 | منزل | 53 |
| 6 | قر آن پاک کی سورتوں کے فضائل | 64 |
| 7 | درود شریف سے مشکلات کا حل | 87 |
| 8 | درودشريف كي فضيات وبركات | 88 |
| 9 | حضوعظیفه کی شفاعت داجب جوجائے | 89 |
| 10 | مال بنس برکت ہوگی | 90 |
| 11 | ابام شاقعتی کااعزاز | 90 |
| 12 | برمعييت سانجات كيلئ | 91 |
| 13 | حضور منطف نے خصوصی ا کرام فربایا | 92 |
| 14 | شوہر کے ظلم اور نگ دئی سے حفاظت کیلئے | 92 |
| 15 | متبوليت عامداه رشخير قلوب كيليح | 93 |
| 16 | دل کی گھیراہٹ اور بلڈ پریشر کیلئے | 93 |
| 17 | باغات اورفسلوں کو بیاریوں سے بیمانے کیلئے | 94 |
| 18 | ادا بیکی قرض کیلیے | 94 |

| 19 | مستعق مزارى بإكين اورتفعيظ اوقات عيجين | 95 |
|----|--|-----|
| 20 | ألكوكى جمله تكاليف اور بيماني تيزكرن كيليق | 95 |
| 2 | برقم كدرداورلاعلان يماري كيلية | 96 |
| 22 | قرض بي محفوظ ريخ كيلية | 96 |
| 23 | موذى مبالورون عة هاقت كيك | 96 |
| 24 | اولادک کامیانی اورعزت کیلیے | 97 |
| 25 | أنتى سال كے گنا و معاف اور انتى سال كى خياوت كا ثواب | 97 |
| 26 | ب سافض تماور در ورثريف | 97 |
| 27 | ایک عظیم نیکل کے تلعظ میں فرشتوں کا اللہ سے رجوع کرنا | 98 |
| 28 | الهاكا تُواب مِرْ فِشْقِ وَالْكِ بْرَارِون مُكَ مُشْفَت ثِنَ وَالسَّالِوَ الْحَاجِتِ | 99 |
| 29 | متفرق وظائف | 100 |
| 30 | ىيادوكانىلان ئ | 101 |
| 31 | ووسرى قتم جادو چلنے كے بعد حاد وكا علاج | 102 |
| 32 | ووگلبات جنگے روزانہ پڑھنے سے جاووا ٹرنٹیں کرتا | 102 |
| 33 | جادو كـ قور كيليخ جامع وعائمين | 103 |
| 34 | جادوه فيمره كالثرختر كرنے كيلينے | 104 |
| 35 | ول کی گھراہت کیلیے | 104 |
| 36 | ول گھیراہٹ کیلئے (بولد لی) | 105 |
| 37 | ول کے دورے کا علاج | 105 |
| 38 | ول كا تكليف كيلية | 105 |
| 39 | دل کی بیماری دورکرنے کا نبوی آخو | 105 |

| 106 | 40 ول کی ہر بیاری کیلئے مجربے تبویہ |
|------|---|
| 106 | 41 اگرېدن مين کي جگه درد بو |
| 106 | 42 بلاپريتركيدي |
| 107 | 43 بلاثم كريةان كيلي |
| 107 | 44 جگری بیاری کیلئے |
| 107 | 45 رفع درد جكر كيلية |
| 107 | 46 معدوي كمروري كاعلاج |
| 108 | 47 دردسيت كاعلان |
| 108 | 48 وَيَا بَطِينَ كِيمُ يَصِلُ كِيلِيِّ روحاني طائ |
| 108 | 49 شوگر کے مریضوں کیلئے ایک اور دعا |
| 109 | 50 كى بزھ جائے كاملائ |
| 109 | 51 ناف ئل جائے كاعلان |
| 109 | 52 پيٺ ڪورو کا ملائ |
| 109 | 53 پيدڪ پرخم ڪرود کيايي |
| 110 | 54 بيرشمي كاعلاج |
| 110 | 55 لېوک کې کا علاق |
| 111 | 56 زبان کی کشت کا علاج |
| 111. | 57 منے چھالوں کا علاج |
| 111 | 58 رفح الخم |
| 111 | 59 قَائِحُ كَامَادِينَ |
| 111 | 60 كېلى كاسارىق |

| 6 | الروے اور پے کی پھری کا علاق | 112 |
|-----|--|-----|
| 62 | آپ مریض بین قدیمل کریں | 112 |
| 63 | بیشاب بند بوجائے اور پھری کیلئے دعا | 113 |
| 64 | وروبركاهلاج | 113 |
| 65 | وبشت اورتحبرابث كيلت | 114 |
| 66 | قبن بيار يول <u>س</u> ايت | 114 |
| 67 | برمرش اور برورد كيلينة | 115 |
| 68 | کان جھنجھانے کے وقت کی دعا | 115 |
| 69 | المراد ال | 115 |
| 70 | چیرے اور پشت کے مسول کا علاق | 116 |
| 71 | چیرے کے کیل مہاسوں کا علاق | 116 |
| 72 | Pin | 116 |
| 73 | آ کلود کھنے کی ایک اور دعا | 117 |
| 7.4 | الرجی اور پرحتم کے واتو ں کا ملائ | 117 |
| 75 | قدرت جماع | 117 |
| 76 | ایک بحرب فمل | 118 |
| 77 | تریان کا ملاح | 118 |
| 78 | الشرت احتلام كاعلاج | 119 |
| 79 | أتشك اورسوذاك كالعلاج | 119 |
| 80 | يراع قرارهل | 120 |
| 8 | اسقاط حمل كاعلاق | 121 |

| 82 | برائة اولاوتريية | 122 |
|-----|---|-----|
| 83 | اولارز يدكيك | 122 |
| 84 | اولاد كنطنة | 123 |
| 85 | خيض كى كى اور درد كا بلاخ | 123 |
| 86 | كثرت فيض كاعلان | 123 |
| 87 | بچوں کی پر تمیزی کا سبب اوراس کا علاج | 124 |
| 88 | عالت مرمض کی دعا | 124 |
| 89 | ڈاڑ ھاور کان گےدرد کیلے عمل | 124 |
| 90 | ياركي شفاكيك | 125 |
| 91 | غينه ندآ نے کا مجرب علاق | 125 |
| 92 | مقرره وقت پرییداری کاخاص عمل | 125 |
| 93 | الجهارشة ملغة كبلغة اجم وعائين | 126 |
| 94 | ینے یا بٹی کی شادی مبارک ہو | 126 |
| 95 | بيناعالم فاشل اورة جين جو | 126 |
| 96 | عزت وقاراورنام بيداكرنے كيليخ | 127 |
| 97 | امتان میں آسان پر چول کیلئے | 127 |
| 98 | مقدمة شاكامياني كيلئ | 127 |
| 99 | المسده فع كرن كيك | 128 |
| 100 | مِنْ اور بِنِي كَلِيْحِ رِثْةِ لَعِيبِ se | 128 |
| 10 | اولا د کامطیع ہونا | 128 |
| 102 | زوجين مين محبت كيليج | 128 |

| 129 | يا <u>ئ</u> اب | 10 |
|-----|-------------------------------------|------|
| 130 | عل برائے تخیر | 10 |
| 132 | لاعلان مرض كبلئ | 10: |
| 132 | چورى اورشىطانى اثرات سے حفاظت كيليے | 100 |
| 132 | غالم ريفله حاصل ہو | 10 |
| 132 | ۇ ئان اور حافظة قى جوجائ | 10 |
| 132 | حسول شفا كيلي قرآني دمحينه | 10 |
| 133 | شو ہرکی نارانشگی دورکرنے کیلئے | 110 |
| 133 | د ما کی تبویت کیلئے | |
| 134 | وافغ پریشان خوانی کاعمل | 112 |
| 134 | حسارگار کیب | 113 |
| 134 | چېرے اور پشت كے مسول كاعلاج | 114 |
| 135 | چېروخوېسورت بوجائ | 113 |
| 135 | يجوز كينسى كاتير بهدف علاج | .116 |
| 135 | چېرے کے کیل مباسول کاعلاق | 11 |
| 136 | والح وصبول كاعلاج | .118 |
| 136 | قالح القوداورشياطين عضاظت كيك | .115 |
| 136 | محويا والدين كاحق اواكرويا | 12 |
| 137 | يَالْطِيْتُ كَامَّلُ | 12 |
| 139 | يسم الله كاعمل | 12 |
| 139 | سور واخلاص کا مجرب لل | 12 |

ayan da ayan d

| 12 | سوره فاقدًا مجربي عمل الم |
|-----|---|
| 12 | تحركا بجرب عال ق |
| 12 | عل آیت انگری |
| 12 | دل کی غفلت دورکرتے اور بدایت یانے کیلیج |
| 12 | وشنوں اور ظالموں سے حفاظت کے افعال 141 |
| 12 | سررة بش کال 141 |
| 13 | ايک مسنون دعاء الم |
| 13 | ایک آیت کر بر کامل ا |
| 13 | الذالعبد كيخواص |
| 133 | رهمتوں والے اعمال |
| 134 | ستر بزارفرشتوں کی دعا کمیں |
| 13 | مجلس کے خاتمہ پر مبارک وعا |
| 13 | ابدال بنئة كأنسخ |
| 13 | شكلات آمان بوجائي |
| 13 | عفرت شيخ بونى " كالكِ خاص الكاس عمل 146 |
| 13 | تيد اد بال كاعمل المعالم |
| 14 | ايك الكه يوشي بزارتكيان |
| 14 | بِ يَى تَعْمَ بِواور كَامْ جِلدَى بِو |
| 14 | عظيم الثنان وتليف |
| 14 | الله تعالى ومحبوب كلمات |
| 14 | وثمن بيرها عليه الملط |

| 14 | مال كالمم جوجانا | 149 |
|------|--|-----|
| 14 | مقرور کی دالہی | 151 |
| , 14 | مكان كي هذا للث كيليَّ | 151 |
| 4 14 | برائ برمشكل | 152 |
| 14 | مردوباز ندوکو خواب بین دیکینا | 152 |
| 4 15 | برائے فاجت | 152 |
| , 15 | حادثات نے بچنے کا وقیقہ | 153 |
| 1 | قوت نازل * | 154 |
| 7 15 | تمام دن ظالموں کےشرہے محفوظ رہیں | 156 |
| _ | حظرت النساكي وعا | 156 |
| 15 | وعاءا مام ايوطنيف ترائح قرب الى الله | 157 |
| 1 15 | اگر کو فَی برے اقعال کا شکار ہوجائے | 157 |
| y 15 | عزت دعفمت ميمااشافه كيلئة | 157 |
| , 15 | مزت یانے کیلئے | 158 |
| 7 15 | تمام پریشانیوں کیلئے اکبیر | 158 |
| | ٹمازمغرب کے بعدیہ پڑھے | 158 |
| | ٹمازعشاہ کے بعدین پڑھے | 159 |
| - 0 | جوما تكم ووعطاء بو | 159 |
| 2 16 | بيزا نورها مل كرنے كيليخ | 159 |
| 16 | موت كيموابر يز سامن | 160 |
| 16 | جعد كي نمازك بعد كناه معاف كروان كاايك تبوي نسوّ | 160 |

| 160 | حصول ملازمت كيليح سوره وانطحي كاخاص عمل | 166 |
|-----|--|-----|
| 160 | لزگی کارشته ندا تا امویا آتا و فریهندند آتا امو | 167 |
| 161 | سانپ بھو کے کائے کاعلاق | 168 |
| 161 | شب قدرگی پیچان کاطریشه | 169 |
| 161 | ہرسال جج یا مرد کی سعادت حاصل کرنے کیلئے خاص محل | 170 |
| 162 | برائے زیارے نی کر میکھنے | 171 |
| 162 | آیت قطب کے جیب دفریب ادصاف | 172 |
| 163 | دعا کی قبوایت کیلنے بحر بے عمل د | 173 |
| 163 | وظيفه خاص معفزت شاه ابراراليق | 174 |
| 164 | تظريد دوركرئے كامستون وظيف | 175 |
| 164 | فيروبركت كيك | 176 |
| 165 | كفائش رزق كيلي | 177 |
| 165 | <i>جنتي تعوي</i> ذ | 178 |
| 166 | شب قدرے برابر ۋاب | 179 |
| 167 | چار کلے بہت پر سے ہوئے ہیں | 180 |
| 167 | وْالّْ مْكَانْ اوروسعت رزق كيليَّة | 181 |
| 167 | اولا وزينا ورحفاظت حمل كيلئة | 182 |
| 169 | رزق میں برکت اور حاجات کیلنے اعمال | 183 |
| 170 | عمل موره مزل شریف | 184 |
| 171 | برائے اوا نگل قرش | 185 |
| 171 | دەزى ئىل بركت كىلىچ نېزى ڭىز | 186 |

| Satisat satisat satisat | apcopologica <mark>, 10° copropologicopologicopologic</mark> | Sapsaps |
|-------------------------|--|---------|
| 171 | المغطى أوالله كاسرلج الازعل | 187 |
| 171 | اللبثم ألفني والامسنون ومجرب ثمل | 188 |
| 172 | ایک اسمیوں | 189 |
| 172 | سور وفلق کالا جواب حمل | 190 |
| 172 | يافنى يامغى كالجرب عمل | 191 |
| 172 | روزی کاامل لا) صل عمل | 192 |
| 172 | روزی شرافراش کیلئے مجرب ترین تر پھلا | 193 |
| 173 | روزی میں برکت کا ایک فطری عمل | 194 |
| 173 | يرائے ج تی روق | 195 |
| 174 | بالى ترقى كيلينة وعا | 196 |
| 175 | جناب هافظا قبال قرلثي كالنزويو | 197 |
| 178 | ر بال جامعدام هيية عقام <u> </u> | 198 |
| 180 | علمی ثجره (تشیر وعدیث کی سند | 199 |
| 181 | شجره برائے تصوف (صندل بابا) | 200 |

Ì

Capabaga

يبوطة الإمراؤي

Dr. Sher Ali Shah Almadani

P.H.D. good Abdulad Mildes University Fred. of Herist H. Jamie David History Misspanss Altery Klottjeb, N. W.F.F. Publishes Ph. 1865-486731

لعكور شهرهلي شاه المظي

الدكتوراد (بدرتها لشوت الاولى) من الجامدة الإسلامية والمدينة المتوردة و مجوثها المثلة المعين يجلونه ماراليداوم الجانية الكور مشك

. أهــــانغ الجين الجي

وكبويقه وكنى وسكل فمعلى بهودالدجت اصطفاء

ه باید و حدید منه مادهٔ طاعرانها فرانس نتیجه متوجه بیشتر با تیزیل آنوایی فرانگایشند به او ترابیدی آنوشد. مواند شده و مدینگان برای میشدد من نا عام که مداد نشاند. چوان به ایدار آمشن موسود مصاحر نواهن مواند که این مشکل بروند روید و فران ایران بیشتر و معانی میشد فراندی استام و میاسی مهمت مدید و فقد که دادی در مدید فران در در

الم يوجه منه شين ما ورا فرعان و . ويتراك الراب الترشار الراب الإسان المادي المادي

مية مكانة ستري عالم يصوير عبوم يعم موس بالإست مادك بجرة مديد والمبركان ورا. والتر أنا جيدالداً من الشيخاك وتشبيف الشاعداً في فيضاد المجرة ما المبركان ورا. والتركان ورا. والتركان

مرونا كان بالعلى و كرينا عرجه الكان المسلسلة المواجعة والمواجعة المنافق المنافق الكان المنافق المنافق المنافق ا معين العمولية المنافق ا التصفيل ووقوا المنافق المنافق المنافق المنافق المنافق المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة ال

بای ده به به سنده داد شه معامر نط بداد در ترقی یک کدمن نیس ده به نظرت از شد ترایشد نشاد در در مفتوعی من همزا دراند، سردان عداستان به آنوش کار را رایش نشاد این برای از بیشندگیر اسای باشند دکرد شکند خوا خ ماوستم داد مع رقیم که مربوع ۱ مادی این خوا مربوع ۱ به نشار مربوع به نشار میشندگیرد کشف شوا می مادی نظرت این این این نگ

خامة خاطفه اكوره حكستانغ وظهره سريدس ساد ياكيبين Lania Carul (Aspon Hagomin Aborn Khaits), Birth, Novemens, N.W.F.P. Polymber Mark Harmondalist Bon Chaleges Caral No.

PAL MALINIANA DIL PURPERDALAN Souran e-Fernipel Labora - Pablitan Tel II. (42 - 1921) M Capia: 1222 - 4545 M



يم بول

خبدنا وليسلج عنى بماسول لكومرا

ا م كا است خرصك معالم الشكارة والارام مستدان كا تابرى المراق الم

مرافق من الرياضة ويتطويق مادم الرياضة جامع مرافع بر ...

and a Contract of the Contract

Khateelo Control Magaze Selemabad, Bostomator of Polisians



موعب العزيز طيب مرزى جائع مورهماه آباد

تسماط *النص الرحم* -

دیداری موال مورب سرایش مطالی میں دیا ہے جو سند سرایش میں مرایش میں مرایش مورب میں اس مرایش میں اس مرایش میں اس مرایش میں مرایش مرایش میں مرایش می

The office of the second of th



DAR UL ULOOM HANFIA

محمط وعصلی بنی رسول انگریم ه حرد نما امس دادت کی جرب نے کا رضان عالم کودعود عشا اود

مخلوق كى هوايت كميليك كشاب كو نازل فرمايا اورديد مثمارورو دسيم اس وَ عَرَى مَنِي حَلِيْ الله عليرَومُ مِن مِن المبيري مِنْ أَوْلَهُ بِالزَّرْهِ بِأَ اوْر

ي كتاب مع وقلافت العالحين » مرموناحا فيظ مما مثال ترثي تأبل فددمحنت كأبك امودسسات كوداك وسنت كارداثنا ميراخي ويغوب ترجاصه كمياعه اسساء الحسف كم خصائل امديرهت علفه للتثميم سون ديمانس وظالمسدوعليات بإيجابي بمصداحك احقركك دعانك كالهنامين يبام فوسلى خدائشيع ساسل كرع ملوج ونجاح اسوامين ع دُهم الماطار سي طرزعل كوابياك وكسميء استعلله استانك كاشتاب كوشوف تعيوليب يعدسرفوا زخما أوبعثت تكاحثم وعلى مين بركستين فنصيب وماك آلاحين بجياه المدين الأحي الكرم معاكر . قايمة لمنسف من معلم خصاصية

Makesman April Sidder

Brahab (1949-000) Çıyındırıl Adamyev üğün (1950-0) Qıyındırılmanık ol Anderica Brahab (1957-1977) (1978)



محمد عام معد مي الإخبارة الدي (الإنهان موادال موادال موادالة) المراد المصورة

14

حوث مح

الله المساور المساور

برملم وفن کیلیج استاد کی ضرورت ہے دنیا میں جس قدر ملوم واقتول وائے ا جاتے ہیں ان کے سکھنے کیلئے ہم استاد کے تمان ہی خلم وقن کی بینکو وں کما ہیں ين اورنلم تفوف اورو وهانينة يرجوك بيمامرجب بوقي جي ال كاليمي بزاؤ خير و وارب يبال موجود ب تعييماً معرت يحق مبالقادر جيلاقي ومعرت امام غزائي ومعتريته شاه دلي الله والوئي اورمعتريته مولا نااشرف بلي قعانوي جهيم فكليم الرتبت بزرگوں نے اس موضوع پر کمانیں لکے کر در مقبقت است مسلمہ کی رشد و جايت اورفال كاكاني معتبره وادجع كرويا يت كراصلان تقس كيلندي ومرشدي صرورت کونظرا تدوز فیس کها حاسکتا میرجال تهایون کے مطابعہ شدر عام طور برکوئی عالم بين بن با تامالم فاعمل في كيف بمين الرزأسي ورسكاوس في كرستاد ے ماننے کینے نیکے بڑتے ہیں۔ تملیات کے ملیلے پی مجی بنادے نیک باقمل اسلاف نے تنظیم الثان فد رات انجام وی بین اور اس موضوع بر بھی کائی ذخیر و موجود ہے تھران سے استفادہ کیلئے بھی اوتھے استاد کی رہنمائی کی مفرورت ہے۔ بلورخ دكوني وفيف يزحنا اوريغير المازت جلدتني كرناه يسيجي تطره سيدخال نہیں سے قدمی زائد سے تنارید بازگوں کا پیطریاندویاسے جب طالب علم ك كي في كما كتابين اول تا أخريز هايس اورودسرول كوفعليم وين كاجذب ركات ے تو اے اپنے کئے ہے یا قاعدہ اجازت حاصل کر ٹی بز ٹی ہے اتن المرخ کمی ا ہے روحانی سلسلہ میں رہیت ہوئے تے بعد آئے دورر بالوگوں کی رہنمانی كيك مرشد البازت لني باتي المرم شدام البازت در وي وه محازمه دخنيفه كباؤنات _

عملیت کوئن جمن کا خاتھای زندگی ہے انبیہ فاص دیا تھا استادادر مرشد کی اجازت سد خیر کوئی ایک اقدام می گزیں اضاحاتھ کی انسوی اسب کی کسل سک عالمین کوان تکفنات کی خودرت کیش روی آئی برخش ہے لگام ہے اسے کی استادی خودرت کیل وہ خوا اپنا اسٹاد ہے جمس کا دل چینا ہے خود ساختہ عالمی بن بیشنا ہے شاہے کی اسٹاد کے پاک جاکر کیچند کی حاجت دی

اور نہ محت مشقدتہ بردہ شدند کرنے کی اور نہ جائش کی اور نہ ان مقرور آدی کو محسوں کرتا ہے اور اس سے بڑا نظم ہے سے کہ ایسانحفی جو عال مجی ٹیس سے بلکہ خود کتا بول کا مطالعہ کر کے تعویٰہ کلی کراؤگوں کو دیا شروع کر رہتا ہے اور ما اس کہانا ناشروع کر دیا ہے ممایات کی اصل خیاوقر آن تکیم کی سورتمی اور آیات مورمشر مطالحت کی ترافان سے نظے ہوئے کھات ایس جو اعلان اور تنوش کی شکل شری اواد ہے کی ترافان سے موجود ہیں۔

مخلیات کے میدان شیاق مرکنے والے کیلے جن طوم کی ضوورت بال میں سب سے اہم علوم عربی سے واقف بوغ ہے کیول کے تعلیات کا لیک برد اؤ تحروم فی میں ہے اس کے طابع عالی کو علم تجوم اور متاروں کی حرکا استہ کا محرکام بودا ضوری ہے اس کے طابع واقع چرچو عالی کے عمل جس مائیر پردارتی ہے وہ تھو کی اور اتباع منت ہے۔

ايومبرالشرها فظ اقبال قريش «روزالله له»».

پیش لفظ

۱۳۳ سالہ دلی اللہ بی کافی المعرد ف مندن ایا ہے بھی اجازت حدیث اور اجازت دلھا گف حاصل کی اس سب کے ساتھ میرا سقصہ طاقہ علی عفوم قرآن وسنت کا احیاء ہے جسکے لئے خواتین کا مدرسہ جاسدام جبیرڈ کا آخاز کیا جس بیس بینکووں خواتی نے علم حاصل کے اور کررتی چیں اور جاتم سمیر تھر ہے۔ جس فغارت نے فرائش بھی سمانیم اور ہے دیاسا اور عبد مدرسا اور مجمد کی ہے۔ تھیر کا بھی ادادوں نے الفہ توالی اسے تعمل سے معاد کھی بعد افرائش سے۔

یں بیٹین ہے کہا ہول کرقر وان وسنے کی تعلیمات ہے دوری کی جعد ست آرج ہم سبدشار مسائل ہیں ایکھے دوستے ہیں جن میں اولاو کی نافر مائی كريلة تاجاتي، جسماني ولائي جاريان اولاء كما يتحديث ترجوناه ماوداور جنات کے اثرات اور لاعلان جاری کا قر جانا مگر میں خون یا بائی کے جمیف آنا الماري شي ركے موے كيزول على آت لك جانا كرے وقع كا جاري يوجانا بالحريث أكساكا بمرك المنابيجة في إجاد و كيوثر في ابتدا في علامات ہیں ان کاحل کمی و ل قرآن و سنت ہے مفرور کیا ہے۔ وس کے طابع کیلئے یمی اور بدعقیدہ کانے جاووے ناطول کے یاس جانا ایمان سے مروی کی علامت سيراتحديثة جي سے شفاؤب ہوئے والے ہے چی مربیقوں (جس جی ے اکثریت بیرون مکسمقیم ہے۔) نے بار بارخواہش کا اظہار کیا کہ آ ب ا ہے اسا تذہ اور بزرگول کے بحر بات کو کمانی شکل میں شاکئے کریں تا کہ تمام لوگ اس سے فائد وا خاطیس میں نے اس ضرورے کے ویش تھرکہ تمام ال المان اس سه فاكروا فهائي اوروغا أفساح عط والع اجازت كم ساتحواس اکتاب کا کوئی بھی وفلیلہ ہا سائی کر کھٹے جیں۔ آخر شہا اس کا بات کے بیا ہے والوں الله وتفائف كرئے والوں سے كرارش سے كہ جبال است كے دعا كر من وبال مع ب ليه اور ميري والدوم وحيد كيفي تحي فصوصي ويا كراس.

ما فقا آبال قريش نقشوندي

جامد دم ديبته مودگاه داد ليندگ يأنشان Cart +82-400-555/404 E-mai: saleteen@gmail.com

طارق نصرت وانی اسلام آباد

حافظ اقبال قرایش ماش باتمل اور دای ای افغه جس اور اس تشنیه کے ووریش جب برطرف بدعات اور حادونو سنے اور شاطین کے دیروکار عام عمل میں مصروف جیں اور جھنس شدید پریشانی اور مصیب میں جہلا ے اور لوگ جعلی عاملول اور شعیدہ بازوں سے پریشان ہیں اور ہر عاری اور پریشانی سے نمات کیلے انسان مختلف حیلے بہائے کرتا ہے۔ ایسے وقت میں حافظ اقبال قریشی مینا حساکی یہ کتاب قرآن پاک کی آیات کے ذریعے بریشانیوں اور بیاریوں سے نجات حاصل کرنے سميلته بهترين رمضاب جس ميس برياري ادرالجعن كحل كيك قرآن وسنت ہے مواد اکٹھا کیا گیا ہے۔ یس نے خود بھی کئی مرتبہ البيغ دوست احباب كيمساك برجافظ مهاحب سيقمل كرابا الحمدالله پاٹھل عاش اور قران وسنت کی برکت ہے تمام احباب کی ہریثانیاں الله تعالی نے حل فرما کی جیں۔ اور میرے محر سے جنا تی اثرات انہی کے عمل سے ختم ہوئے۔ان کی اس بابر کت کاوش ہر اُنیس مبار کیاد بیش کرتا ہوں اور ان کیلنے و ما کو بول اللہ تعالیٰ انکومز بدتر تی عطا فرمائے۔

فارق نعرت واتی سابق مینز نائب صورچیبرآ نسکامری اسلام آباد

معتمين شاه لندن

عافظ اقبال قريشي صاحب يريرا رابط 2009 مي مواجب میں ایک شدیدانجھن میں بنتلا تھا۔ میرے گھر میں جادو کے ڈریعے جنات چھوڑے گئے منف منبول نے میری اور میرے وہ کی چول کی زندگی اجران منافی ہو کی تھی ۔ بیٹار عاطوں سے میں نے ملاح کرایا کیکن افاقہ کی بھائے تکلیف بڑھتی رہی۔ میرے ایک دوست حسین رضا معاحب جو بنگر دلیش بیس موتے جی وہ حافظ اقبال معاحب کوارنا ي ومرشد مانيتے بيں۔ جب و وانگلنندآ ئے اورمیرے حالات کا ان کو یہ جاتونہوں نے عافقصاحب کا نمبردیا۔ میں نے حافظ صاحب ے رابط کیا اور اُٹین اپنی پریٹائی بٹائی تو انہوں نے میرا اور میری والدو کا نام اور ایڈرلی لے کر افحد نفہ تنین وین میں میرے گھر ہے جناب نکال دیدے اور جا دوکا افر ختم کرد بایہ میں اور میر ہے گھر کے تماس لوگ ایجے احسان مند اور مفتقد جن ابتدا کی کاوشوں اور اخلامی اور تمل میں برکت عطافر مائے۔

سعفر می**ن شاه** برعن رود الندن

ڈاکٹر مزمل شاہ کرا چی

میرا حافظ و تبال **میا دیں ہے ت**قریباً دوسال ہے تعلق ہے۔ میری ویوی پر جناتی اثرات تھے جن کی دید ہے ہماری شادی کو دس سال گزرنے کے باوجو ہمارے مان اولاد بھی نہ ہو رعی تقی۔ جمع سے صاحبزاه ونعيم شاہ صاحب نے ان كا تعارف كرايا ور بعر من ان كے ماس مدرسدام حبث مورگاه راولینٹری حاضر ہوا۔ میں ہے شار عامول کے باس سے ملاح کراچکا تعالور عاملوں سے پختر تفائیکن حافظ صاحب كويس في نبايت متشر الموالن التا اورسنت كايابند إلى بل الناست بهت متاثر ہوں انہوں نے میرے سامنے کتاب بر مؤکل کو حاضر کیا اور میرے اور میری نیوی کے بارے میں سولل کیا۔ ایک طرف سے حافظ صاحب نے کہاں کو پکڑا اور دوسری طرف سے بیس نے ۔ جب آ ہے۔ نے مؤکل ہے ہیرے بارے بین سوال کیا تو کتا ہے یا تم کو تیزی ہے محموم کی جو کرنبی میں جواب کا اشارہ تھالیکن جب میری ہیوی پر جناتی اٹر کا سونل کیا تو کتاب تیزی ہے وائیں کوتھوم تی جواثبات کا اشارہ تعار المدالشريري يوي سے جناتي الرحم بوا اور اللہ نے بھيل ايك بينا مجی عطا کیا ہے اور معفرت کے یاس بیا ٹائٹس ، شوکر، بخار اور دردول وغیرہ کے خاتے کے اوّن بھی ہیں۔ جن ہے لوگ فائدہ افعاتے رہتے مروالله الخياصا ميتول سے بميس مستفيد فرمائے۔

ة اكثر مزال بث كينك نالراً بإذاراي

محمرانطاف خان امريكه

روصانی خلوم کے ماہراورمعروف پُرتهی دروحانی سکالرحافظ اقبال صاحب ہے بیرانقارف 1995ء سے ہے اور الحمد اللہ علی نے ان کو عامل بأعمل بإيااوراية ادراية جانة واليريثار لوكول كيلة ان ہے تمل کروبا الحدیثہ ایکے تمل میں اینہ تعالیٰ نے تاثیر عیدا کی ہے۔ امريكه جل د ماكش يذير ميرسه ايك ووست كي جيني برجناتي الزانت تے حافظ اقبال صاحب نے بیان سے عمل کر کے کی سالوں سے موجودا ثرات بميت كيافة تم كرديري في ان كود ظائف وعمليات پرایک کتاب تھے کامشورہ ویا تھااور انہوں نے میر پائی فرماتے ہوئے میری به درخواست قبول فرمانی اور به کماب بردی محنت شاق کے بعد ترتیب دی جو کہ آب کے باتھوں میں ہے۔ اس کتاب میں آیات قر آفی کے ذریعے ہر بھاری اور بریشانی کا طاح ہے اللہ تعالی ای اس مخلصانه کاوش کو تبول فرمائے اور اس کا نفع مام اور تام فرمائے اور اکل صلاحيتوں مصحصين فائدہ انھائے کی تو فتی عطافر مائے۔

عمر الطاف خان بام مرقل الرقدونية مرجوام يك





Darul-Uloom, Deoband U.P.

.....4135

عاريع بديد سينين. ا

مزم مناب اشال فرانع من المستنج ووهد الدوركات

وی گفت ا مصنعین کا دلعکش دیدگش دوس کرا در کس میش مین کنا کیا ورد و دیدمشن می دستیاب بوا تعاص برا وقرار کهشوایم مین دید کے تصفیل آرسائے تسوی زمان -

ا سے ، دولا کا کے برا الدام میٹ مستحسن ہے ، والڈ آفا کا ہی خواست سی تعول زیا ہے ، قرآ کی دی شن و درصؤ ت بنی دکر ہم کی والڈ عبرہم سے انتقول رہا تو رد عا میں و ترجا وہی الاجا بہ ہیں ، والڈ ان کا م می وی من کو ہی کا تا ہے کہ حقہ ومشندادہ کی ٹوئنی جینس ، ورر ا ہے خرے درصا کا ذریعہ سائھا ، مہرہم ان فائو کا دریکر کو نوال

محادكة ارضم واروالعلق ونوسته في الناس بوسته

هرتم دکان نیز منطق او

بصم الله الرخين الرخيم

Mchammad K. M. Myase MOHAMMAD MAKKI HIJAZII

Schollar in Masjid Fl- Haram

ر خمت برم محمد محمد المحارق (معدد متى حجازي) العدوس بالمسجد العدواد

| (Par Stale Var 1 of the 1/2 of the 1/2 of the stale of t |
|--|
| William John and John Jourson |
| Complete Charles and and and any |
| Chappy Jan - do on contraction of |
| Telephone when it is a finished a second |
| The four will every |
| 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 |
| 300 1 1 - 1 - 1/1/10 Cint |
| (N. 1888) with |
| (1807.8 18. 18. 18. 18. 18. 18. 18. 18. 18. 1 |
| John Color |



بسم اله الرهمي لسمي

المحد له والصلاة على رسول الده وآله وحجبه أجعيف أمابعد ما ي إطلعت ولاه المحدعال كمنا ، ولما ثف لمصالحين للسياخ خافظ إشال مترسين حبزاه البه عن الإسلام عواعسمن على الحزار فوجد ده نحما با جلين فيه صن الأصاديث والففائل ني كفر ونا منعا د نيا و آخر مِن وحمل الله على سيمنا محروا له جمد بما

Callegan John

MAZAHIR ULOOM

SAHARANPUR-247001

(U.P.) ______ nou. Ph. : (0132) 2656542 Fax : 2659912 A

عديث مَظاهِرُ مِنْ الْمِنْ

| 0.4 | al. | |
|------|-----|--|
| RET. | MU. | |

Dated

كلمات قرآنياورا حاديث دقيه مشائ كتر بات كى روشى من

نحمده ونصلي على رسوله الكريم

اما بعد اقر آن داحادیث کے مبارک کلمات بینک اپنائیک اثر اور
تا تیرر کھتے ہیں، اور زندگی کے مختلف مراحل ہیں ان سے رہنمائی اوراستفادہ
کیا جاتا ہے اور اس کی برکات کا مشاہدہ کیا جاتا ہے، اس لے مختلف اووار
ہیں اکا برعالا واست نے کلمات قرآنیا اوراحادیث رسول انقصلی الشعلیہ وسلم
سے استفادہ قرات ہوئے تضوص مواقع کے لئے وکھ اوراد ووطا لف اپنے
تجربات کی روشن میں بتلائے ہیں، چیش نظر کماب ' وطائف الصالحین' جس
کے مؤلف موادنا جافظ اقبال قربی صاحب ہیں انھوں نے بررگان دین
کے مؤلف موادنا جافظ اقبال قربی صاحب ہیں انھوں نے بررگان دین
کے انھیں تجربات کو کمانی شمل میں جی کردیا ہے، ول سے دعاہے کہ القد تعالی
اس کماب کوامت کے لئے نافع بنائے اور قبول عام سے نواز ہے۔

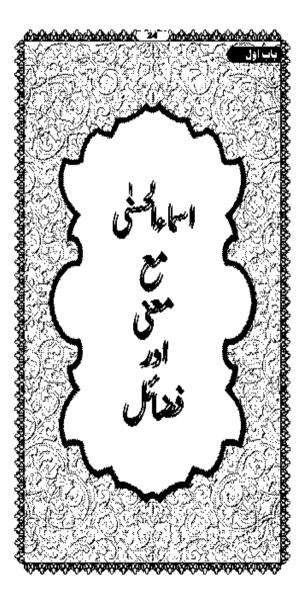
مقع دکرمو **بگیدنشش ایزوایشانی** ۱۲رسج الذان ۱۲۲مدج متاره کیمیکل انڈسٹر پر کمٹیڈ 1489-14 تو نوبال فن 1489-14 تو معرفی 1489-14 ۱۹۷۷-۱۹۷۹ نوبال فن 1489-1489 نوبال ۱۹۹۳-۱۹۹۹

حافظ اقبال قریش ساحب نے مختلف وطا آف پر مشتل کنا ہے وطا کشے اصافحین علیف کی ہے جس کی آئی کل کے دور میں بہت ایمیت ہے۔

بیکٹب اسان کی تقیمات اوران کے ذریعے اپنی دوجائی بیار یوں کو دور کرنے کے لئے ایک بہتر میں مجموعہ سیب میں نے اس آماب کو پڑھنے کے ابعداس کی 3 ہزار کا بیال مجبوا کر بدیہ کے خور پڑھیم کی جی تا کہ لوگ اسان کی تعلیمات کی دوشی میں اپنی پیٹائیوں کا ملی نگال میکٹر جن کے متعلق وس کما ب جی آر آن سلمہ کی دوشی عمل وقا تھے اور دما تی موجود جیں۔

القة تِارك وقعاني سندها ہے كدرب كريم حافظ البّال تركي صاحب سيّع وكل عنى بركت عطاقر مائة اوران كى تاليف سنة مب يُوستنيد وون كى توكي تشفير تالين

محمدا ورکیس متاره یمیکل اندستر پر کمنیذ 32 کلویمزشخو پورورود فیصل آباد



اسماءُ الحُسنَى مع عنى اور فضائِل

| خماص اور فوائد | معن | اسمأرشني | ميزمار |
|---|-----|----------------------|--------|
| وِشْ روزار ایک بخارتر " بیا اَللَّهُ" بزسع می ، انشار انشاس کے دل سے آم شکوک و شبہات دور انو بائیں کے اور قرم ویٹین کی قیت تعیب اور گی ۔ بو افعال تا مرتن بواوزاس کے موسے اطہار مائز ا کئے بیس وہ بکشرت بیا اُللَّه " کا ورد رکھ اوراس کے جد نیفار کی والگے اس کوشار تعیب اوراس کے جد نیفار کی والگے اس کوشار تعیب ہوگی بشر تیک جد | ್ತ | וֹענה ייי | 1 |
| عمار و وارائي ہو۔ الموقت نه آگي ہو۔ الموقت نه الموقت نه آگر کوئٹ من آلا ہے الموقت نه ال | Ŋ | الَّتَرَجُّنُ ۲۹۸ | ۲ |

| d | AAAAAAAAAAAA 126 3AAAA | 0 | 63646 | d de la composition della comp | Ь |
|------------|--|--------------|------------------|--|----------|
| | تواص اوز فوائد | معنا | امارشن | ΑŻ | PER BOOK |
| | وشف دوناد برفارك بدورت كالجديث يرع | 4 <u>``</u> | التجف | ۳ | |
| 8 | مااس کے قلب کی خلت اورنسیان دفع ہوجائے محا | ار ا | 109 | | B |
| Ž. | اورتمام ونوى المنون اوزعل مكروه سے انشاء الله مخوظ | 4 | | | į |
| 8 | نسب كا اورتمام تفوق اس يزم ران وجائ كا اوراكر | | | | Ė |
| Ş | اس کومشک وزعفران سے لِکھ کرکسی محفوظ جگہ بزطنق آدی مربع | | | | |
| 8 | ي محرس دفن كرديا جائے آواس ميں حيار، ترصسم الا | | | | Ë |
| Ņ. | مىكنت پياهومانځگ. | | | Щi | Ę |
| ă | بوشف روزاد من كانسك بدريا مالك كرت سے | 3 | المكاك | ~ | |
| Ä | پڑھاکریگاانٹرقبال اسے غنی فرمادی گے،اور جو زوال سریق میں ایسان کا مصرف کا میں ایسان کا میں ایسان کا میں کا می | 12. | ۹- | | |
| i i | مے وقت ایک مومیں بار پڑھ کا الٹارتدانی اسکومنان تاریخ | 4 | | | 2 |
| Ã . | قلب اورغنار ظاہری و باطن سے مرفراز فرمائیں تھے . شور | | • | | |
| ř | وشف دولانه زوال سے وقت اس اہم تمارک کوکٹرت | ر بۇر | أفكعي | ۵ | |
| ă | مع بير مع الشار الأرقال إن كادل روماني امل م | 增 | 14. | | |
| Š | سے پاک رہے گا۔ یعنی شدہ بغض، کینہ، ترص، نؤد غرضی معنی میں میں میں اور م | ' | | | |
| 3 | اور دیا کان وغیرہ سے محوظ دیسے گا۔ | - 7 | بررر | | DOM: |
| Š | چوشن کثرت سے اس اسم مُبارک کو پڑھتارے محا مند دیدا مار تاریخ | | النكارثر | 4 | 8 |
| ě | انشادالله تمام آفق ہے محفوظ رہے گا۔ اگر مریض سیار میں میں ایک نے میں ایک کار | 17. | 171 | | X |
| Ř | كياس اس كرسر بلف بيفركردونون بالقائفاكراس | יי | | | 1000 |
| ďę | ~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~ | WW. | , | NAMES OF | F |

| فواص اور فوائد | عنٰ ا | اسمارشنی ا | زنزار |
|--|--------------------------|-------------------------|--------------|
| کو ۱۳۶ مرتبه بلندآ وازے کو پیش می س | | | |
| ئىناراللەلىن كوشفارىقىيى بوگى. | | | |
| ن ٹوف کے وقت ۱۳۰ مرتبداس امیر مُباوک | ج [وفض مم | الْمُؤْثِنُ الْمُؤْثِنُ | 4 |
| والشارالند مرطري يحفوف اورجان ومال | 12) 3 | 154 | |
| ي تعوظ ربيمًا . يوشف اس أميم تها مك كو | | | ! |
| مكرياس زكم اس كاخا هروياطن النه تعال | م ليم الك | | |
| يى رسوكا- | | <u> </u> | |
| ل کرکے دورکھت نماز پڑھ اورحدق دان | | 061 | ۸ |
| برام مُمَا لِك فِي تِ ك ا اللهُ قَالَ اس كا ظام و | · | 100 | |
| فرمادی کے اور شام بھی بدیا ہوگ اور جو | | ' | |
| ارمرشب، پی نه مکا ت وانشارانشد تعالی و شیده ا | | | |
| للغ بوگایمن أس پراسسوار الل منکشف م | | | |
| | <u> جونے نگیر</u> | <u> </u> | |
| لیں دن تک چالی <i>ں وتب</i> اس آیم نہارک میں دن تک چالیں مرتز | { الوسخس جا | ٱلْعَزِيْزُ | 4 |
| االندنعي الياس كوم زوميتن سنادير شنر رود | | 96 | |
| وعض نماز فبسرے بعدا ۴ مرتب بڑھے مساک میں | 2017- | ' | |
| ف رانند کمس کا ممّاج نر جوگااورد آنت کے مرابعہ | - 1 | | |
| پائےگا، | بعدعزت | | |
| | | | |
| \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | १९८७ १९७१ | /******** | R)A |

خواص وفوائد بوهنص روزارضج وشام ٢٢٣ مرتبه اس اميم تبالك كو يراح كاالت المالة تعال ظالون كظلم وقبري محفوظ نيب كاءاور وتخص جاندى كى انگوش پريداميم مُبَارَكُ فَتَنْ كرواك يهين كالسي ببيت وثوكت لوگوں کے داوں میں الشار اللہ بھا ہوگا۔ وخص كشت اس ام مهادك كاورد ركع كا، **だらしょこしむ ٱ**لتُكَايِرُ التارتعان اسے عزت ویزان عطافرمائیں ہے۔ اوراگر بركام كى ابتدارين بيابرم تُبالك بكثرت يشص قوانشا الله اس مي كامياب اوكارشب زفاف مي بوي كماس جاكرقبل نماشرت دى بار ذكركرے تواولا دِنربیت. بوشخص مات روزتك تواز مومرتبهاس امم مبادك كو الخالق يرمع كالث والله قال تمام أخوّ سيقفوظ ليه الله وضف بميشربالم مُبارك أفْخَالِق يُعِمَارب توالشواك أمك فرشته بملاكر فبيتابس جواسل طرف س عبادت كرياب اوراس كاجره موروبات -ا الرماني ورت مات روزے ركے اور مان سے افطار كرنے جان ذلك وال ٱلْبَازِيُّ ك بدا البرية ألباري المصور يريه والشارالله 717 اسيمل قرارياف اوراولاد زرسيت بضيب بو-

| خواس اور فوائد | معتیا | المارحسن | نبثيله |
|--|---|-------------------|--------|
| ں امیم محیادک۔ کے قواص وبرکاست بھی وہی بھی : لیکا دیٹی "کے ہیں ۔ | 月雾 | اَلْصَقِيٰ ۲۲۲ | lv' |
| نص فمازِ جُرے بعد - ایرتبداس اسم مبالکہ سے کا انت ارائٹداس پرمنفرت کے آثار ظاہرہو میں ہے ، اور ہرتئل رفع ہوگ اور بے ٹمار دنیق ما بگا - اور چوشش نمازِ صرکے بعدر وزار '' یک فک فیفٹر کی ''بڑے کا الثار قابل کو انشاء اللہ بختے ہو۔ وں کے ذمرہ میں داخل کریں گے ۔ | درازران بردويكش كرندوالا | اَلْمَارُ ۱۲۸۱ | 18 |
| ا من رُنیاکی عبت بین گرفتار دو ده کشرت سے الر م قبالاک کو پڑھ قوانشا راننہ دُنیاکی عبت اس کے اس سے جاتی دہے گی اور فلماکی عبت پیلا ہوجائے گ سنوں پرفتے حاصل ہوگی ،اگرچین کے برق پرکلورکیائیے نفس کو بلایا جائے ہو اور محرکے تاورت پرتسب ادر مذہ اس کی برکت سے محروفع ہو ، | からいいから | الفهار | 14 |
| خص فقروفا قدین گرفتار ہو وہ کترت سے اس اسم بارک کو پڑھاکرے یا لکھ کراپنے پاس رکھ یا چاشنہ ہنسا زکے اکن مجدہ میں چالاس مرتبہ یا ہم مُرازکہ بھاکرے فوانٹ انڈ فقر وفاقہ سے کسے میت انگیزہا نجات ملے گا۔ اوراگر کوئی خاص حاجت دریشتی ہوآ | 15-2-16-24-1-1-16-14-1-1-16-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14-14- | الُوهَابُ ۱۲ | · 12 |

| d | 340 340 A | 0 | കക | d de la |
|----|--|------------|---------------|---------|
| Ã | فواص ا در فوائد | معنی | اممارشن | نبثوار |
| 8 | تھر یامسجد کے صحن میں تین باد مجدہ کرکے با ند آند ائے | | " | |
| 2 | اور - ارمزته بدام ممارك يرمع ، انت ارالله تعال | | | |
| 8 | حاجت پورې بوچائيگي . | | | |
| Ş | وشخص نماز فبح سيقبل البين مكان كيجارول كونون | š | ٱلرَّلَاقُ | 1.4 |
| å | میں دی وی مرتبرہ اہم قبالک پڑھ کردم کرے گا، | 77. | امرور ۱۳۰۸ | |
| Š | الشرقان اس پروزق کے دروانے الت الشاکھول | 3 | 1 -74 | |
| ğ | دیں مے اور بماری و مفلس اس کے تحریس برگرند کئے | ₩. | | |
| Ý | گی رید عمل قبلدک دابن جانب سے شوع کیاجائے الا | | | |
| Ş | م : قبلہ کی طرف ہی ہے۔ | | | |
| Š | وفنص مماز فحرم بعددونون بأتوسية برمكار برمرته | Ĭ. | الفتاح | 19 |
| Ş | يدائيم مُبالِك يُرْهاكرك كالشاء النَّداس كادل | 3 | | |
| Š | نورا يمان سي مور توجائ كااور قلب مين طب ادت | 173 | | |
| Ŷ | پريدا اوگ - | | | |
| ğ | وض كرت سي ياعليد مر كاورد كري كا | 1 | ألعاني | ۲- |
| Š | النّٰہ تعالیٰ اس برانٹ اوالٹہ تعالیٰ علم وُعرفت سے | بدوئين ولم | 14. | |
| ž | دروان کمول دی مح، اوراس کا مافظ وی وگا | المرق | | |
| Š | بوشف وبي زِدْ فِي عِلْمًا أَنْ لَاوت كريكا | ſĨ | | |
| Ş | الشاء الله الله الله على من يعداها فراوكا . | | | |
| Š | | | | |
| ₹, | g artination of the control of the c | COROS | | |

تواص ونوائد يوطخص روني سيرجار لغمون يراس اميم نبأ عالیں دن تک کمائے کا مُبوک؛ پیاکسس، زقم اور دُر د وغيرو ك تكليف انشاء الله محموس مرحوك . ر بوشن نمازچانست کے بعد آنمان کی جانب اِنق آفداکر کے مداندس مرتب اس اسم نبارک کو پیسے کا اور کند وتخص نمازجا شست يعدأتمان ك جاب باندأهاكر پر ہاتھ بھیرے کا اندرتعالٰ اُسیعی بنادی سے اور وہ مجمي كمن كافتان زيوكا. بوشص روزاريائ سومرتبة يأخافض بمعاكب ألكول الندنقال اس كم ماجتين يورى أورمشكلات وورفرادي محے پوشخص بن دن تک مسلسل بھے اور چستے دور ليك بى مجلس مين ميرهُ كراء بار" بِياحَ الفِيضُ " فِيصِ وَ الشاء الله دخمن رفتمياب دو. بوطنص برمبيذي جودهوي دات كوازهى دات كدوت الزافع امرته يازافغ برع توالشريك لسانتا الشغلق مدينازكون مح اورتونگري مطافرمائين مح. بوخفو بيريا ثبعوك دن بعدغا زمغرب بهرمرسب 100 CH 100 'يَامُعِزُّ "بِرْمَاكِرِبُ كَاللَّهِ تَعَالَ اسْ كُوالْتُ اللَّهُ لوگوں میں بارمزت اور ہا وقار بنادیں مجے اور اس ک ہیبت لوگوں کے دلون ٹن بدا ہوگ ۔

فحاص ادر فوائد المُنْ الْمُنْ | بوشف ٤٥مرتب-"ياميذاڻ"برُورُررب ور موكر دُعا كريه كالشابقال أس كوانشار الشرحاسين ظالموں اور دشموں مے مشرے مخوظ رکھیں گے . اگر کوئی فاص دشمن ہو توسیدہ میں اس کا نام لے کر كر إلى الله و فلان ظالم يا زش ك شرب محفوظ وكه. دُعاكرت توانث ارالله قبول يوگ . . وصخص بمعرات کے دن چاشست کی نماڈ کے بعید بوطن بعرات ع دن جاشت کی تماز عید بر با فی مودیا ایک مویا کابس مرتب." یکا سَدِینَعُ" پرمص کاه انت راند تعالی اس کی دمسائی قبول ہوں گ - درمیان میں کس سے بات ہرگز نرے اور جوشض مجمعہ کے دن فجری سنوں اور فرعوں کے درمیان موم تريع كالشرقال إس كوات رالترظرفاس <u>نوازی محے۔</u> وَضَى مَا رَبُّوكِ بِدِر مومرتِه يَا بَصِ أَرْبُ إِبِي كرياع النارتمال اس ك عادمين انشار الذروش اور دل میں فور پیدا فرمادی محے بوش جعوات کے روزنماز فجرى منتون اورفرحنون كے درمیان اس اسم مُهادِک کوسومرتبریاہے گا اللہ تعالیٰ اس کے دل کو بدایت سے مورفرمائیں گے ۔

| 4 | | | (A) (A) (A) | | 4 |
|-------------|---|-----------|--------------------|----------|-------|
| 8 | خواص اور فوایکر | معن- | إسمارجسني | نربزار | |
| A. C. A. C. | بوشض اخرشب مين ٩ جرم ته باوضويه البرتم الك بيت | إعابتكم | الجِلَ | 19 | |
| 8 | محالثہ تعالیٰ اس کے دل کواٹ دانٹہ تعالیٰ علی امراد مازور دان عمل میں مشہد کے سے الدین | 75 | 47 | | |
| 8 | والوار بناویں محے ، اور تو تفض تُبعب کی دات میں یہ اہم نمادک اس قدر بڑھے کہ بے عال و بیٹو دہو جائے | | | | |
| 8 | ا ہم مہرب ان اس مرر پسے اسے ماں ویصورہ وجہ اواللہ تعب ان اس کے قلب کو کشف والہام ہے | ! | | ! | 800 |
| 8 | ورون کے۔ اوازی کے۔ | | | | |
| September 1 | بوشن مجوع دن میں یا جمعہ کی دات میں دوائے | 7 | العَدُلُ | | |
| 9 | مِن تَكُرُون رِ" ٱلْعَذَانُ" لَكُورُ كَالْحُاكِ كَالصَّالِ الصَّالِ | الم | 1.00 | r- | |
| 3 | غلوق کوامکسنے متحرفرمادی محے . | •3 | | | |
| 9 | بوشض ١٣٢ رمرته يالقطيف برعاك اس ك | <u>~~</u> | ال الطيف | 71 | ě. |
| Š | رزق میں الشاء الله برکت ہوگی اوراس کے سب کام ا | 3 | 144 | , - | 8 |
| 266 | بون پورے ہوں جے جوشفس فقرو فاق ڈکھ اپیاری، میں بیر | 5 | | | |
| 3 | منهان بمسرس یاکمس اورْصیبت پی گرفیار موده اتجی اما به دری سر مرکز در ایر در در در در داد | 킄 | | | K |
| Ş | طن وخوکرے دوگازیڑھے اوراپ مقصدہ مطلب کو دل میں دکھ کرسومرتر بیام مُبادک پڑھے ، مقصد | | | j | |
| 3 | ا دل میں رکھ رخو مرجو بیا ہم جا دک پر بھے ، علام یہ ا مِعَنَا اِورا اوگا . | | | j | |
| 200 | بینه پوره اوه . پوخض مهات روز تک برام م تبارک بکشرت پزیده کا | ٠ | ارم ارمان دو | \dashv | and a |
| Ş | بوس ما ما روز برای برم باری بر مرکبیت انشار الله تعال اس بر اوست بده را زها بردید نے لگیں | de | الخبيار العبيار | ۲۲ | |
| | ھے بوضی نواہشات انسان میں یاکس موذی کے | 0 | AIT | | |
| Ą | | ROPES | W. CO. | 10 PE | Š |

| <u> </u> | M | 63646 | 6 |
|--|--------------|---------------------|----------|
| فواص اور فوائد | معتل | اممارهسني | المركال |
| بخرس كرفار تهوه مكثرت اس اليم مُ الك كاوردك | | | |
| انشاراللهان سے رہائ نصیب ہوگا۔ | | | |
| بوشف اس ام مبارك كوكاندر الكدكريان سے دھوكر | <u>1</u> | ا الْجَافِيُّ | |
| جس چیز پراس بان کوچرکے یا ملے گاانٹ مالنداس | يربار | الحقيق | rr |
| ين فيرو بكت جوك . أكراو ذاروب برتيريك تواس ك | | ^^ | |
| صنعت و زفت مي بركت بو - أكركشش رجورك و | | | |
| غرق مون مصفوظ ليه جانور رجيز كاجائ وتمام | | | |
| أتموّل سے وہ محفوظ رہیں اگر کون امیرآدی اس ک | i | | |
| بكثرت كلاوت كرب تواسكاعزو وقار برقراريم. | | | |
| يوشف اس اسم مُمارك كالبشرت ورديك كالشارالله | ~ | 9 1 | أندك |
| اسع ترت وعظمت نعيب بوك الاوه بريم في سيخفيظ | 1 | العجين | r |
| عبه کا اس ایم نمادک که ۱۱ درته پاسطندی واقت | | 1.4. | |
| ے اس ماصل ہوگا . | | | |
| بوشض اس امم مُبارك كابكشرت ورد يحير كا انشارالله | ř | الفائد الفائد (| ra l |
| اس كى تحليمين اور رئے وقع دُور اوجائيں محے اور مال | Ŋ | , | ,• |
| واولادس ركت وك حديث تربيت بن آياب ك | e!t | | |
| وكده من " يَا زَبِ اغْفَرُ لِي " مَن مِسَد كِ | | | |
| محاتوالله تعالى اس ك الكلي بيلي كناه معاف فرمادي | | | |
| معے (نمازے مجدمے حلاوہ)۔اس کے عسلاوہ اس | | | |
| \ \\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\\ | U I | gyyyy gy | i (|

| Outratus Contratus Contra | MAN | 6340 66 | |
|--|------------|--------------------|----------------|
| خواص اور فوائد | معنی | انمارهسن | تنزتار |
| مم مُبَادِك كُوتِين بارلِكُ كُونُ فاروائ كو بانده دياجات | | | |
| وُنُوَّارِ مِلْمَارِتِ، النشار الله . | r | | |
| وخض معاش تنگ یاکسی اور دُکھر در دمیں مبتلا ہو وہ | | 统 | 1 44 |
| س اسم مُبارك كوامهم تبريد فلاد يشيع وانشارالله | | معنی ا | |
| س سے رہائی تصیب ہوگ اگر تکان یا گرانی اعضار | | | |
| يوتواس امم مُبادك كولك كريدن برهيريث اورهين | r | | |
| والأم بوادر المضعيف الصراي الكورميب و | ۲ | | |
| گاه <i>ين ز</i> ل ټو. | : | <u> </u> | |
| وخفس اس اميم مُبارك وبميشه رِمعالب ادراكه كر | | ألعيل | ا يس |
| بيدياس ديكه اس وتبرك بلندى الوثمال اووتعدي | | ر د چی ۱۱۰ | ' ⁻ |
| وامران ضيب وك أكراس المرم بالكركوكوك | | '' | |
| ك بالده دياجات توهلديوان بو-اكرمسافرابينياس | | | |
| مے توبلدائ فرزوں سے مط واگر متاج اپنیاں | | | |
| سكے وَتَى بومِلتَ. | _ | | |
| وشخص لي عبده سي حرول بوكيا ووه سات دورك | | 25% | |
| كه اور روزار ايك مزادرتية يا كيب يُر فيت وه | | المتياير | FA |
| نت الشراب عبده يرعال ووبات كالورزرك | | 1 41 | |
| برزى نصيب ہوگی ۔ وشخص اس اسمِ مُبادَک کیکٹرٹ | , | | |
| رے گا اس پڑگو) وحرفت کے دروانے گھل جائیں گے۔ | 1 | | |
| Quyềy đển Quyềy Độn ở thời vật từ được được động | (1808-00 | | 100776 |

| 4 | ************************************** | <u> </u> | | 6 0€ |
|---|---|-----------|-------------------|-------------|
| ě | فجاص ادر فجائد | معن ا | اسمارختن | المركا |
| Ž | اگرکس کھانے کی چیزپر پڑھ کہ دیم کر کے میسیان ہوں کو | | | |
| | كهلايا جائے توباہم أكشت بيدا ہو- | | | |
| | بوشمص بمثرت ياحفي يظ " اورد رك كااوركور | 1. | أأفظ | ₽4 |
| | اب پاس رکھ گا وہ انشاماللہ برطری کے توف ڈھر | BAVK. | 994 | ויי |
| | اورنعضان وهزريس محفيظ رسب محاجات وه درندون | - | | |
| | کے درمیان می کیوں مرموتا ہو | | | |
| | بوشض فال آ. توبي مين مات مرتبه يرام مبارك بإحر | ξ, | ا الكفيت | or. |
| | دُم كرے كا اوراس ميں فود پان بيتے ياكس دومرے كو | Siss | معتبيت | ; |
| | بلائ يامونكم كاقوات والترمقصد حل بوجائك | بادلوانا | | |
| | اگر دوزہ داراے می بر زمر بالکھراس کو ترکے | <u>`</u> | | |
| | سونكھ توقوت اورغذائيت حاصل ہو۔ اگر مسافر كوزہ پر | 3 | | |
| | مات بار پر م كر مجراس سے بان چاكرے قوصفت خر | | | |
| | سے مامون ہو۔ | | | Щ |
| | مِن شُف كُوس مِن شُفس ما جيز كاذر موده جمرات سائرون | () | آمر ورا الحسيب | P/1 |
| | كرك آخدروزتك من وشام مقرمرته تحسيبي الله | | ۸. | , |
| | الْحَسِينِبُ بِرِب وه الشارالله برجز كرفر سفخطاب | Ą | | |
| | گارشے کوئ تم یامصیت واقع ہووہ "حَسْلُبُتَا ماہ برین مرکز ویریس کا اسال | ناوال | | |
| | اللَّهُ وَيَعْمُ الْوَكِيْلُ " كَالْرِسَاكِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ | | | |
| | تمام دنیوی واُخروی پریشانیان دُور فرمائیں مجے . | | | |
| L | ው <i>አመር ነው ነጻነር ነው አንዲያቸር ነው ነጻነ</i> ነው ነጻነ ነጻነ ነጻነ ነጻነ ነ | III (III) | . 60 (100, 760) | 100 A SO |

تواص اور فوائد مشك وزعفران سنداس اميم المينعياس وكم كااور بكثرت يا حَيِلِيْلُ كاور ديم محاءانشارالثداس كوعزت وعظمت أورقدر ومنزنت حاصل بوگى. بوض روزا مرسوت وقت يككر ديم يرمعة يرمعة ألكي وملياكريه توالنارتغان إس وغلما رضلمارس مزنت نصیب فرمائیں ہے۔ بوشخص اييضابل وعيال ومال ومنال برمات مرتبه س البيم مُهارك كويزه كرروزار دم كسيب كري اور أيارُ فِينِبُ كاوِردر كه الناء اللهوه تمام أخول ے موظ رہے گا ۔ اگر تمل کے ضائع ہونے کا خطرہ ہو توعودت اين بيث بر باغة ركه كرمات بالاس المرفبارك كويرُ مع ، السَّا مالتُرَحِ هَ أَنَّ مِي مِنْ سِيمَعْ فِي وَالسِّمَا . الرسغرمين كمس بالبيتي كالحرف سيفكر بوتواس كألون برانورکه کواس ایم نمازک کومات مرتب <u>ز</u>ره ، انشارالندوه بيمضوين مفوظ يسهكا. بوشف كترت بيريا معجديث يرماك انشارانهاس ک دُمائی بازگاهِ خداوندی می قول بون لکیں کی نیز دُه اکے مرافق ذ*کر کر*نا موجیب قبولیتِ دُماہے۔

| A | ^^^ | 200 | | dû de | 4 |
|--|--|--------------------|---------------------|-------|--|
| To the second | خواص و فوائد | معنی | اممارشن | نتبلر | R |
| Statistics and an other states | بوشخص بکشرت کیا <u>وائس</u> ٹے کا ذکر کریے گا انشاراللہ اسکوظاہری ویاطن خنار اللہ تعالی حطافرائیں گے، اوراسمیں حیصلگی ویر دیاری بہذا ہوگی۔ | ومعت والإ | 部兰 | የዝ | STATE OF THE PARTY |
| hat hat has been had | بوشف کشرت سے "یافتکینیٹر میرماکرے اللہ تعالی اس بیعلم وحکمت کے دروازے کھول دیں مجے۔ جس کاکون کام پوراز ہوتا ہو تو وہ پابندی سے اس ایم مُباکک کورٹرھ انشاران کرام پورا ہوجائے گا۔ | يزي تقتيل والا | اَلْحَكِيْنُ ۸ ، | 12 | AND THE RESIDENCE OF THE PARTY |
| | وشف ایک براد مرته یا وَ دُودٌ پُرْهُ کُهُ لَهُ الْهِ الْهِ کُهُ وَدُورُهُ بِرُهُ کُهُ لَهُ لَهُ کُانُو کرست گا در بیوی کے ساتھ بیٹے کروہ کھا نا کھائے گائو انتہاء الشربیان بیوی کا جھگڑا فتم ہوجائے گا اور داہی مجتب بدلا ہوجائے گا ۔ بیٹنش اس اسم شب آرک کا برار بار ذکر کرسے گا وہ الشرب مارز و تقب ال کا میڈی ب برومائے گا ۔ | يزا قبت كبيرة والإ | أَخِيْنَكُ | PΆ | Charles and Control of the Control o |
| Charles Carlos Carlos Carlos Carlos Charles Ch | و بی مرض کا در این مرض آنشک، جذام با برص دخیره مین گرفتار تو دوه (۱۲ مم) مراک کار نخسک روز سے کے کھ اور افطار کے بعداس ایم مبالک کو پڑھاکر ساور پانی پر دم کر کے پینے ، الشاء اللہ وہ مرض ڈور ہوجائے گا - چاہے اسکا ازار بلاسیب ہویا اسیاب دنج یہ بینی طازی وغیرہ کے ماتھ ہو۔ | \$1.13°C | الحِيدُ 20 | ρη | CONTRACTOR AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE P |

خواص اور فوائد بوشف روزانه بويته وقت سينزير باية ركدكرايك مو ایک مرتر" کا کاچٹ " راجا کرے وانشار اللہ اس کا دل جلم وحكمت سے زندہ ہوجائے كا۔ جس تنخص کی بوی یا اولاد نافرمان ہووہ میم کے وقت اس ك بينان ربانه ركد كرا٢ مرته ياشهيد ك يزعر دم كرك الشاء الله فرما نبردار بوجائ كي ويخص إس ایم مُبادک ک کثرت سے تلاوت کرے گا اکسس کا دل باطل ميمتقر *بوكري ك* چانب مائل بو**گا**. بوضض يوكور كاغذ كے جاروں كونوں يراَفْحَقُ الكريرم ٥٢ أَلَحَقَ ے وقت کا فذکو بھیل روکھ کی آسمان کی طرف باند کرے دُعاكري، انت دان كمشر شخص بإسامان بل جائر كا اودنعصان ومصائب سيمخوذ وبسيكاء بوٹھن کس بی اکرمان آفت کے ٹوٹ کے وقت ألوكيل "ياوَيكِيْل" كاوِرد كرك كالولاس اسم مُهارك كويّينا وكيل بنانه كاوه الشار الفربر آفت مصفوظ ب جع كولُ غم يامعيب واقع بوده حسد بُدنا اللَّهُ وَيْعُمْ مِ الْوَيْكِيلُ * كَانْرِت كريد الله قال اس ك تمام دیوی واُ تروی پرلیشانیان دُورفرمادین <u>گ</u>ے۔

| d | 346 346 346 346 346 346 346 346 346 346 | 60 f | 636A | u‰∧ |
|--|--|--------------------|---------------------------|--------|
| 3 | خواص اور فوائد | معتن | اممارهمن | البرار |
| Section Sectio | بوضی واقعی تقلق ممزوراورمغلوب بوده اس ظالم اور طاقتوردشن کو دفع کرنے کہ نیت سے بکٹرت اس اسم میادک کو پڑھے قوانٹ ارائداس سے مفوظ نے مجا۔ (بے قل اور ناحق یہ ممل مرکز دکرے)۔ | يجي طاقت وقوت والإ | ٱلْقَوِيُ ١١٦ | ar. |
| Constanting Constanting | جُس تورت کے دورہ نہواس کواُلْمَتِیْنُ کافذرِ نکد کر دعوکر بلائی الشارالتہ توب دورہ ہوگا۔ ہو شفص لڑکا یا لڑک پڑا کمیتین دس بار پڑھ کا قوہ بونسق وفجوداور گناہوں سے معوظ رہے گا۔ | غريدقوت والإ | اَلَمُتَّنِّنُ ٠٠٥ | ۵۵۰ |
| etsetteltetsettetsettetsette | پوشن اپن بوی که حاد تون جسکوں سے فوش نہودہ جب اس کے سامنے جائے تواس اسم مُبادک کورٹھا کے۔ انشار اللہ نیک جسلت جوجائے گل جوشن شب جُنوس اس اسم مُبادک کولیک ہزار بار چیدہ کا :اللہ تعالیٰ اسے نیک اعمال کی توفیق عطا فرمائیں مے۔ | | اَلُولِيُّ ۲۲ | a1 |
| Saskinsky. | بوشف ٧٥. دن تك توار ١٩٠ مرتبة نهان من إهاك الله . الله من الله الله . الله من الله الله . الله الله . | 100 m | ٱلۡجَيدُ ۱۲ | ۵۷ |
| Sask of Saskaskask | بوشن رون کے میں تکروں پر روزار میں مرتب مرتب مرتب مرتب مرتب بارم تبارک بڑھ کردی کیے اور کھائے قوان اللہ منظوق اس کے لئے مستم ہوجائے گی . | | المعصوص المعصوص ۱۳۸ | ۵۸ |
| | | 1 237423 | (), (), (), | |

| <u> </u> | ne (State) | <u> </u> | ri de |
|--|------------|---------------------------|---------|
| فواص اور فوائد | معن | الهارفسن | N) |
| و شخص محرک وقت حامله تورت کربیث پر باغد که کر ۹۹ مرتبر " یا صُرِیدی " براه کا، انشاء الله تمل ضائع | 3 | لَکُیْرِئ ۲۵ | ۵٩ |
| ہونے سے مخوظ رہے گا اور جب تک بچرکا مل نہ ہوگا وضع عمل نہ ہوگا۔ گمٹندہ شخص کو وابس ملانے کے لئے جب گھر کے سب | _ | و المام و | |
| مستره من وواب به برائد من مراح من المراقب من المراقب من المراقب الشاء الأرميات روزي وابس "يَاهُ عِيدُدٌ" إليه الشاء الله ميات روزي وابس | | اَلْمُجَيِّدُ ۱۲۴ | ۲۰ |
| آجائے کا یا بست دہل جائے گا۔ چِٹھن اس آئے ٹمبارک کاورد کرے گا اسے جُول ہو ٹی ابنی یاد آجائیں گی۔ | 3 | | |
| اور توشف اس اسم مُرارک کوایک پُراد مِرتبہ بِنْے کا . اس کی تیرت دور ہوجائے گی . | | | |
| بوض میار ہو وہ کثرت ہے آگئے بیٹ کاور درکھ یا آگئ بمار پر دم کیا جائے قالت ارالہ جائیومتیاب معامل مقدم سے معامل معامل معامل معامل معامل معامل معامل معامل | 2 | اَلْمُحْيِي ۱۸ | 41 |
| ہومائے ۔ چوشن ۸۹ مرتب الکھیٹی پڑھ کراہے اُورِ دُ کرے ، وہ برطرح کی قیدو بندسے الشاراللہ مخوظ ہے گا۔ | 1 | | |
| <u>موطوع ہے۔</u> مِن تَحْمَى كانفس اس كے قالوميں نہووہ ہوتے وقت مينز بريائة رائد 'لِلْمُ مِن اِنْسُرِ مِنْ بِرِّحْمَةِ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْسِلِمَةِ لَوْ | | اَلْمُونِيْتُ مريد | ۱ ۲۲ |
| انشأرالفداس كانفس مطيع بوجائد كأكسس مي | § | | |

| A | AAAAAAAAAAAAAA | | | d de la | ì. |
|----|--|----------|-------------------|--|----|
| 4 | خواص اور فوائد | معن | العارضن | فبرتا | R |
| | اسراف کی عادت ہو تووہ اس اسمِ قبارک کی کشرت | | | | Š |
| 8 | ے تلاوت کرے تورہ مادت بداسے چوشہائے | | | | |
| 8 | كى اورشوق عبادت بيدا بوجائے كى . | | | | Š. |
| Ş | يوشن دونارتين مزارمرته كالمنجئ "كاوردرك كا | 4 | اَلُحَيُّ | KW. | į |
| 8 | وه النشاء الذرنجمي بميار نه وكايتوض اس الم مُبارك | 1.7. | IA | " | Ř |
| Š | كوجين محررتن برمشك اوركلاب سي لكوكرشيري بان | 407 | | | ì |
| ğ | ے دھو کریتے کا یاکسی دو سرے برارکو لائے گا وانتالاند | śłŲ | | | Ř |
| Ŋ. | شغلت كابل نعيب يوگي . | _ | | | K |
| Ą | وخض بكثرت أس الهم مبارك يأق يتوهر كاورد | Į, | آ القندور | 46 | R |
| Š | ركه كاه انشار الذروكون مين اس كانت وماكوزاده | 1 | 104 | " | K |
| Ä | بوگ اور شهان میں بیٹر کرورد کرے کا توانت ارائد | | | | ř |
| 8 | فوثمال ہوجائے کا بوتھ میں کی تمانے جدیتے ہورج | | | | K |
| ¥ | يُطِينَك إِيَّا تَيُّ مِيَافَيَةُ وَمُرَّ كاوِرد كمياكك، | | | | Ŷ |
| 8 | انشاراللداس كي مست اوركابل دور بوجائد ان | | | | B |
| Š | ہر دواسماری ملاوت مصورار کا غلبہ دور ہوجا کا ہے | | ! | | Î |
| Ä. | اورمىتىدى پىدا ہومات ہے۔ | ٠ | | | k |
| 3 | وَعُصْ كَمَانًا كَمَاتِ وَمَتْ يَأْلُواْ جِدُهُ كَاوِر دِركِي، | | آليان آليانون | 40 | B |
| 3 | غذاس كے قلب كى طاقت وقترت اور فورانيت كا | | الوا | ,- | |
| S. | باعث ہوگی، انشاراللہ۔ | 看 | ''' | | Ŕ |
| ₹, | i Parangangan pangangan pangangan pangangan | TEXTED 2 | (\$4) (\$4) (\$4) | III III III III III III III III III II | ř |

| خاص اور فارگر | معن | اسمارسنل | الإ |
|---|--------------|------------------|-----|
| نص تنهائی میں اس اسم نمادک کواس قدر دیدے کہ فود ہوجائے توانٹ ارانشراس کے قلب پر افوار نیے ظاہر ہونے لگیں گے ۔ | 臺上 | لَكَاخِلًا ٣٨ | 44 |
| نص روزانه ایک ہزار ترتہ اُلُو اِجِدُ الْاُحَدُ بُرُما یت کا اس کے دل سے انٹ ادالٹہ خلوق کی مجت رفوف جا آرہے کا جس شخص کی اولاد مزجوق کا وہ | | 19. | 74 |
| ں امم مُبادک کولکو کراپینہاس دکھے ۔انشدادانٹر کو اولا دِصالے تھیب ہوگی - خص محرکے دقت مجدہ میں مردکہ ۱۱۵ یا ۱۲۵ مرتبر کی امم مُبادک کو ٹیسے گااس کوانشنا رائٹ ڈالہوں کی امم مُبادک کو ٹیسے گااس کوانشنا رائٹ ڈالہوں | ۶۱ لا ما، | اَلْطَعَدُ | 44 |
| اِطَیٰ کِانْ نَصیب ہوگ اور پیٹنس باوشواسس مِ مُبارک کاور د جاری رکھے وہ انشاء الڈ بخلوق سے دنیاز ہوجائے کا - اور کبھی ظالموں کے باقیس گرفیار | آخر اتا | ודרי | |
| ہوگا۔ اور حب تک اس اس مُهادک کاذکر کا اسب مُوک کا الز نہ ہوگا۔ | R | | |
| رُغْص دورکصت نماز پڑھ کر: ۱۰ مرتب" یا فتَادِرُ" بھے گاانٹر تعالیٰ اس کے دِشنوں کو ذکسیسل ورسوا بیادیں گے (اگروہ تن پر ہوگا) ۔اگر کمی شخص کو کو ک | 2 3 | آفارن ۳۰۵ | 79 |
| دِين من الرون بي رون من و ون على كام ياكس كام مين و توارى يا وقت پيش | | | |

| A CO | ^ | 6 | | n contract |
|-------------|---|---------|----------------------|------------|
| ă | خواص اور فوائد | معتی | إممارطستل | أنبثار |
| 8 | أَمَا عُرِدُ إِلَيْ يَاقَادِرُ "بِيْحَالْ اللهِ | | | |
| ä | د تواری دور اوجائے گ | | | |
| # # 8 | وَتُنص موراعف كي بعد مكترت يا مُقْتَدِ رُ " كا | بيئ | ረ ተለሽ | |
| | وردكياكرك ياكم ازكم بيرم ترزيعا كرس الشاءالشر | 13 | المقترك | ۷. |
| 9 | الحكة مام كام أثمان بومائي مح. | = | 744 | |
| 8 - 8 | بوشن جنگ كورت كرن سن يكافه قلِّه مُرَّزَيعتا | 4 | لَلْقَدْيِعُ | |
| 9 | رب كاالترتعال اسے (بيني قدرى كى) قوت يعينا عطا | 16/1 | معين | -' |
| Ž | فرمادیں مے اور دشمنوں ہے مغوظ رکھیں مے ۔ ادر م | 4 | 1417 | |
| | تَخْص بروقتٌ يَامُعُمَّدُ مُرْ كاوِرد ريكِ كالشارالله | 18 | | |
| G C | وه الله تعالَىٰ كامطِع أور فرما شردار بن جائے گا- | | | |
| 7 | بوشف كثرت سة يا مُؤَخِرٌ كا ورد يمك كالت | 1 | 25816 | |
| | انٹ رالٹارتی توبرنصیب موگ،اور پوشنخص روزانہ | والمجار | المؤقف | 27 |
| | مومرتب اس اہم مبالک کویا بندی سے بڑھا کرے | 3 | ۲۳۸ | |
| 5 | اس كوانشارالتدى تعالى كاليساقرب نصيب بوكاكر | , clit | | |
| Ö | اس کے بغروین مہ آئے گا۔ | | | |
| | جس شخص کے لوکا مذہوتا ہو وہ چالیں دن تک پالیں | | آلِائل آلائل | |
| Š | مِرِّرِ دِوزٌيا اَوَّلُ بِيْمَاكِر الشَّاء النَّهُ النَّهُ مُرَادِ إِن بَكُلَّ. | 1 | الا <i>دن</i> ارت | 47 |
| | يُوْضَ سافر ہو وہ جُعد كے دن أيك بزار رتبه يا أوَّلُ " | 永 | F 4 | |
| 9 | رِيع، انشار الشُرجلدوطن وابِس بَرِيت بِبغِي كا . | | | |
| E U | | (V)(V) | <i>(1990).1</i> 00 | (C) |

| | خواص اور فوائد | معن | امادشن | نبزار |
|------------------------|--|---------------|-----------------------------|-------|
| گی اور | چوشن روزاندایک بهزار مرتبه " بیا اُجِنْسِرٌ " پُرُهِ اس کے دل سے خیرانشرکی مہتت دُور ہوجائے " انت اندرساری عرکی کوتا ہمیں کا کفارہ ہوجائے | | اَلْاِفِي ٨٠١ | ۲۴۷ |
| | فاتمها لخيره وكال | | | l |
| اھِرُ ئن اور | بوشخص نما زُامِرُاق بحديد بارئ سومرته " يَماظَما كاور دكياكرے ،اللہ رقبانی اس آنگھوں مِیں روّ دل مِیں نورعطا فرمادیں عجے، انسٹ ارائیڈ . | 50 | اَلَطُ الِمُ ۱۱۰۶ | ۷۵ |
| ں سے ہول ۔ | یوشنی دوزار ۳۳ درشب" یا کاطفی پڑھا کہ انٹ اداللہ اس پر باطنی اسراد ظاہر ہونے لکیم اوبلس کے قلب میں انسس وممبّت الی پیلا | يرشيده وينهار | آلْبَاطِنُ ۲۲ | 44 |
| قَدِيرٌ قَدِيرٌ | بۇتىن دوركىت نمازا داكرىي تھۇاڭدۇگ وَ وَالظّاهِرُ وَالْبَاطِنُ وَهُوعَلَ كُلِّ شَيْءٍ رِصاكىپ، انشارالداك تمام حابتى بورى | | | |
| تاگهان تؤری نورت | ادرتمام خالات باطله دُور اوجاسُ مع . بوضف کشرت سے یکا فرانی کاور دیکھ گاوہ انتموں سے الب رانڈ محفوظ رہے گا کوئے کا بریباس مرازک لکو کراس میں پان بحر کر مکا | مخل اورمتصرف | الوان ۲۷ | 44 |
| ول سنت | چون المرادي مجرائ كا قوده مكان بمن الث مالله تمام آم | נ | | |

| Á | <u>JANGARIA GARANGA GARANGA TAGA TAGA GARANGA GA</u> | | | | | | |
|--------|--|----------|------------------|---------|------------|--|--|
| 3 | ثواص اوز فحائد | معن | امارضن | مشار | 4 | | |
| 8 | يراسم مُباوك يُسِم الشار الله وه فرما نروار بوجائ | | | | | | |
| 2 | کا این ام تمب ادک ک کثرت یکی کی کسسے میں | | | | | | |
| 8 | محفوظار کمتی ہے۔ | | | | | | |
| Ş | وَخُفِي كَثِرت مِنْ يَامُتُعَالَى "كَاوِرد رَكْ الشالله | }. | المثنكال | ۷۸. | | | |
| 8 | اس کی تمام مشکوات رفع موجائیں گی اور پڑوریت حالتِ | 小花 | د. ۱۵۵ | ' | | | |
| Ş | مین میں کثرت سے اس اہم تبارک کا ورد رکھے ، | iis | | | | | |
| Ä | انت الله اس تعليف دفع اوگ . | <u> </u> | | | | | |
| Š | يۇشن (نودبالله)شراب أوش اورزنا كارى جيسيدىك | 7113 | ٱلْكِرُّ | ۷9 | | | |
| Å | مخنامون مين مُبتلاموه وروزاه رمات مرتبه بيرام مُبارك | | 7.4 | · | | | |
| Š | رُمع الشار الله ان كنامون كى وفيت جاتى م كى. يتنا | 1 | | | | | |
| å | وتقص حُبِّ دُنیامی مُبتلا موده اس ایم مُبادک وکثرت | وأل | | | | | |
| Š | پڑھتا ہے ؛ انشار اللہ دُنیا کی دبت اس کے دل عموا ل | | | | | | |
| Ï | ارب گی جوشنس اپنے کئے بہلا ہونے کے بعدای سات | | i | | | | |
| 8 | مرتبهای ایم مُبادک کویژه کردم کرے اوران سی میرد م | | : | | 200 | | |
| ÿ | كرنت دوه بلون تك تمام أخوّل من مفوظ رب كا مريم رويد وروي | | | | | | |
| Q V | ادرنگ بخت اُغظاء | `à:- | | _ | | | |
| å | پوشض نمازچاشت کے بعد ۳۲ برتبہ اس اسمِ مُبارک مرد بر سر میں در میل سور میں | غارة | التَّوَّابُ | ۸. | | | |
| å | كوزُيعاكرية،الشا دالله إسري يوريفييب بوجو شذر من السريري برسم مرم مرم مرمود و الم | يتجل | 14-9 | | THE STREET | | |
| Š | تنض كثرت ساس الم بارك كويم عاكر ي انشار الله | Ugi | | | 100 | | |
| ٧, | | TATE OF | ampro | (Apply) | ŕ | | |

| BACKARA ARABA ARABA WAY BACKAR | 6 | ക്ഷ | e de |
|--|-------------|-------------|--------|
| خواص اور فوائد | معن | اممارسن | زشركار |
| اس کے تمام کام آئسان ہوں گے۔ آگر کمی ظالم پر | | | |
| دس مرتب، بڑھ کر مجھے نکاجائے قوانشا رالنداس۔ | | | |
| خلامی نصیب جوگ - | | | |
| وشخص حق يرجوا وردش سے بدر لينے كاس مي تلك | 4 | 1 | |
| مذجووه تمن تمعرتك بكثرت بالمنفق تمر موص الندنعال | يز لميزوالا | المسقوا | ΛI |
| فوداس سے انقام لیں مے . (یعمل نافی برگرز کیا | - | ኘ ፖ۰ | |
| چائے، بہت مخت کناہ ہے)۔ | | | |
| وض كترت ياعفن أرماك الدنسال | 1 | ألعفق | |
| اس كے گزاہوں كوانث واللہ معاف فرمادي محمد | 3 | العقق | Λī |
| اورات رسائے الی ماصل ہوگی . | (<u>)</u> | 141 | |
| وشف بكترت كأرَّهُ وفت كاورد يده كالمناوق | 150 | 2.0 | |
| اس پرمهرمان ہوجائے گی اوروہ تحلوق پر۔ اور ہوشف | , i | الزؤف | ۸۲ |
| دس مرتب، درو د شریف اور دی مرتبه اس آیم قبارک | 3 | 17.44 | |
| كوريط توانث والتداس كاخضر دفع بوجائ كايا | | | |
| كس فضيناك هف بردم كياجائ تواس كاغضب | | | |
| رفع ہوجائے. | | | |
| بوض يامالات المُلكِ كيمينه بِعناب كا | 4 | alline. | |
| الشرتعال اس كوعن اوروكون سے بياز فرادي م | 7 | | Αľ |
| اوروه کس کا قراح مزہے گا۔ | J, | 717 | |
| | | ov ener | |

خواص اور فوائد وضم كترت بي يَاذَ الْجَلَالِ وَالْأَكْوَامِرِيمِ محاالناد بعال اس كوعزت وعفرت اور فملوق مطمتغنا antentration in the Cartest and antended and antended and antended and antended and antended and and and and a اعطافرمادیںگے۔ وخض روزازاس اسم نهارك كويرها كريسكاوه انت ارالند شیطان و موموں سے تفوظ رہے گا . اوراگر کسی خاص اورجائز مقصد کے لئے سات ہو(- c) مرتبہ اس امبر مُبارك كويرِّ عظا انشاء الله ومتصدما صل يجا. جس شخص سے اعزار باا حباب منتشر ہو مجئے ہوں وہ م الم من من المزاريا اجباب منتشر بوسط بون وه المنت كي وخت من كرك اورائمان كي طرف منه ٱلْجُائِعُ 1117 ار عدس مرتب" ياجامع "راح اوراكي انكى بنوکیا ۔ اس طرح ہردس مرتب برایک انگل بند كرّا جائ -أكرّيس دونون بالقرمز يرتجيرك، المثارات جلدت عومائي مع - الركون جزكم مطاعة اللهمة يَاجَامِعُ النَّاسِ لِيَوْمِ إِلَّا زَيْبَ فِيهِ وَإِجْمَعُ ضَاكَيَّنَ يُرْمِاكِن وه بِيزان الشارالله ل عِن كُل . مِارْمِبَت كَ لِنْهِي يِهِ دُعَالِهِ مِثَالٍ بِ . بوشخص روزار مشر(٠٠) مرتبه" يَا عَنْوَيْ "بِرُهِمَا كَرِيهِ كَا 生ができる الغني الثدتغال اس كے مال ميں بركت عطافر مائيں محالة انشارالندكمي كافتارة زيب كابوشخو كمي ظاهري

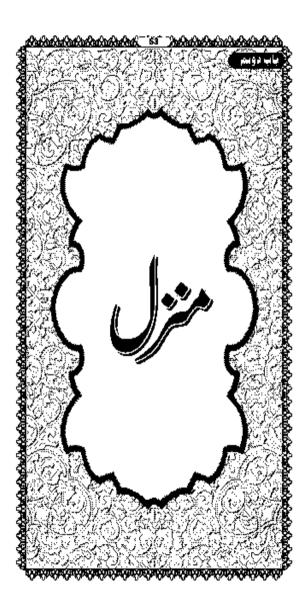
| | فواص اور فوائر | | امارصن | بتوار |
|-------------|---|--------------|------------------|------------|
| بمآم اعصارو | ں یا بلامی <i>ں گرف</i> یار ہووہ اپنے | و باطن مرح | | |
| تيلت كا- | اردم کیا کرے الت ارائڈ نجار | قىم روزە | | |
| | ع وا ترگیاره گیاره مرتبه درود | | ألمعنى المعنى | A9 |
| | اره مرتبه وظیفه کی طرح بیامیم ا | | 11 | ' ' |
| | اسكوظا هري وباطن غنارعط | 1 . 11 | | |
| | یکے بعد رہے یاعشار کی نماز م | 1 * | | |
| | عه مُوره مُزُخِل مِی مُلادت کرید | | | |
| عوبي كواس | وی مصفحت سے پیتریز | | | |
| | يرا بوجائے کی۔ | | | |
| | يرجعكزايا ناجاق بوتوبستربر | Z. IT | لَلْافِعُ | ۹. |
| | ك برُصاكرے انشاء الله م م | - 1 - 1 - 11 | 1.1 | |
| | ئے گی اور ہاہی انس ویمبت | 77.70 | | |
| | رت اس اسم مُرازک کاورد کیا م | | | |
| | نوظ <i>رسیگا -اگرکسی خ</i> اص اور | | | |
| | <u> ئ</u> اماللەرەھاص <u>ل بوجائے گا</u> تەسىرىي | 1 | | |
| | په جمع میں مو (۱۰۰) مرتبہ کیا مناب دراہ تا دور درا | | ألضك | 91 |
| | انت مالنُّه تمام قاهري او ميند ته ميند ميند | · V | 11 | ' |
| عاصل جوگا . | سب گا اوزقرب خلاوتکی است | المستخوط | | |

تواص اورنوائد وشخص مشق یاکس اور مواری می موار ہونے کے بعد التافع إلايا فأفيع محرت مع يرحنانه الشاء الله براقت ے مفوظ رہے گا ۔ یاکس می کام کے شروع کرتے وقت ٢٨ مِرتبه يَا فَافِعُ "رُحِه لِيأكرِت الشارالله کام سب سناہوگا۔ وضف ہوی سے جارا کے وقت يراميم تبارك يزم لياكر است انشار الذا ولاجمالح صيب بواور يون كواس سه مبتت اوگ -<u> يۇخىقى شىپ جىمىيى سات مرتبر مئوزة نوراورايك تازار</u> أكنوث 97 أيك مرتباس البم مُبادك كويرُها كريد توانث والله 101 اسكادل نوراني ميمور ووائكا. بوغض بانة أثما كرائهمان كي المرف مُمَدُ كركے بكثرت "يَا هَا دِينٌ بُرْمِ اوراخِرسِ مِبره بِ إِلَمْ بِعِيرِ لِهِ وَ اس کوانشهٔ ارانتار کامل بوایتهٔ نصیب بوگ اورایل م مرمنت میں نشامِل ہوگا۔ بدعمل اہلِ عکومت کے لئے *جريشق كوكونُ ثَمْ مِامُصِيبِت ياكونُ بِمِي* تَشْكِلُ مِيشِ ٥٥ ٱلْبَدِيْعُ أَتْ وه الك بزارمرته يابديغ السَّاوت والأرفيق [بريطه النارالله كشائيش نصيب بوكي بونض اس اسم مُبارك كو باوخوريست بوئ موطئة توجس كام كا

| A | | A | ക്കുക | | 4 |
|----|---|----------------------|--------------------------|--------|----|
| 8 | فواص اور فحائد | معني | اسمارهمني | تبثركم | |
| 8 | اماره بووه بعينًا خواب من نظر آجائيهُ كالجنف نمازعتار | | | | 8 |
| 3 | كبر يَابِدِيْعَ الْعَجَانِبِ بِالْخَيْرِ يَابِدِيْعُ | | | | |
| 8 | باره موباره مرتبه باره دن بيص كاتوس كام يا مقصد | | | | 8 |
| 8 | ك لي ي الشارالله وه إوا عل هم بوف س | | | | 8 |
| 8 | يبغ عاصل بوجائ كا - (از مودهب) | | | | 8 |
| | وشخص اس اميم مُبارك كوايك بزار مرتب بيوك رات | 1 | آلُىٰاقَىٰ | 94 | 8 |
| Ì | ين بريط البرتعال اس كوبرطرة كصرر وتعمان | ائ ئار | الياري 119 | ļ '' | |
| 8 | مغوظ ركمين محي أوران التراس يتمام تيك عمل | 弘 | ''' | | Ž |
| Š | مقول ہوں گے۔ | 1 | | | Š. |
| 8 | يوشف فلوع أفآب كوقت مومرته أيا وَارِثُ | .}. | العَانِيُّ العَانِيُّ | | 8 |
| X | يرْ ه كا الشاء الله بررغ وقم اور مني وصيبت س | | الحاری | -1 | 8 |
| 8 | محفوظ بسها ورضائر بالخيرجوكا واور بوشخص مغرب وعشار | 2,00 | 4-2 | | |
| \$ | کے درمیان ایک ہزاد مرتب، پڑھے ہرطرے کی تکلیف | 왕 | | ļ | ŝ |
| 8 | وربيت أن مصانشارالله مغوظ رب محااوز ميسرت | | | | |
| Š | د نع اوگي . | Ų | | | |
| Ž | جن تفس كواب كسى مقدريا كام كى تدير كجيرين دأ أن | ايتي | اَلْسَنْ لُدُ | 2.4 | Ŕ |
| Š | اوده مغرب وعشام بي درميان ايك بزار رتبه يا وَيشْدُ | | امريونيو ۱۳ | 7/ | Š |
| X. | برم والنا الله واب مين تدير نظر الطفي باطاي | 4 | ₩ıt, | | K |
| 9 | اس كالقار بوجائة كا-أكررو ذايزاس اليم تُبارك كا | ار از | | | 8 |
| 4 | : \$29 \$29\$ | especies Services | \$ | | P |

| AAAAAAAAAA | 6 | 6367 | 160 to 60 |
|--|----------|----------------------------|-----------|
| خواص اور فواپئر | معتی | العارضنل | |
| ورد در کھے توتمام مشکلات الشادال دور ہوجائیں | | | |
| گ اور کاروبارس دن رات چرکن زق وگ برخض | | | |
| عشار کے بعداس اسم نمبازک کو بیسید موبار پڑھے گا، | | | |
| الله تعسال اس كي مفرت كامهاب بديا فرادين | | | |
| محانشاءالله | _ | | |
| بوشخص طلوع أكذاب سيبيل مومرتهاس أيم ثبارك | 16 | اَلِضِّبُونُ الْضِبُونُ | |
| كويشص وه المشاء الشاس دن برصيبت معفوظ | J. | YAA | |
| رب كااورد شنور ،حامدول كرِدانس بندريس ك. | اوال | ' '' | |
| بوشص كسى عمل طرح كأصيبت بين كرفيار بووه الكسترار | | | |
| سِي مرتب، إس اسم مُبارك كويدِ انتارالله اس | | | |
| نجات بائے كا اوراط بنان قلب تفریب ہوگا. | | | |
| | | | |
| ے توان اسماء مُهاركدك اور يجى بيسشمار | رس | كتابو | |
| ومذكورهين مكراخلاص واعتقاد اوربقين | | | |
| س قدر من كانى هين الله مشبحانه وتعالى | | | |
| ارک کی برکارت سے نوازے اور دُنیا اور آخرست | | | - IE |
| ى نجائت كادرىعيە بىناھ. أكبين ثم آكبين . | | | ا میرو |
| ن کے کا اِمِیں فراسمِ مُبارک کے بینچ اسس | | | |
| ابيريبي لِكودتُ شَكِيُ عين - | اعراد | باکک |] اسک |
| - | | | I |

On the South of the Control of the C



منزل

حامداً و مَصَلِياً وَ مُسْلِمًا و

قبل عن جن قرآن أي ايت كو درد كيا كيا هيد وه "منول" مند نام سند معروضه بين يكش و تعويذات مند مقابله عن أيت قرآن بداد و دعا كي جوحه بيث باك بين داد و بوقي بين يقيان بهت زياده مغيد و عَرَّرُ بين معليات عن التي يزون كا اجتماع كرنا جاسيد في الرسل مقافظة في و بي يا ديدي كون حاجت ودوغوش التي تين مجموزي جن كيك دعا كاطرية رقسام فريا بعود اي طرق بعش مخصوص آيا شكافت عن مقاصد كيك يزهنا مطالح كياس سندابت سيد

بید منزل آسیب بحراد رفعن دومرے قطرات سے مفاحت کیلئے ایک بحرب ممل سیب بیآ یا۔ کسی قدر کی بیٹنی کے ساتھ انھول انھیل اور اسپیٹی زیر اسی می نکھی ہیں، الٹونی ادمیس معرب شاہ دلی الشریوں دولوی قدری مراتم برفریات ہیں. '' پیشنیس (۳۳) آیات میں جو جادہ کے اثر کورخی کرتی میں دومرنیا طبین جو دول اوروز مدیدہ باقوروں سے مفاحت خاد مامس جو جائی سے ''

اور بھٹی زیار ہی حضرت تھائی کو رائد مرقد کا حرفر مات ہیں۔ ''اگر کی برآ سیب کا شہبرہ وقا آ بات : بل کھ کر مرمیش کے نیکے عمل ڈال دیں اور پائی پر دم کرکے مریش پر چیزک ویں اور اگر گھر بھی مشر ہوتو ان کا بائی بر باتد کر کھر کے جا دول گوشل جس چیزک دیں۔''

معنزے موادنا تو طوسا ہے کا دھلوی کھیتے ہیں۔" بمارے کھر کی مستورات کو یہ شکل بیش آئی کہ جب ووکی مربعذ کیلئے اس مزل کو تجو ہز کرشن قوامل کا آب میں فشان لگا کر اِنگل تر اکر و بی پر تی۔ اسلنے خیال ہوا کہ اگر اس کو ملیحدو اپنی مستقل باب کی شکل میں ملن کرا و یا سائد تو سیات جموعات کی با"

یے بات می قاعلی لخاظ سے کہ محملیات اور دھا ہی جس زیاد و ڈل پڑھنے والے کی تھیدا در یکسوٹن کو ہونا ہے پہنچنی توجہ اور مشید سے دھا چامی جاسے انکی ای کا ثر ہوتی ہے۔ اللہ کے نام اور اس کے کمام پاکستان بزی برکست ہے۔ واللہ اندلوگن

يُسْبِ الْهُ المرَّحُيلِ الرَّحِيمِ 0 اَلْعَسُدُ فِلْهِ وَتِ الْعَلَيْلُ 0 الرَّحُهُلِ الْمُؤْمِدُ وَ الرَّحُهُلِ المُؤْمِدُ المُؤْمِدُ وَاللَّهُ الْمُؤْمِدُ اللَّهُ الْمُؤْمِدُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُلِلْمُ الْمُلِلْمُ الْمُلْمُ الْمُلْمُ اللَّالِمُ اللَّهُ الْمُلْمُ اللْمُلِمُ اللِل

وَيُعِينِهُ وَنَ الصَّالُوةَ وَمِمَّا لَرَزُقُنْهُمُ يُنْفِقُونَ ۚ وَالَّذِينَ يُؤْمِنُّونَ بِمَلَّا ٱنُزِلَ إِلَيْكَ وَمَآ ٱلنُزِلَ مِنْ قَبُلِكَ ۗ وَبِالْلِخِرَةِهُمُ يُوقِنُونَ ۗ ٱولَيْكَ عَلَى هُدّى شِنْ تَدْتِمُ وَالْوَلْيَكَ هُمُ الْمُقْلِحُونَ وَالْفُكُمُ إِلَّهُ وَاحِدٌ ۚ لَاۤ إِلَّهُ إِلَّا هُوَ الزَّحْمَٰنُ الرَّحِيْمُ ٥ اَللَّهُ لَآ اللَّهُ اللَّهُ مُوْالنَّحَتُ الْقَبَّيُومُرَّةُ لَا تَأْخُذُهُ مِينَةً قَلَانَوْمٌ اللَّهُ مَا لِي السَّمُوٰتِ وَمَا فِي الْآرَّىٰ خِنْ مَنْ ذَاالَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَةَ إِلَّا بِإِذْ نِهِ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ آيُدِيُهِمُ وَمَاخَلْفَهُمُ ۚ وَلَا يُحِيُطُونَ بِشَيُ وِمِنْ عِلْمِهَ إِلَّا بِمَاشًا ۚ وَسِعَ كُرُسِيُّهُ السَّمَاوٰتِ وَالْإَرْضُ وَلَا يَـمُوُدُهُ حِفْظُهُمْ أَوْهُوَالْعَلِيُّ الْعَظِيْمُ لِلْ إِكْرَاهَ <u>ڣ</u>ۣالذِيْنِ قَدُتَّبَيَّنَ الرُّسُّدُ مِينَ الْسُغَىٰ

فَمَنْ يَكُفُرُ بِالطَّاعُوْتِ وَمُؤْمِنُ بِاللَّهِ فَقَدَامُقَسُكَ بِالْعُرُومِ الْوُثُقِيُّ لِالْفِصَامَ لَهَا وَاللَّهُ سَمِينَعٌ عَلِيْهُ وَاللَّهُ وَلِمُ الَّذِيْنَ أَمَنُوا يُخْرِجُهُمْ مِنَ الظَّلُمَٰتِ إِلَى النُّورُ وَالَّذِيْنَ كَفَرُوٓ الَّذِيْنَ كَفَرُوٓ الْوَلِيَهُهُمُ الظَاعُونُ يُخْرِجُونَهُ مُرِينَ السُّورِ إِلَى الظُّلُملتِ أُولِيكَ أَصَحٰبُ النَّارِّهُمُ فِهُا خُلِدُ وُنَ (رُونة البَرَاكِية مِن المِن يلله مَانِي السَّمُونِ وَمَانِي الْأَرْضِ وَإِنْ مُنْدُوْ وَامَا فِي أَنْفُسِكُمْ أَوْتُخْفُوْهُ يُحَاسِبُكُمُ بِهِ اللَّهُ فَيَغُفِرُ لِمِنُ يَتَنَّاهُ وَيُعَذِّبُ مَنُ يَشَاءُ وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ مَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ مَنْ اللَّهُ قَدِيُرُهُ أَمَنَ الرَّسُولُ بِمَا ٱنُـزِلَ إِلَيْهِ مِنْ زَيِّهِ وَالْمُؤْمِينُونَ ثُكُلُّ أَمِّنَ بِاللَّهِ وَمَلَلِكَتِهِ وَكُشُهِهِ وَرُسُلِهٌ لَانُفَرَقُ بَيْنَ آحَدِينَ زُسُلِهُ وَقَالُوْاسَمِعْنَا

وَٱطَعْنَاعُفُوانَكَ رَتَنَا وَلِثَكَ الْمُصَارُ لَا يُكِلِّفُ اللَّهُ نَفْسُ إِلَّا وُسُعَهَا لَهَا مَا كَسَيَتُ وَعَلَيْهَا مَا الْكُشَيَتُ رُبِّنَا لَا تُوَاحِدُنَا إِنْ نَسِينَا ٱوْآخْطَاكُا ٱرْمَنَا وَلَا تَحْمِلُ عَلَيْنَا إَصْرًاكُمَا حَمَلْتَهُ عَلَىٰ الَّذِيْنَ مِنْ قَبُلِنَا أَرَيَّنَا وَلَانَحُومُلْنَا مَالَاظَاقَةَ لَنَابِهُ وَاعْفُ عَنَّافَة وَاغْفِرْلَنَا مِنْ وَإِرْتُمُنَا مِنَا أَمْتُ مَوْلِانًا فَالْفُعُوبَا عَلَى الْقَوْمِ الْكَفِرِيْنَ ٥ (مورة البَرْة آترى آيات) شَهدَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ إِللَّهَ إِلَّاهُ وَإِلَّاهُ وَأُوالُمَ لَلَّهُ لَهُ وَأُولُوا الْعِلْمِرِقَّا بِمُنَابِالْقِسُطِ ۚ لِكَ إِللَّهَ إِلَّا هُوَالْعَزِيْزُ الْحَكِيْدُ (ثُرَهُ ٱلدُّرُانَ آيَتِ ١٨) قُلِ اللَّهُ مَرَمُ لِلنَّ الْمُلَكِ تُؤْتِي الْمُلَكَ مَنْ نَشَأَهُ وَتَنُوزِعُ الْمُلْكَ مِمَّنَ تَشَاءُ وَتُعِيزُمُنُ تَشَاءُ وَتُدِلُّ مَنْ تَشَاءُ بِيدِكَ الْغَيُرُانِّكَ عَلَى كُلْ شَيْ عَلَى كُلْ

تُولِجُ الَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَتُولِجُ النَّهَازَ فى الَّيْلُ وَتُخْرِجُ الْعَنَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَتُخْرِجُ الْكِيْتَ مِنَ الْفَيِّ وَتَرْزُقُ مَنُ تَشَاهُ بِغَيْرِجِسَابِ (الرحران أيت ٢٠٠٣) إِنَّ زَيِّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمُ السَّا لِي وَالْأَرْضَ فِي سِتَلَةِ أَيَامِرِثُمَّ اسْتَوْب عَلَى الْعَرَّشَ يُعَيِّينِ الْيَلَ النَّهَا دَيْطُلُبُهُ حَيْثِيثًا وَّالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ وَالْغُوْمُ مُسَعَفَّرُتُ بأمره الالك الخلق والامر تبازك اللَّهُ رَبُّ الْعُلَّمِينَ ۗ أَدُعُوْارَبَّكُمُ تَضَرُّعًا وَخُفْيَةً إِنَّهُ لَا يُعِبُّ الْعُثَدِيْنَ وَلَاثُنُسِدُوا فِي الْأَرْضِ بَعُدَ إِصْلَاحِهَا وَادْعُوهُ خَوْفًا وَطَمَعًا إِنَّ رَحْمَتَ اللَّهِ قَرِيبُ مِينَ الْمُصْيِينِينَ (مُورة الاعران آيت مه ماده) قُلِ ادْعُوااللَّهَ آوِادْعُواالْرَّحْنَ أَيَّامَا تَدُعُوا فَلَهُ الْأَسُمَّاءُ الْحُسُنَّىٰ وَلَاتَجْهَرُ

بصَلَاتِكَ وَلَاتُخَافِتْ بِهَاوَابُتَغ بَيُنَ ذٰلِكَ سَبِيُكُا ۚ وَقُلِ الْعَمَٰدُ لِلْهِ الَّذِي لَمُ يَتَخِذُ وَلَدُاؤَلَمُ يَكُنُ لَهُ شَرِيُكُ فِي الْمُلُكِ وَلَمُ يَكُنُ لَهُ وَلَيُّ مِنَ الذُّلِ وَكَيْرُهُ مَنْفُ بِأَوْلَ وَرُوفِي الرائِل آيت ١١١٥١) اَفَحَسِينَتُمُ اَنَّمَاخَلَقُلُكُمُ عَيَثًا وَاَنَّكُمُ اِلَيْنَالَائْرُجَعُونَ فَتَعَالَى اللَّهُ الْمَاكِكُ الْحَقُّ لَا إِلٰهَ إِلَّاهُواْ رَبُّ الْعُرْشِ الْكَرِيْمِ وَمَنُ يَدُعُ مَعَ اللَّهِ اللَّهُ اخْرُ لِا بُرُهَانَ لَهُ بِهُ فَإِنْمَا حِسَابُهُ عِنْدَرَتِهِ ۚ إِنَّهُ ڵٳؿؙڟؙۣػؙٳڶڰڵڣؚۯؙۅؙڹؘ°ۅٙؿؙڶڗؘؾؚٳۼٞڣؚۯ وَازْجَعُمُ وَاَنْتَ خَيْرُالزَّايِمِيْنَ ٥ (مُورة المؤمنون، آيت ١١٥ تا ١١٨) بسيراللوالرخمن الرّجير وَالصُّفْتِ صَفًّا ٥ فَالزَّاجِرَاتِ زَجُرًا ٥ فَالثَّلِيلِتِ ذِكْئُرًا إِنَّ إِلٰهَكُمُ لَوَاحِدٌ ٥

رَبُ السَّمَٰوٰتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَدَبُ الْمَشَادِقِ النَّانَ يَنَا السَّمَاءَ الذُّنْيَا بِزِيْنَةِ إِلْكُوَاكِبِ°رَحِفُظًا فِنُ *ڴڹۺٚؽڟڹ*ڡٞٳڔۮ۪۞ڵٳڛؘٮٚڡؘٚٷؙڽؘٳ<u>ٙ</u> الْمَكِلِاالْأَعْلِي وَيُقَدِّذَفُونَ مِنْ كُلِّ جَلِنِ ٥ نُحُورًا وَّلَهُمْ عَذَابٌ وَّاصِبُ إلَّا مَنْ خَطِفَ الْخَطْفَةَ فَأَتَبُعُكُ شِهَاكِ تَاقِبُ°فَاسْتَفْتِهِمُ آهُمُ اَشَدُّ خَلْقًا ٱمَّنُ خَلَقُنَا ۚ إِنَّا خَلَقَهُمْ مِنْ طِينٍ لَّا زِبِ٥ (مُورة الصُّفّت الّيّة ا تا ال) لمُعَشَرَ الْحِنّ وَالْإِنْسِ إِن اسْتَطَعْتُمْ ٱنُ مَتَنْفُذُ وَامِنُ ٱنَّطَارِ السَّمْوٰتِ وَالْأَرْضِ ؙڡؘٲٮؙڡؙۮٞۅٞٳۥڒؘۺؘڡؙڎؙۅؘ<u>ڹٳؘ</u>ڒؠۺؙڶڟڹ۞ڣؠٲؠ ٱلْآرِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبِن ۚ يُرْسَلُ عَلَيْكُمَا شُوَاتَظِفِنَ نَارِ وَيُعَاشُ فَلَاتَنُنْتَصِلِنِ٥ فَيَايُ\لُ**لَاء**َرَتِكُمَاثُكُذِينِ°فَاذَاانْشَقَّتِ

السَّمَا وُفَكَامَتُ وَدُدَةً كَالِذِهَانِ°فَيَأَن الكزءرَتَكِمُا كُلَذَيْنِ فَيَوْمَهِ ذِلَايُسُكُلُ عَنُ ذَنْنَهَ النُّنُّ وَلَاجًانُّ فَنِياَيَ الَّالِهِ رَبَيْكُمَا تُكَذِّبِن ٥ (مُوة اليِّن، آب ٢٧ تا ٣٠) لَوُ ٱنْزَلْنَا هٰذَاالْقُرانَ عَلْ جَبَلِ لَرُابِيَّتَهُ خَاشِعًا مُنْصَدِعًا مِنْ خَشْيَةِ اللَّهِ وَيَلْكَ الْوَمْنَالُ نَضْرِيُهَالِلنَّاسِ لَعَلَّمُ مِيَّقَكَّرُونَ هُوَاللَّهُ الَّذِي لَا إِللَّهِ إِلاَّهُ وَعَلِمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ هُوَالزَّحُمٰنُ الزَّحِيُمُ هُوَ اللَّهُ الَّذِي لَا إِلْهَ إِلَّاهُ وَالْكِهُوَّ ٱلَّالِكُ الْقُدُّوسُ السَّلَامُ الْمُؤْمِنُ الْهُدِّينُ الْعَرَانُوزُ الْجَبَّارُ الْمُتَكَايِّزُ سُبُحُنَ اللَّهِ عَمَّا لِيُشْرِكُونَ ٥ هُوَاللَّهُ الْخَالِقُ الْبَارِئُ الْمُصَوِّرُ لَـهُ الْإَسْمَاءُ الْحُسُنَّ يُسِيَّعُ لَكَ مَا فِي السَّمَاوِي وَالْأَرْضُ وَهُوَالْعَرْنُزُالْكَيْنُهُ (تُودة الحشر؛ آيت ٢١ تا٢٣)

بسيرالله الزَّحْلِ الزَّحِيْدِ قُلُ أُوْجِيَ إِلَىٰٓ اَنَّاهُ اسْتَمْعَ نَفَرُّقِينَ الْجِن فَقَالُواۤ إِنَّا سَمِعُنَاقُرُ إِنَّاعَحَبَّا ۚ يَهُدِئَ إِلَى الزُّمُّنَّدِ فَأَمَنَّا بِهِ ۗ وَكَنِّ لُشُرِكَ بِرَيِّنَّا آحَدُا ۗ وَٓانَهُ تَعَالَىٰ جَدُّ رَبِّنَا مَا انَّخَـٰ ذَ صَاحِبَةً زَلَا وَلَذًا "وَأَنَّهُ كَانَ يَقُولُ سَفِيهُنَا عَلَى اللَّهِ شَطَعُنا ﴿ رُورُهُ مِن آبِت انَّا ١٠) بسيرا للحالز خلن الزجيير قُلُ لِأَيْهُا الْحُفِرُونَ وَلَا آعُبُدُمَا تَعْبُدُونَ ۗ وَلَآ أَنْتُمُ عِٰدُونَ مَاۤ أَعُيدُ وَلَآ أَنَاعَاٰبِدُمَّاعَبَدُ ثُمُر ۗ وَلَاۤ ٱنۡتُمُ غَيدُوْنَ مَآ اَعَبُدُ ۚ لَكُمْرِ دِيۡنِكُمُ وَلِيَ دِينِ ٥ (مُورة الكافرون) بشبرالله الزَّحُمٰن الزَّحِيْدِ ٥ قُلُهُ وَإِللَّهُ آحَدُ هَ اللَّهُ الصَّهَ مَدُه لَمْ بَلِيٰهُ ۗ وَلَمْ يُوْلَدُ وَلَـمْ يَكُنُ لَـهُ

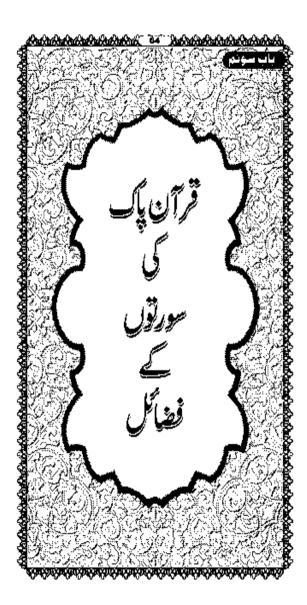
كُفُواً أَحَدُ ٥ (مُورة افلاص) بسوالله الزّخمن الزّحيور قُلْ اَعُوٰذُ بِرَبِ الْفَلَقِ ٥ مِنْ شَرِّمَا خَلَقَ°وَمِنُ شَرِغَامِيقِ إِذَا وَقَبَ°وَ مِنْ شَوَالنَّفُتْ فِي الْعُقَدِهِ وَمِنْ شَرِ حَاسِيدِ إِذَا حَسَدَ ٥ (رُورهُ فان) بشيرالله الزَّحُمْنِ الزَّحِيْدِ ٥ قُلُ اَعُوٰذُ بِرَبِ النَّاسِ ۚ مَالِكِ النَّاسِ َ الله النَّاسِ مِنْ شَرِّالْوَسُوابِي الْمُعَنَّاسِ • الَّذِي يُوَسُوسُ فِي صُدُوْدِ إِلنَّاسِ،

كام كاج سوير يرشروع كردانشاه الله بركت بوكى _

مِنَ الْحِنَّةِ وَالنَّاسِ ٥ (تُورَةُ تَاسُ)

مخ الغارقا كا عيان ب كرالله كے دحل عظي نے دحافر بالك ب كر "اب الله اسويے على البري است كيك بركت عطافر با" - يشاني فود آنخضرت عظي جب كو في تقر جهاد كيك دوال فرمات فرمج مورے دوائد كرتے .

کہتے ہیں کہ حضرت شعر آلیک تا 9 آ دی شعرہ اپنا تھارتی مال جمیشت سورے جیجا کرتے تھے اس کی برکت سے دوخوش حال اور سرماید دار ہو گئے۔ (این مانیہ)



destration destruction destruction destruction destruction des

قرآن پاک کی سورتوں کے خواص

ا شاخعیٰ نزلنا الذکر والاً ند کیلیکود کی صدافت ہے جو پر دالفاظ کی گوائی چروہ صدیاں گرر جانے کے باوجود تمام حقائق پورے شد دمد کے ساتھ و سے رہے جی ہے قرآن واحد آسانی کرتب ہے جو گریف وزئیم ہے مہراہے ۔قرآن کا کھلا چیلتے ہے کرتمام جن وائس ایک ووسرے کے مددگا رومعاون بن کربھی اس کی شیس کا سکتے ۔قرآن نے فیلتے کے طور پرایک سورہ کے اتفاظ بھی استعمال کئے جیں کہ یکوئیس تواس کی ما نوا کیے سورے می عالم لے آئے۔

قر آن کی موجودہ تر تیب نزول نہیں بلکہ تو قیلی ہے جس کو حضور اکرم رسالت مآ ب حضرت محمد تلک نے اللہ کے رضا کے مطابق تر تیب ویا ہے۔ ہالک ایسے جیسے کوئی ماہر معرب میں اللہ میں میں اللہ کے رضا کے مطابق تر تیب ویا ہے۔ ہالک ایسے جیسے کوئی ماہر

جهرى كليندى تقام يقرول كومناسبة إن اوركال ترين ترتيب يل بوتاب

قرآن قام بن توقع انسان کے قیام سائل اور مصائب کاعل احس ترین طریقے ہے۔ چیش کرتا ہے۔ قرآن پاک کی سورقول اور بین سورتوں کی آیات میں موجود سریت خزارنے کی مشاہدات میں جملک مندرجہ ذیل ہے۔

سورة الفاتحه(1)

الله سورة فالخوكوس كودد كيل ما تقوير باته دكاكر پرجيس اول وآخرورودشريف اور
وم كرے قمام وروسراورور شق كوروكومند به تكن دن اليا كرے ان شاہ الله رهمت
المول الله بهت كوروكيك تك بروم كركے ديں ورو والا مريم تمكن كوتورا تحوا المجمول المحتول الم

Ordender (volks der der der der de

فوائد سورة البقرة وآل عمران (٣٠٢)

جنا المجمل كريش بيسورتني تمن دن دائد يوسى جائي جي من دشيا طين اس كريش وقعل ندون ك ادر يؤسط دال يرقيامت ك دن مايدكرين كن الجمي برحر دو يكا بوده ان سودتون كي كشات ساقادت كريد حرد در دومان كال

الله البحس مكر شي مورة البقرة كي آخري وه آيتي قين را تن بيري جاوي ال عن شيطان قريب نيس آية رات كو بيري جاوي اكراس عمد موت آگياة اس في منفرت بوگي اور بيور وغيره جهي باول حافظ وارت گا

خواص آية الكرى

جڑے جو شخص ان آبنوں کو ہر دوز ہر تما ذکے بعد رہ حاکرے شیطان کے دس اور سرکش شیطان کے کروفر یب واپندائے محفوظ دیستان آگر تھی ہوگا تو مالدار ہوج نے گا۔ اور حق تعالی اس کوالیے طریق سے دوزی مطافر اس کی کے جس کا دیم و کمان کی ند ہوگا۔ میں وشام اور گھر میں وائن ہوتے وقت اور بھر مرکب کے خوف اور اندیشے سے مالم دیکا یا گران آبنے کے تعمیم کی پر کھوکر محک تعمیم ہوگی اور چڑم کے خوف اور اندیشے سے مالم دیکا یا گران آبنے کے تحکوظ دیسے گا۔ خل میں دیکھ دی آب وہ چود کی اور کھی سے تحفوظ دیسے گا۔ بر کسند ہوگی۔ اس آبت کو دکان میں یا مکان میں اور چی جگر دکھ و میں تو در تی میں زادتی ہوئی۔ خات نہ میں گا اور جاں چور ندآ سے گا۔

> آیة الکری بدونها شانعون کک پڑھیں۔ -

الله السائد الكرى كالكيد موسر تروف جي جرحم ال تعدادك مطابل آية الكرى يز هاكرائي تعالى سے جومراد باتھ كالمطرك دويد دورم جي بھي قرآني ہوگى۔ رزق بين اضافہ ہوگا قرض ادا جوجائے گا دورشيطان اور جنائت كى شرارت سے مخطوظ رہے گا محر پھر جنن و آرام سے دہے گا۔ اورك في محص قول ياللمل سے كمي تشم كا ايذا نہ پہنچائے گا لوگول كى تظروں بين معزز وكر بن جائے۔ كار

ا بنت الحرفتن سيدود كاربوطا ومت شاقي جويدا غني با فشائه با وأبي تين بزارا ليك عرب بزاه كر آيت الكرى ايك مومتر مرتبه بزرهه كافركون جائة كي

ا کا ساخک کی چھوٹی ٹیچوٹی ٹیٹریاں لیس اور چرکھری پرسانت مرتبہ آ بنته الکری پڑھ کردم کریں آئیک کٹری دوائش پڑکی بلخ ہ دورہ گا۔

ᢙᢙ᠔ᢙ᠔᠘᠘᠘᠘᠘᠘

ا الله المرفحض برفناز کے بعد ایک مرتبرة بیت انگری پڑھ لیا کرے انشاء الفرنقانی اس کے پاس شیفان شاق کے گاادر اگر کوئی تحقق آیت انگری تیم و سومرتبہ پڑھے گا سب حاجش پوری ہوں گ اور فالم و جارے حاکم میر بال موکار

الله مركى كم يكل يركيان مرجه يزه كر يحوكن أواق كالاودور بروجاسة كال

عالا - اگردات کوم نے وقت تین مرتبہ پڑھے تو گھرٹل چود ڈاکوآ سیب جن سے مخوال دیے گا۔ اور البان ڈراؤے خواج سے بحارے گا۔

خُواص سورة النساء (٣)

الله - الرب موره كما تاه وت سے تنابول سے چيفظارا حاصل ہوگا۔ اُركو فَى تورت مروز جاش جالا ہوں اول والر قر تربيارہ كيارہ مرجه درودارا بري اورورميان شرب سات مرجيہ مورة اشياء پر حاكر اس كا چَلْ پائے اس كى بركت سے انشاء اللہ توالی تیك صالح ہوجا كي شے۔

خواص مورة المائده (۵)

جنا ۔ اگر کو فاقعنی یا دخواج مرتبہ مور قالما کدہ کو یہ مصرفو اس کے تحروف کا قد سے تحوظ رہیں اور اس کا پر صفر والا و نیا کے توکوں کی تھاہ تک عزیز مولام الٹنا واللہ تعالیٰ

خواص سورة الانعام (٢)

🖈 - چوفنس الانعام کو ہاونسوا کتالیس مرتبہ پڑھے تو انشاء اللہ تعالیٰ برمشکل علی ہو کی اور ہر مقصد میں کامیانی ہوگی ہ

خواص سورة الاعراف (4)

جنا - اگرکونی فقس بادشومون گلاب اور زعفران سے سور وا افراف کو پاک کاغذ پر تکھے اور موم جار کرے اپنے پائی رکھے وہ انشا دائلہ تعالیٰ آ کھی لکائیف اور آ کھے کے زخم سے محت یاب ہوگا۔

خواص سورة الانفال (٨)

جڑا۔ اگر کوئی ٹائن قید ہو کیا ہوتو اس کی روز اند تلاوت سے و واللہ تعالیٰ سے تفکیل وکرم سے رہا جو جائے نہ نیز اس کا چڑھنے والد بھیٹ کا میڈپ رہے، عزمت حاصل جو دشنوں پر بھیت طار تی جو اگر کی محض کو خالم سائم یا عوالت بھی جائ چڑے اور چربٹان جو تو اس کو جائے کہ سورۃ الانفال کھے اور موم چار کرے گلے شیں ڈالے یا واکین باز و پر باندھے۔ انٹو وائد تھالی حاکم اس کے۔ ساتھ زمی ہے جش آئے گا۔

خواص مورة اونس (۱۰)

جنا ۔ وشمن پر ضبہ پائے اور شلبہ حاصل کرنے کیلئے سورہ یؤس کی تھاوت جبت اسمیر ہے۔ اس کی سمٹر سے سے تعاوت آ وی کو نتی و ظفر سے ہمکنار کرتی ہے۔ ہرمشکل کیلئے اس کی تعاوت اس مشکل کوآسان بناد رقی ہے۔

خواص مورة بهود (۱۱)

الله بر مشکل کنری میں سورہ میود کی تادیت بہت قائدہ مند ہے اس کے پڑھنے ہے وقمن مغلوب رہنا ہے۔

خواص سورة بوسف (١٢)

جیکا برشم کی حاجت براری اور ضرورت کیلئے سورہ ہوسف کی تلاوت بہت اہم ہے اگر و کی مختص اسپیڈ عبدے سے معزول ہوگیا ہو یا نوکر کی سے نگال و یا کہا ہوتو اس کی کاڑے سے تلاوت کرے انگام اللہ واپس اسپیڈ عبدے پر بھال جوگار اگر کوئی خریب و نادار بوٹو اس کی تلاوت کرنے ہے بھم فلافی اور بال دار ہوگا۔

الله الموضح قرق إلى مفطاكرنا جابتا المتباق سب سنة يبليم مورة يوسف مفطاكر بالشارالله قرآن باكساباً ممالي حفظ مركاله

خواص سوره رعد (۱۳)

ا تنا اگریچ کنزت سے روتا ہوتو ہی پر دم کرنے سے بچہ بشاش بٹا ٹی دہے ہی کافتش یا یقو کھوکر کھے میں ڈالے یا دا نمیں بازویز بائد مصافشا مائند تعالیٰ ودخش آسیب یا جن کے دائر سے محفوظ ربے کا روز خالم مائم سے محفوظ رہے گا۔

ہے۔ جیل خانے سے دبائی کیلئے بہ شومغرب اور منانہ کے درمیان اکس بار پڑھیں اور اگر بیر رونا ہوتو تین بار پڑھاکر میٹے روم کریں۔ تجرب ہے۔

<u>خواص سورة ابراتيم (۱۴)</u>

ا تؤ سے بہرود تو ہے نجات کیلیے بہت مغیر ہے۔ اگر کی تخص کی قوت مردی تعریکے ذریعے بائد ہ اور کئی جولا روزائد ۴ بار سورۃ ایرا تیم طلاعت کرنے ہے ہے تعریباطل موگا اور قوت مردی جمال

ووجائ كي واورالله تعالى كفتل وكرم يدوم وواجي اصلى مالت يرآ جائ كار

خواص سورة الحجر (۱۵)

ا تا تا الرجگر بزند کیا ہو یا تخت ہو کیا ہوسات یا رپیدا پر دم کریں تکلیف جاتی رہ بگی۔ انگا اگر کوئی فتص سورة الحجر کو اعفران کے پائی ستہ باوشو کیسیداد باک یائی ستہ دموکر مورے کو بائے سے تو جشم خدا اس کا دورہ بہت زیادہ ہوگا۔

۔ ۱۳۶۶ - جب کوئی چز فریدے یا فروخت کرے اگرائ پر سورہ انجبر پڑھ کر دم کرے قواس مال بیش برکت ہوگی۔

سورة النحل (١٦)

ا بین ۔ اگر کمی فقص کے وقمی اسے جان ہے ارنا جا ہتے ہوں اور اسے بلاکت کا فوف ہواتو سورۃ انتخار کو ایک میشک میں ایک آ وق یا گئی آ وقی ایک سومرت پڑھیں وفٹ واللہ تعالٰی وقمن اس کے غرباں برداور دوں میں اور اگر اطاعت ندکی قرم بیٹان اور ذہلی ہوں گئے۔

ا الله الركسي كے دشن أيك جگه اعظا بنا كر تقصان بالخانا و بنت بول تو سرد الحل كو تكن مرت. بنا جے انشا دانلہ وشن مشتر بوں ہے۔

مورة الأمريٰ (۱۷)

الله موره الامري كا روفاند ياوضو تنه مرتبه يوحنا دو جهال كي ترقّ ، كام إلي، همول مراجب و عزت اور ماد سے جهان كي مشكل كي حل كرنے كيليخ نهايت مجرب ورمنيد ہے۔

الله المركز كا بيج ك زبان بم اكتبت با در دوبات كرنے بين الكت به بابات كرتے وقت اس كى زبان پيرتى ہے تو عرق كاب بنى دعفران كولل كرے پاكسا كا غذ پر سروزی اسرائیل كو كتب ور پانى ہے گول كر دوزان بيج كو يلائے تو ہجھ عرب كے بعد انتد تعالى كے فعمل وكرم ہے ہيج كى زبان كى كتب شتم موجائے كى۔

گلاب میں دعفران کوحل کر کے اس ہے ہوری سورۃ الاسر کی کو کھیے اور پائی میں کھول کر روز اند یجے کو بلائے آت واقعہ تعلق اس کا ڈین کمل جائے گا۔ اور حافظ بھال ہوجائے گا۔

سورة الكهف كے خواص (١٨)

ا تئا سورة الكبف كا جعد كدن إراحناز شن ساة الن تك فور بيرا كراتا ب اوراً شحدون تك او فور برابر قائم رينا ب بهراس كريز سفادا كوسارا فورقم ش اورقبر كراه قرامت ش وياجات كال اوراس مورة كرد ذائد الاوت كرنا ايمان كي قوت كوزياده كرنا ب اورفود ايماني ش فرقي بينت ب

ہیں۔ اگر کئی تحقی کورات کے دفتہ جا گنا مظہر ہواور کوئی بنگانے والا نہ ہواور خود ہی انسٹے کا امرید نہ ہوتو و چھی نماز مشاہ کے بعد سورۃ الکیف پڑھ کر سوجائے افشاہ اللہ تعالیٰ جس وفشتہ انسے کا ارادہ کرے گائی وفت آ کھکٹل جائے گی۔ (جرب ہے)

ہ کا سے چھٹھ آر من بٹس کر فار ہوا در قرض اڑ مشکل ہو گیا ہوؤ بعد نماز جھ مورۃ اکتبف سامت پار رئے صف اور اللہ تعالٰ سے لیورٹی قوج اور کیموٹی کے ساتھ دعا اٹکا کر سے انٹا ماللہ تعالٰ اس کا قرضہ اگر جائے گا۔

تلا ۔ اس مورد کے پڑھنے سے قیامت میں اور مطے کا اور دجال کے نکر وفریب سے تفوظ رہے گا اور اول و آخر کی دئ آ بیٹن پڑھنے سے بالاور معیب سے تحفوظ رہے گا۔

سورومريم (19)

ہؤ ۔ اگر کی تھیں نے کی فوجوان کی قوت مردی بائندہ دی جوادر دور بیٹان ہوتو اسے جا ہے کہ باد شوسور قام مرام پڑھ کر دعا کر سے انتقاء اللہ تھائی اگل قوت مردی معال ہوجائے کی اگر شود پڑھنا نہ جانا ہوتو کی سے ٹین مرتبہ پڑھوا کر پائی پردم کروا لے اور روز اندو پائی ہے جب تک طاقت عمال نہ ہو پائی بیٹا رہے انتقاء اللہ محت یاب ہوگا۔

سورة طلا (۲۰)

ا جنا ۔ اگر کو فَی شادی کے قابل ہورشنہ ندا تا ہویا شادی میں مکاویت ہوتا 12 بار روز اند سور قابلہ از ھے انکار ادارت تعالیٰ مناسب مگر رشنہ سے ہوجائے گا۔

ولا الركولَ بيرها بنا بوكرارُي كارشت كى تيك مردسته بوجائ فو مورة طاكر باو فوكى ريشي

کیڑے پر لکھ کرموم جا سکر کے گڑی کے مگلے میں ڈال دے تو انٹر تعالیٰ کے فضل وکرم سے وشتہ اور شاد کی کی ٹیک مرد سے ہوجائے گی اورا وال دئیک پیدا ہوگی۔

خواص سورة الانبياء (٢١)

مئة - اگر کوئی مختس پریشان حال ہوو کل پریشان اور قم زود رہے ہوتو ہر روز باوشو تین بار سررۃ امبیاء پڑھے انشاء اللہ تھائی جلد ہی تمام قم اور پریشانی ہے تجامت حاصل ہوگی۔

خُواص سورة الحج (۲۲)

تنا ہے۔ جب کی فضل کو کوئی سندری یا دریائی سؤور چائی ہوتو جہازیا کشتی بھی سوار ہوئے سے فحل یا دختو تھی سرجہاں سورہ کو چر سے اشٹا ، القد تعالیٰ جہازیا کشتی بھی سے منزل مقسود پر پیٹھیں کے دور ہرقس کے فقسان یا ڈو مینے سے محموظ دیوں گے۔

سورة المومنون (۲۴۳)

انا - اگرکون تحض شراب میرون ، چرب سٹر، جونہ سود وزنا اور دیگر تعامیل میں بری طرح میتا ا عوادرات میر کونہ چوزنا مشکل مسلوم مونا موقع عرق گلاب میں زعفران مل کر کے باوشو سفید کیٹرے پر اس سورۃ کو تکھے اور موم جاسد کر کے تکھے میں ڈالے انٹا ، ولڈ ووضعی ان بری عادق سے تو کرکے گا۔

خواص مورة النور (۲۴)

الله - اگر کسی مختل کو وخمن بہت مجلہ کرتے ہوں اور طرق طرق سے زبان درازی اور تہت بازی کرتے ہوں آداس سودہ کوروزائد باوشود ون نٹی کسی وقت ایک بین بیٹھک میں پائی مرجب پڑھ لیا کر سندانشا داخذ تعافی وخمن کی زبان چنلی واز ام تراقی اور نقصان پہنچانے سے باز رہید گی-

الله من الركسي محض كو كثرت سدا حقام جوتا جوقا روزان بايض موكر تين باداس مورة كو يزهدكر المسيئة او برادر باني بروم كرك باني في للقوائشاء الغداحة الم سديح توظار سيم كا

خواص سورة القرقان (٢٥)

عنظ - دشمن کی بفاکت کیلئے روزاندا توسی بار اس مورڈ کو پڑھے بھی خدا دشمی بلاک ہوگا۔ اس معاملات موجود میں موجود کا اس موجود کا الم المواقعة المواقع

خواص سورة الشعراء (٢٦)

ا المئن الركوني الزكايا في توكور سے جماعت كا عادي اوق سورة الشعرار كو بالضولكو كرميم جامد كرت الرك يا توكرتي كرون عمل با تدهو سے شدا تعالی محتم سے جمائنے سے دک جائے گا اور گھر عمل اس كا دل محكولاً۔

ہؤ ۔ وگر کوئی مختص خوف وؤ رکی وجہ ہے پر بیٹان ہوتو سورة انشوراء کو بایضوسات یار پڑھ کر دعا کرے افٹا ،القد تعالیٰ خوف وؤرے آزاد ہو وہ کے گااور کسی تم پی پر بیٹائی باتی شدہے گ

خواص سورة التمل (42)

الله الشافعة لى كانتون كالشكرية والرّب كيف سوة الخل كورّ إدر بسع ثوالله تعالى ال كررَ عن يوالله تعالى ال كررَ رزّ عن يركت وكاورتُم وتكرية والرئافية بسياري .

جئ^{یں}۔ اُکر کئی فقع کوخر ہور کی حادث واقع آئے تو سورہ اُٹھل ایک ہفتہ کیلئے روز اندائیک پار پاوخس مزعد اما کرے انشاء اللہ تھائی اس کی حاجت بور کی ہوگی۔

پ ہے۔ جئے - اگر کو کی تحض ہرن کی کھانل پر اس سورۃ کو باہ ضوائھ کراپنے صند د تی یا گھر میں رکھے تو اللہ انعانی کے فتنل وکڑھ ہے دو گھر مانپ چکواور موڈی میانور دیں ہے تحقو قار سے گا۔

خواص مورة القصص (۴۸)

' تئلا ۔ اُگر کو اُن فیض بیمار ہوقت سورۃ اِنقصیعی تین روز تھے۔ اِونسو پا ھاکر پاٹی پر دم کر کے مریض کو ملائم راننہ تعالیٰ اُکارجت سے مریض صحت باب ہوگا۔

حری الرکونی فیس خانب برگیا تو اور اس کا بدند چاتا جو تو سورة التسمس کو باوشو عام بار پرهیس انشارالله خانس مخص بخیر وخونی که فرست آئے گا۔

حوّات الْكُرُوكُ عَارِين اللهِ ويبيت عَن ورود بتا جو يا استاقا ما جذام كي عاري كا فر به وقوان سورة كانتش لك كرموم جامد كرك اسيان منظر عن قال المانتا والفصصة بوكي اوراي كوكي عاري الس معلمة ترك كيار

خواص سورة العنكبوت (٢٩)

ہ ہیں۔ اگر کوئی مفتص رہنے وقع میں جنوا ہوتو سورۃ اختکیوت بادشو ہو کر عرق گائی ہیں زعفران کوئل کرتے لکھے ادرائن کو پالی میں گھول کر ہے انشا واللہ تقاتی این پاٹی کے پینے ہے اس کا رہنے وقع در رہوگا۔

خواص مورة الروم (٣٠)

ہائد ۔ اگر کسی کا دعمی بہت میار و جالاک جواورا پی شرار فوں سے بیروفٹ پر بیٹان رکھتا ہوتا سورۃ افر دم کو اکسی مرتبہ پڑ سیچے افشاء اللہ وقتی و کمیل ہوتا اور بھیشد ناکام رہے گا اور بیرطر ت وقمن پر گئے مامسل ہوئی۔

الله - اگر کوئی جائے کردش ای کا ذکیل موادرائے فتح حاصل موادر دشن کوقد مرقد م پریا کا کی ہو اور حال اردم کو باد خو کا غذ پر تکھے اور ای کو لیے بیٹر کر لیک بوش میں رکھ دے اور خت ذائف سے ای بوش کا مذہر ندکر کے اسپیقا مکان شاں رکھے افٹا واللہ دائش ولیل و فوار رہے گا۔

ا پؤتر اگر میان بدی بن جگزار بهتا جوقو باد خواس سوره کوکید کرشیشی بین بذکر کے مقادم اسپیة بیاس رکھے قو مُلامِظم وزیادتی سند باز رہے اور خدا تھائی کے فضل وکرم سندو دفول بن القاق قائم جوجائے گا۔

خواص سورة لقمان (۳۱)

الله الرکی فخش کے بیٹ ٹیل شدید در دریویا پیٹ کی کوئی بھی بیادی بوتو سورۃ اتمان کو مات بار پڑھوکر بیٹ پر دم کرے افشا واللہ تعالیٰ بیٹ کا ورد جا تا رہے کا اور بیٹ کے مرش سے محت عاصل موگ ۔

ا این ایر بناری مصحت کیلئے بارتموتمین بار پزیوکر بنار پردم کرے افتا داخد تعالی مریش محت باب بوگا۔

الله الركوني فض بروت در إيا مندر كرمز پر ديتا بي اگر مزكر في سي آل ايك مرتبال مورة كو پژمه لي تو اخذه الله تعالى نخير د عاليت اپنج مقام پر واچى دوگا در مفرش د و بينات محفوظ سيمگاه

علا ۔ اگر کی فض کے بیٹ میں بیٹ در در بتا ہوادر اس جاری ہے پر بیٹان ہوتو سورہ اقعان کا

(netaladadadadadadadada). "74" (adadadadadadadadadadadada

تختل بایضوککوکر پیپٹ پریا ندھے اور مورہ اتھان ایک مرتبہ دوزاند پڑھکر دم کرلیا کرے افشا ،اللہ ال مرتم سے تحاجہ حاصل ہوگی۔

خواص سورة السجده (۳۲)

تا اگر کوئی طخص بیار جوادر کسی طوح صحت بحال نه جوتی جوتو با دختوسات پارسورة اسجده کو مزیعے اور جار مردم کرے انشا داخد تعالی بھار صحت باب بیرگا۔

پیسے اور باور پر ارت اس معلومات کیا گیر رکھا ہوتو اس کیلئے سورۃ اسچدہ کو یا دِصوم کی گاب میں ایکا - اگر کئی تحص کوشک اس امراض نے کیسر رکھا ہوتو اس کیلئے سورۃ اسچدہ کو یا دِصوم کی گاب میں

زحفران حل کرے لکھے اور مریض کو پائے الشاء اللہ تمام بیاد بول سے شفا حاصل جو کی اور بیار

انکورست ہوجائے گا۔ جنا - سورۃ السجدہ کالڑ کیوں کا نعیب کھولئے کیلئے کہ انتہاں جگہ رشتہ ہوجائے ایکس مرتبہ روز اند

یز هے انشا واللہ بہت آتھی جگہ رشتہ ہوجائے گا۔ م

خواص سورة الاحزاب (٣٣)

جيئ ميال بيرى شي ما نقال اور عدم موافضت كودودكرن كيلي سورة الاحزاب كا إضو يزحمنا

يبت كارة مرب انتاء التداس كريز عند اللي قان من مجت والقال بيدا موجاكا

ته السراوة الرام فعالم فعن شمي بجور د بيئ من ير ناحق فلم كرنا ب اورظلم وتعدي ب إز نيس آتا تو سورة الراب كو إدخوسات بار من هدانشا والقد تعالى اس بي فلم ب تجانب عاصل بهوكي اورغالم مطبع وفرمان بردار بوگا

الانہ اگر کی لاک یا تو کی کارشتہ ندآ تا ہو پایات نگ کر چوٹ جاتی ہو پایار بارشادی علی دفتہ چ جاتا ہواؤ سورڈ احزاب یا وشرائھ کر موم جاسہ کر کے لاک کے دو کمیں بازو پر اور لاک کے یا کمیں بازو پر بائد سے اشکار اللہ تعالی بخت کھا گا اور ایچی جگدرشتہ ہو جائے گا۔ اور جملہ رکاوشش وور بوجا کی گی۔

خواص مورة سبا (۳۴)

ا کائٹ اگر کسی کے دیگن کائی ستاہتے ہوں اور ہر واقت تکفیف پہنچانے کا بہاندہ مونڈ کے رہیے بول تو ان کیلئے روز ان پارشودی بارسورہ سہا پڑھی جائے تا کہ ایکن دفع ہوا در اس کے لام سے نہا تد حاصل ہو ساتھ تھائی کے لفطل و کرم ہے ہی سورہ کا پڑھنے والانکم سے محفوظ رہے گا۔

(INCOD) NE POCHE PRODUCTION DE LA CONTROL DE

tadaciadadadadadadadada "75" "Xadadadadadadadadadadadad

الله - اگرکول فخص مودة سیابا وضوسفد کاففہ پر کھی کرموم جامد کرتے سفیہ کپڑے جس لیسٹ کر اسپٹے واسپٹے بازد ہر باند مصرف اللہ سے تفعل و کرم سے برحم سے موڈ ک جانوروں سند تفاعیت رسے گیا۔

خواص سورة فاطر (٣٥)

الله الركس عام كوورخواست و بن ب باطازمت باكس اوركام كيلية عرشي بيش كرنى بت تو طابية كه بادشو بوكر سوره فاطركو 20 بار لا يصاور ورخواست براهل سند نظير ووثن كه اينا مطلب تكفيرا ورزنواست وكام كونتي وب وانشاء الله الى ورخواست منظور بوكى معللب ماهل بوكار

مورة ليلين (٣١)

الله المشكلات والكافيف أفات وبمُرات سنتهات ادوادهم مقاصد ش كامية لي كيف مورة ليمين بادخواس طرب بي حد كربر من بريالله بالشريار الفرار من ارتبع كياده وقد ي عندادر بسب كار بسبك المراحمن الذة أولا خليف المن بالمناس بي حكم المراحمة الذة أولا خليف الن يقول لله تحق في تكوّل بي حقوق الله بالناس غلق بالمعنى بالفناس بي حكم مثم كروس الشابك الفرقام الكافيف كالوال ووجائة كار

ا بنا المنظم المنظمين من حد كرموت بروم كركة المحمومي ووزانه بذا ناغه وكايا كرسة الشاء الله موتيا وورصوبا المنظلة

77 - سورہ نیسین روز فند بارضو بعد نماز عشا وسات بار پڑھے میمل قرض کی اوا بینگی کیلئے اکسیر ہے۔انشا واللہ جلد کی بی قرض سے تجات حاصل ہوگی۔

ہوئیا ۔ سورہ کنیٹن عرق کا ب بیرا وعفران حل کر کے اس سے یاہ میڈنیٹیں اور عرق کا ب بیراحل ۔ کرکے آگا لیس دن فکٹ یہ انشاد اللہ بھول چوک کے مرض سے نوانٹ ماصل ہوگی۔

الله مورة ليمن كو باد خواس تركيب منه بزنته بيبلائين منعاون كر دوباره بزسما شرون كرے جب دومرے مين بر پيچ قر تارون كرترون من برخ ای طرف ما قوي تين بر پيچ قولو نے بخر مورد اختر كرك مجر بانى بردم كرك مريش كو بات بارش كا بان عمر آن جا سات كر بجز

ہے درنہ جو پانی لل جائے اس پر دہر کر ہی اور مریض کو بلا کیں چیل گیا دوروز تک بلا تا خد کرے انشارہ العدول کے مرض سے نجامت حاصل جو گی ۔

الله - جمل قورت كا دوره في مجاه با اور يكه ليوكار بنا يوقو حورة فيلن با يشوك كا قيل في يليت ي

ᠬ᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘

یا کاغذ پر کھیے اور پائی بندی تھول کر توریت کو پلائے انشاہ انڈیٹورت کا دورجد آیاں اور پیچر ہم اوگا۔ میں اس کا بیٹن میں میں اس اور میں میں ہوتا ہے۔

ہے۔ ول کی تکی دورکرنے اور ول میں ترق اور شفقت پیرا کرنے کمنا ہول ہے بچٹے اور بزرگوں کی تشہیعت برقمل کرنے کیلیئے سورہ ٹیٹین مارضوکی پیٹنی کی بلیت یا کانڈ پر لکھیے اور اس تحض کو

کی تصبحت پر سمل کرنے کیلیلئے سورہ میٹین ہاد مصر سم میٹی کی بلیدے یا کا غذ پر تصبیحہ دوران میں کو بلائے اللہ تعالیٰ کے نفشل و کرم ہے اس کا ول فرم ہوگا نماز روز و کی توجہ ہوگی اور بزرگوں کی

فليحت رعمل كرني كيلية ول و اده موكار

الله الله على عالمات اور بارش راحت طلب كرتي كيليط إيضو مورة ميين 24 إريا

ا كذاليس بإرين هيانظامالة بارش دحمة فوب بريسة كي ادرضني ادريكي فوب ميراب موك .

الت والركوني محض قيد على جوادراس كى ربالك الممكن بإسفاق بوتو بابضوه كارسورة ليسن يزه

ا در اکیلا نہ پر در مکما ہوتا چند تو ای ل کر پڑھ لیں اٹ داند تعالیٰ تیدی جلدی ہی قید سے رہا ہوگا۔ ایک ایک بارس کا دشام اللہ تعالیٰ کی رہنا کہلے بڑھے کا تو رضا اور مجمد اُصیب ہوگی اور شفا کہلئے

ا الله البيد باري وتنام القداعال في رفعه مينط برطع كا تورضا اورمجت تصيب بوي اورشفا مينط خ مصاكا توشق نصيب بوكي وكرايمان في ساد كي كيليم بزيد مصاكا تو ايمان سلامت رب كار اكروخ

سُرَات موت كيك رِرْ مع الآمَّ ما في فعيب او كي -

ا الذات والت كے حصول كيليك مد بار روز الذي خاصار ہے والت مند جوجائے كا اور وقد وقمن كيليك يز سے كا تو وقمن وغ جوں كے جس كام كيليكن بز حشاكا و د كام آسان جوجائے كا۔

پ ہے۔ بختر بوقنی مورد کینیں کا دروش وشام ریکے کا مجوکا نکا ندرے کا۔

وی و را ایک کرنے کیلے میکی ایفول کے تکوول پر مورہ کیلین مات یار پڑھ کروم کریں

اوران محروں کو چنازہ کی طرح کیئے سے میں لیپ کر بہتے پائی میں ڈال دیں۔ جب وہ کھڑے پائی کا مسائل جا کی گے جن مجل جات جو ہے گا۔

نوت: فيرشر في هور براس وتصفي كاكريث والانتصال كاخودة مدوار يوكا.

سورة الطفت (٣٤)

 ۱۲ - مورة الضفيف سات باد بادخور بزهج تو انشاء الندائل روزی میں برَست ہوگی اور انگل روزی فراغ بولگا۔

سوة ص (۳۸)

77 - اگرکی فی مخصل و شنول سے پر بیٹان موقو سورة س کو بادشو سات بار پڑھ کر وہا کرے انتاام اللہ تعالی وشی وقع جول کے اوران کے شرحہ برطرح محفوظ رے گا۔

Sacker Charles Charles

مورة الزمر (۳۹)

ا ہیں۔ اگر کو کُٹھن چاہے کھو کی ہوئی عزیت وجارہ دیاس ہوتواہے چاہیے کہ روزانہ یا دخوسات بارسورۃ الزمر بزیضے انتاء اللہ عزیت دوبارہ واللہ کا ۔

ہڑتا ۔ اگر کو فی تھیں جا ہے کہ اس سکہ ال میں برکت اوادرائ کا مال خوب بر جھاتا اے جا ہے۔ کر دوزانہ بادشور کے بار سورڈ الزمر بڑسیا اٹ داخہ مالی میں اضافہ ہوگا۔

سورة المومن (۴۶)

الله الركس كوكونى بوى والم مم وروش مواور ودحل شابوتى جوثوات جائي كسورة الموس أ ايك مومرته بادخو برح يا چند آدى ل كر برحالي ووروعا كرين افتا والقد تعالى تنى اى بوى مشكل جواللي تعالى كفتل وكرم عرض جوكي ووريز الل كانوات عاصل بوك

ہ بنا میں مجمل مجھی کو چھوڑ سے پہنے نظے مول یا کو گھٹھی جا ر موقو سورة ولموس کو ایک بار باہضو روزان بڑھ کراسپہنا او پر دم کرسے اور یائی پر دم کرسکے لیا سے باا کرکوئی وہمراضی بیار ہوقوائی کا بڑھ کر دم کردیا کرسے انٹنا دائنہ تھائی ہر حم کی بیاد کی سے صحت ہوگی۔

سورة حم مجده (۱۴)

ا نہا ۔ اوکر کو کی مشکل چیش آئٹی ہو یا کو کی اہم جاجت پیش آئٹی ہو یا کسی مقصد جس منرور کا میا بی چاہیے تو یاد خسو نماز کجر کے بعد سات بارسورہ ٹم مجدہ پڑھے آنٹا والقہ مشکل عمل ہوگی۔ حاجت لاد کی ہوگی اور مقصد میں کا میانی ہوگی۔

ایک جس تخصل کی آنگویش کو آنگلیف ہو یا ناخونہ ہو یا ظفرہ ہو یا چول وغیرہ ہوتو ہا موجودی سورة تم تجوہ کلوکر ہوش کے پانی جس محول کرائس کا پائی آنگویش لگائے یا اس کے پائی جس مرصہ عیری کر آنگھوں میں لگائے رہیں افٹا ، افٹر سفیدی فرائل ہوگی اور آنگھوں میں تکایف سے تجا ہے۔ ماصل ہوگی۔

مورة الشوري (۴۲)

الله الرکی شخص کودشن کا خوف بولوا ہے جا ہے کہ باہضوں وہ انشود کی دوزاند بعد نماز تجرشن بار پڑھے انشاء اللہ ول ہے دشن کا خوف نکل جائے گا۔ ایج از کرکو فی شخص نکا کم ہے کہ ہندے بھی بھش کیا بولواسے جائے کر بایضور وزائد نماز تجریک

Chailteachaidh air ain an Air an Thailte ann an Air an Aireann an Aireann an Aireann an Aireann an Aireann an

جندائیک بارسورہ الشوری پڑھا کرے انشا دانند تھائی ایشنوں پر خالب رہے گا اور قالم سیکھل سے مخوط رہے گا۔ ای طرح اگر بادشواس سودہ کو لکھ کرمہم جامد کر سے اپنے گلے ہیں اوال وساتہ انشارالند تعالیٰ خالم سے تلم سے تحقوظ رہے گا۔

سورة الزفرف(۴۳)

الله الركوني فخص منصد بين كامياني حابها بوادريه جابتا بوكدي كي مراوي د كي بوقوات جاب كه مقصد حاصل بوسنهٔ تك روزانه باوضو آن محرم تيه سورة الزخرف يزهدا يا كريب انشاه الله مقصد بمن كامياني حاصل بهوئي به

مورة الدخان (۱۲۴)

الله المرتم كما بلاول سے نهات كيك مورة الدخان تير بعدف ب بايضو چندة وي ل كر بياس مرتبه برحض انشامالله مكان برختم كما بادول بي تخوط ربيكا -

ان البعض دفعه مرف والبلوكي جان الحف جائل ہے اور موت تيم آ آ ال الح صورت بين چند آ وق ال كر يجام مرتبه واد خودورة الدخان پر حدكر مرافش پردم كريں اور بائى پردم كر سك مريش كو بائا كس يا اس كے چرے بروہ وائى فيس الشا والقد آ مرائى ہے دوج تجفى جوكى ۔

خواص سورة الجاثيه (٢٥)

ان سان سورہ مبار کہ کو ہاوشولکھ کرمیم جاند کر کے پچل کے گئے جس ان اور میں وقت واللہ سیج جملہ قانت وہلیات سے محفوظ و میں تھے۔

سورة اهماف (٣١)

ا بند - اُگر بارش ما موتی جوادر مجھنی بانی شاہو نے کے سب موکدری جوانو اخذ تعالی سے بارش طلب اگر سے کا آسان طریقہ بید ہے کہ چندون باوضو تھروبار سورة الاحقاف پڑسے انشاء اخذ بارش مولی۔

(1/2) \$ 7,19

تلا اگر کن کوکی مشکل میم وژن آئی بوتو سوده تیر کو اکنالیس مرجه چندون پز ہے۔اگر اکیا! پڑھنا مشکل موقو چندآ دی ل کر پڑھ لیں باوضو پڑھیں انشا داند مشکل آسان موگ ۔ ۲۲ بوخش برجا ہے کہ اس کی خزت بڑھے اور لوگ اس کی عشرت کوشلیم کریں اتواں سودہ کو

Carlo de Carlo de Ca

مقد وزمفران مع كلوكر كلول كريل ل_

سورة التي (۴۸)

الله المراح من الأمراني اورد فن برخ حاصل أمرية كيلية سورة التي إوضوا ال طرح بزيع المراوات.

آخره دود شريف اكبير اكبير بادر درميان شي تين تين بارسورة النتي اورسورة التعريخ على الناء الله التي كالمراوش المبير المبي

برقتم کی کامیا بی حاصل ہوگی اور دقمن پر غلب حاصل ہوگا۔ ''کا '' چرفتمی ومضان الدیارک کا جانوز کھیکراس کے ساستے کھڑے، ہوکر پاوشسوقین یا دسورۃ انفتخ

موة الحِرات (۴۹)

خوالی کے عظم سے حاملے کا حمل قائم رہے گا اور پچھٹ وتشررتی سے پیدا ہوگا۔ 72 - اگر کی کا مادومنو بے بنزا ہوگریا ہواور جریان کی کی شکایت ہوتو روزون یاوضوموروز انجرات

۱۵ - اسر کی کا مادار سویے پان او چا ادار اندیان کی کا حدود کے اور انداز کیا۔ تحمل بار پڑھے اور پانی پر دم کر کے مرایش کو پائے اور اکٹرائیس وان تک ریڈل جاری رجمس انڈو اخذ جوے دوگا ۔

سورة آبا(۵۰)

الله مين كى تمام زاريول كيلة بارخوسورة فى كوكك اور بانى عن محول كر يندون عن وو بانى الله عندان عن وو بانى الم

ے سام مسال بیصان بروہ اور اور است کے بلط سورہ ٹن کو باوشو کیصد اور پان میں محول کر مریش کو انگر بیان اور دو ہوا گیا دور کرنے کیلئے سورہ ٹن کو باوشو کیصد اور پان میں محول کر مریش کو

بالت الله الله تعالى برقتم ك خوف دراورد لواكى ي تجات عاصل بوكى ..

مورة الذريات (۵۱)

ایند - اگر کسی ملک پایستی بیری قطویتر کمیا موادر لوگ جوک کی وجدے پریشان مول توجه در آول ل کر مودة الله ریاست ستر مرتب دوزان ایک وقت بیس پزهالیا کریس جب میک قطاعتم نیس موجهانا پزسخه ریس - Calabara Calabara Ca

مورة القور (۵۲)

ا کا روز الدوات کو تین باوسودة الفور باوشو پزیشند مند جذام اورکوز مدسکه مرض سند مخفوظ رست گااوراگر خدانخوات بروزی که قارتر درخ بویج بول تو جلادی نجایت ماشل بویی -

الله الكوكوني مسافر سفر ك دوران اي سورة كوايك بارروزان يزه لياكر يدقو انتكامات برحم كي

آ فات ویلیات ئے مخفوظ رہے گا ادر بحفاظت کمر دائیں پنچے گا۔ لا ح

سورة النجم (۵۳)

الله سورة الجم الايارية هنابرتم كي مراد إدري بونے كيلتے اكبير عب

سورة القمر (۵۴)

الا - لوگول بین متبولیت عامد حاصل کرنے کیلئے سورۃ القمر یا بشونکبر کے وقت لکھ کرموم جامد کریں ہے۔

كركابي بإلى دكار

سورة الرحن (۵۵)

ا کیا ۔ شعرہ یا پیچک کی و یا تھیل دی ہوتو اس سے تفاعت کیلئے موٹک یا لوٹک پر مورۃ الرحمٰن تمن یار بادرشو پڑھے اور دم کر میں ان لوگوں عمل سے تمن یا پائٹی یا سائٹ لوٹک کے کر پائی سے نگل کیمی ان وائٹ مخاطب رہے گیا۔

سورة الواقعه (۵۲)

انڈ روزانڈ مغرب کے بعد سورۃ الواقعہ پڑھنے ہے فاقد ہے نجات ماصل ہوگی اور نوشحال نصیب ہوگی۔

الله الرباش بيهولي عوقر دوزانه مات باريز هاكروعا كرين به

سورة الحديد (۵۷)

تلا - برهم کی رکاوٹ دور کرنے اور برهم کی بیادی کیلئے سورۃ الحدید تین بار پڑھے اور دینا کرے اور مرابش کے چیرے مریا ٹی کے چینئے بارے اور ان یا ئے۔

سورة الحاوله (۵۸)

ويُّة - ما يُون الطاح مريضون كيليخ بعد تماز عصر سورة الحجادل تكن بار يِنْ مدَّر جر وفعد مريض ير

}&\&\&\&\&\&\&\&\&

پیونگی بیگل پیم روزنگ کریں۔ میلونگی بیگل

سورة الحشر (٥٩)

انتہ نسیان کیلئے مورۃ الحشر کو باہضو تیٹی کی پلیٹ پر کھی کر بارٹی کے پاٹی ہے مل کر کے وہ پاٹی کی لے نسیان کا مرض دور اور جانظ قرق کی دیگا۔

سورة المتحد (١٠)

الله - اگر کوئی فورت این خاد ندے شرقی عذر کی دیا ہے طلاق لینا جا بھی جواور خاد تداس کو طلاق شدد بناجوقو و خورت موقا استحداد کیارہ دوز تک روز ان یا وضو کیا دیار پڑھے۔

علاً - اگر کوئی تخص شیطانی کامول میں جتا ہے تو اے ماہی کر روزانہ پانچ بارسورۃ المتحد برجے۔انشاء الله رو گنا دول ہے از آ جائے گا۔

سورة القف (٢١)

الله اللي خانه وراولا وكومطيع اورفرما نبردار جائے كيك • ٤ يار-ورة الغنف بزيھے

سورة الجمعة (٦٢)

جؤ میان یوی میں انف و تحیت قائم کرنے اور بھٹڑے ٹم کرنے کیلئے جنو کے وان مہار یہ سورة بزھے اور دعا کرے انٹیا دائفہ مجیت قائم جوجائے گی ۔

سورة المنافقون (٦٣)

مالا - جوکوئی شخص اس سورة کوروزانه بادشو پزید کرسوے انشا دانشداس کے دشمن بمیشد فریک و خوار جول کے اورا سے نقصان نہ پینچا سکیں گے۔

سورة النفاين (۲۴)

جنز – زیورمونا چاندگی مال اور روپیدر که کر یا پیشوسندهه پارمورة انتخابی پژهه کر چونک و بمی انتشاء اخذ کوئی چوراورژ اکواس کوچور کی شیر کم کر سیکنگان

سورة الطلاق(٧٥)

الله مستمين ولناتك باد شوشين باد روز انه بن هاكرشد بيه زخول بروم كرمنا خدا كي ففل سندزخول أو جلد اليما كرمنا ب - ACADADADADADADADA 🕶 TABADADADADADADA

سورة التحريم (٢٦)

٢٤ - جو مورت بميشه روزان باوشوسورة تم يم يرجع في انتا داخداس كا خاولداس بميشه راحت و

آ رام ہے ریچے گا اوراس کی اولاد تالع فرمان ہوگی۔

سورة الملك (٧٤)

الله الداد كيليخ بوقت تبجيد دوركت نظر اكمانيس روز نك الساخرة بزه ي كدونول ركعت من

سيرة الملك كياتلاوت كريب انشاء الغذاولا وموكى به

ایج - عذاب قبر ہے نجابت کیلئے روزا ندایک یار بعد نمازعشا رہانو ہے کریں۔

سورة القلم (١٨)

🕏 🔹 بارسورة الفكم من صفح بين جلل خورا دريرا كمنے والوں كيش سے تحفوظ درمے گا۔

مورة الحاقه (٢٩)، مورة المعارج (٤٠)، مورة النوح (١٤)

الله وشن كرشرات ويحت كيك بفتر كي مج بعد نماز فجر ٢٠ بار سورة الحاف يزميس -

الا رئ موت ے ایج کیلے عمری نمازے بعد مورة النوع برمیں۔

سورة الجن (٢٧)

تلا ۔ تیدگی اگر سورۃ الحن کوروزان پر معقواے رہائی تھیب بھی۔ اورۃ میں زوہ کورم کرکے مائا نے سے آوال بوگا۔

_

سورة المزل (٤٣)

اتئة - جس گھر نین فاقد ربتا ہورہ ذائہ جد نماز حشاہ کیک باد مورۃ مزل پڑھیں انشاء اللہ تھر بند برکت ہوگا۔

الله الجمي منك منظ مروات على الاساعة بارباد خومودة حول يزهركم فياليدي وم كرك ال

عُن سورا أنَّ كرك نَج كه محلِ عِن وُالْمِي الْشَاءِ اللهُ سِجِي مَعْرِ دِرا زَ بُوكِ...

مورة المدرّ (۲۷)

ĊŢŖĊŖŖĊŖŖĊĬŖŖŖŖĠŖŖĊŖŖĊŖŖĊŖŖĊŖŖĠŖŖĊŖŖŶŖŖŶŖŖĊŖŖĊŖŖĊŖŖĊŖŖĊŖŖĊŖŖ

المئا الحالق دوركرن كيلية ال مورة كوروز الذا باريزهين ..

الموران المور

مورة الدير (٤٦)

الله مات إدروزانداي مورة كالادت كرئ عائمون كثر عاظمة وقي ب

سورة المرسلات (۷۷)

تائد - اگر کمی کا سائس چون یوادر یا برے خواب دیکتا ہوتو ای مورۃ میاد کے دہم کرکے پینے سے افاقہ وقال

سورة النيا (۷۸)

الله مودة بإكابعداز تمازعهم يزهناول عن الحال اورتور بيداكرات

مورة النازعات (٤٩) مورة عمس (٨٠) مورة الكوير (٨١)

الله المحقق دوزانه الابار سورة النازعات يزيكا ووموت كي في مصفوظ ريخ كا اورخاليه

بالایمان بوگا۔ الکام برخم کی رکا فوری کو دورکرنے کیلئے سورۃ کھورکو ام بار تفاوت کریں۔

بر بان دودن دوبر رسطه میشد موده دیده بیده. سور ۱۵ انفطار (۸۲)

الله محراور جارد كل مكان شن وأن ادوادراس كاية نه جاما ادولة ال حورة أوايك إر بيزه كر بإلى

برام كرين اور بورب مكان كي ديواروي برجيزكس انثا والشرفواب مين جله علوم او جائے كي .

مودة ألمطففين (٨٣)

علا معباريد ورة يزعف عد يج كيام ماني ولادت بمركب

سورة انشقاق(۸۴)

الله الركى كونكوت وتك مديا موادر برك مب الكيف عدة بيامدة وم كريا-

us en le company de le company

سورة البروج (۸۵)

الله الشمنون مدكاتر من زيخة كيلية شادروزانه بإهين ما

سورة الطارق (۸۲) ا جنا - جس كمرين ما نب فيهو إشباطين بول قوير مورة لكوكرانات بدوه كمرمخوط بوجات كا سورة الأعلى (٨٤) الله الاسركيك دوزاندايك بارج هاكرينے مرض فتم ووجا تاہے۔ سورة الغاشبه (۸۸) تلا جن كَيْكِل بندنه بوتى بوتويه مورة بإوضولكوكر محكم مين والين. مورة الفجر (٨٩) ایجا - جو محض جاہے کہ اس کے بال فرکا پیدا ہوتو اس سورۃ کو ۱۰۰ باریز مہ کردیا کر ہے۔ سورة البلد (٩٠) ا 🕫 - بولائس دروگروه کام یش بواس مورة کوروزانداا باریز هاکردم کر کے ہیں۔ مورة الفنمس (٩١) مورة البل (٩٢) ہیں۔ کوئی تحص بوڈگ کیے بوتو اس کی سلامتی کیلئے سورۃ الیل کو ہرن کیا کھال پرکلھ کر درخت پر لتكالم والشاء الشدجلدوالي أجائك كا سور ۱۶ کی (۹۳) الله محول ہوئی چز کو یاد کرنے کیلئے اس مورۃ کی عماوت کریں۔ مورة انشراح (۹۴) ا بیس جو مخض سے روز تک ہرنماز کے بعد سے پارای سورة کی تلاوت کرے کا انشراس کی ہے جیکی

سورة والنين (٩٥)

الله - اگر کو فاقتنی جا به کداس که کمرخواصورت از کابیدا بوقو حمل کی اینده سید ۹ ماه تک میکن کی طفتر کی پرسورة والین لکو کر بیری کوچنائے۔

سورة العلق (٩٤) جنا - ال مورة كالخبر كي نماز كے بعد مورج تكلے ہے بار يز هنا مجرتبده كرنا اور مجد ہ میں میں اللہ وخم المولی وقع الفہرے یار پر هنا جوزوں کے درد کوئتم کرتا ہے۔ مورة القدر (۹۷) تنت اگر کی کو فارش ہوگی ہوتو ای سورہ کا دم کرنے سے افاقہ ہوتا ہے۔ سورة البدر (٩٨) الله - مرقال مسكوم يعني كيليخاره كرسك وتنساور منظلي يكن أوافين سورة الزلزال (99) الله السواف من تعن باريز هذا الموقت برآ كوكل جاتى شاه سورة العاديات (**) سورة القاريه (١*) سورة التكاثر (٢٠١) الله برمشكل قبل كيلية سورة القارمة كو ١٩٨٨ اباريز هنا تحرب ہے۔ انتا - دنیا کی محبت کودل ہے تکاشے کیلئے سورۃ افتکا ٹرکوم بارروزانہ پڑھیں سورة العصر (١٠٤٠) سورة الهمز ه (١٠٨) سورة الفيل (١٠٥) الله برعمل میں کامیالی کیلئے سور ومعرکو بعد نماز معرا ۱۰ ایار یز دوکرو یا کریں۔ الله الركن ظالم وجابر كرمات جناء وقوسورة غشره كوام باريزه لياكرين. سورة قريش (۱۰۷) الله - الركسي كيهيشاب بمن خوادة تاجونوجب بحي كعانا كمائة قال مورة كويزه كروم كرليا كرية مورة الماعون (١٠٤) تا کا انتخاب کے ماکن مقدمات ہے دیکنے کیلئے معمون تک روزانہ کیاروسو باراس کی علاوت کریں۔ سدرة الكوژ (۱۰۸) 🕏 ندور کیلیج که او یزه کردم کرنا مجرب یت ladadakatatadadadadadata

مورة الكافرون (١٠٩)

الله مفرب اور فجر کی ستول میں اس مورہ کی الاوت فائر بالا بمان کا ذراید ہے۔

سورة النصر (١١٠) سورة الليب (١١١)

الكال سورة اللهب كوموسه بإرروزانه يؤجينا بينيوزكن برياو ووكايه

مورة اخلاص (۱۱۲)

ا الله المراجع المحاجد والمراجعة المراح المراجعة المراجع

معوذ تين(۱۱۱۳)

الله برهم كروم و جادو كوفتم كرن كيليج ان مورقول ومعابا ديز مدكرهم كريل.

عمل برائي تشغيرعام وخاص

عَكَما .. ذَوَالِمْ وَكُلِّو .. دِكَا تَدَاوِدِيَّ جَرِحْعَرَاتِ كَيْلِيُّ الْمُولِيِّ تَكَيْر

اول مورة وتمن خُرب وتجی طرح یؤم کرلی اور دوزایشتی جب مورق کظے اورائیک نیز دہلند ہوجائے اقر مورق کی طرف مشارکے مورة وقمن بر هنا شروع کریں۔ جب آیت بلیانی الاور ڈسٹنا انتخابان انتہ کو بہتر ریکس انتہاں کا انسان انتخاب میں بالدور کی ساتھ کا انسان کے انسان کا انسان کا انسان کا انسان کا ان

پر آئی گیر قودائی باتھ کی شمادت والی انگل ہے مورٹ کی طرف ایک اشارہ کردیں۔ ان طرف میں میں مناز در شرک کر کر میں انگل ہے اورٹ کی کر کر ان کر کر ان کر ان کر میں ان کر کا

ا کی طرح برمرت لبنانی الاه رشک انکذان پرانگی سے اشارہ کردیا کریں بہال تک کے سروختم بوجات سینٹل جالیس دن تک کریں بعوشم چلاروز دن آیک مرتب سروز کرن پڑھتے رہیں۔ یہ محا

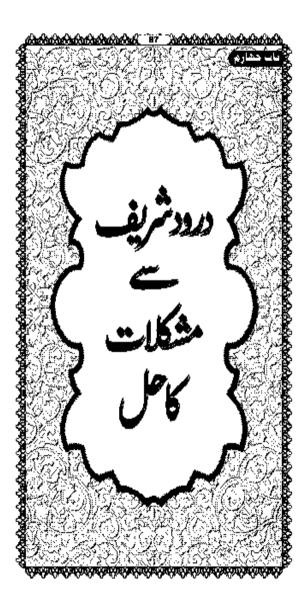
کل دوزانہ باقی منصاکا ہے ایک ہفتہ بعد آ مرحکونی شروع ہوجاتی ہے لیکن یہ ذکوہ ہے آپ النات ندکر میں اورائے والوں کو کمال اخلاق ہے بھیا یا کریں اور خوش مرامکی ہے جش آئیں۔

ا کیے علیہ میں عام بخلوق کی آ ہد دو مرسدہ علیہ میں قامل کو گوں کی آ ہد ، تیسر سے علیہ میں رئیسوں کی آ مد ، چونتے علیہ میں رات وزن خلوق کا انہم کا رہتا ہے۔ اگر تجارتی کا روبارے سب خریداری

کریں گے۔ اور ہر خفی دکان کی خرف فود تو دی کر آئے گا۔ بجیب و فریب سفات کا کمل ہے۔ اگر کی جائم بالفریکے ہاس جائے کے ایک بارسور در شن پڑھ کر جا کی اگر زیادہ دقت نہ ہوتو تین

إرفياني الإد وشفُّ التُكْنُون إله عالياً كريّ فكرسام كريّ الفركمال فق اطلق عين آت

والشاءالله



درود شريف كي فضيلت وبركات

وردوشریف کی تضییات و برکات اس قدر جی که تمام مشکلات اور معدائب کا طل اس کے اورد علی مضم ہے اللہ جارک و تعالیٰ نے قرآن پاک میں کئی تحق کی تحقیق کے بارے میں اینجی فرمایا کہ علی ہے کام کرتا ہوں لیفراتم مجی کیا کروتم ورودشریف کے بارے میں قرآن پاک کی مورد الاجزاب آیں۔ 26 علی ضاح طور پریفرماتے ہیں کہ:

إِنَّ اللهُ وَمَلَيْكُتُهُ مُ مَنْكُونَ عَلَى النَّبِي كِلَيْ الَّذِينَ اَمَنُوا صَلُواعَلَيْء وَمَلِيَّ الْمَلِيدُ الْمَلِيدُ

(الله پاک اوراس کے فرضے آپ بھائی ہو ورود وسلام جیم بیں بین اے ایمان والوائم میں ان (تی کر کم بھائی) رورود وسلام جیم) سیان الله تقاظیم و کرے جس کے زوکرخواللہ پاک کی بارگاہ میں آبول ہی تجول سے قوجس دعا کے اول آخر دروو وروشریف پڑھا جائے گا وہ دعا کیول شاقبول ہوگی۔ حضرے عمر بین فطائے فر مائے جی کردیا آسان وزیمن کے درمیان حلق راتی ہے اوراس کا بھی حصر اور ٹیمیں چڑھتا دیسیا تک کہ تواسیح نجی کرنم صورال حلق واصلام پرورود پاک ند تیمیع ۔

درود شریف کے فضائل ومناقب اور احکام استے زیادہ میں کہ اس پر مفصل اور مختصر پیشنگوں کتابی (خام باللہ)لکھی جام کل بیں۔ اٹی مشتدر معتبر کتب ہے بنتی کی کئی چندا حادیث مبارک ما حقافر ما کمی کرجن میں دورود شریف کی فضیات دیرکا ہے کا بیان ہے۔

حضرت اوطلا فرمات جی که ایک دن حضور نی کریم بین فی فرش دفرم تشریف ادارے شے ارشوفرمایا: برے پاس حضرت جرائیل تشریف لاے اور کہا بارسول الشافیظ کیا آپ اس بات پرداختی تیش کرآپ کا کو گی احتی آپ پرایک بارورود پاک پارشوش اس پرتس بارورود پاک پڑھوں آپ کا اس آپ برایک بارسلام پڑھے اور بھی اس پرتس بارسلام پڑھوں۔

حضور کی کر محفظتھ نے ارشاد قریغ کہ جس نے جعد کے دن جھ پر در دو بھیجالشات کی اس سکہ اس سال سکہ کناہ معاف قراد ہے گا۔ (\$4\$4\$4\$4\$4\$4\$4\$4\$4\$4

حضور ٹی کر پھیکنے نے ارشاد فر کیا کہ میر ابنوائٹی خلومی دل سے ساتھ بھی پر در دوشریف پڑھے گا اند تعالیٰ اس پر دس بار درود کیسے گا۔ اس کے جمدا عمال میں دس نماییاں کیسے گا اس کے ویں درجات بلند ہوں گے اور دس برائیاں میاد کی جا کھی گی۔

ایک حدیث شریف میں آیا ہے کہ حضور نجی کرتے ہوئے نے ارشاد فربایا کہ ہوفتی بردوز مو مرتبد درود شریف بڑھے ہیں کی موحا جات ہو رک کی جا کیں گی ، جن شی ہے تیں، دنیا میں اور بائل آخرے میں بودک کی جا کیں گیا۔

نتکی نے لکھا ہے کہ حضور کی کرمی پینافی نے ارشاد قربایا کہ جو تھی میر کی تیم پر درود ہاک پڑھتا ہے اس کو بیش فورشتا ہوں اور جو مجھ سے فاصلے پر پڑھتا ہے وہ میر سے پائی ﴿ فَرَحْمُوں سَکَ ڈریسے) کیٹھاد یاجا تا ہے۔

ا کیا طرح ب شادامادید مهار که سے درود شریق کی برکات کابت بین شرکاریاں ہم درخ یالا پر می اکتفا کرتے ہیں۔ انشا پاک میکھ اور آپ کو درود شریق کی کش ت تعییب فرمائے۔ آشن فم آشین پارب العالمین

حضور علي شفاعت واجب موجاك

ا۔ حضرت دونینی بن ٹابت انسازی فرماتے ہیں کے دمول انشیطینی نے ارشاوفر مایا جو مخص اس لحرح کیے

ٱللَّهُ مَّرَضَلِ عَلَّ عُمَدٍ فَالْزِلْهُ الْمَفْعَدَ اللَّفَرَبَ عِنْدَكَ يَوْمَ الْفِيَامَةِ

آو آس پر میری شفاعت دارجب بوجال ہے۔ ۱۔ پر دورود شریف حضرت میدائشہ بن مسعود کے مرفوعاً مردی ہے اور ایک حدیث میں ہے کہ جوگفس میرے لئے وسلے کی دخا کرے گائس پر میری شفاعت اترے کی کینی محق ہوجائے کی۔ دور کی میکرارشاد ہے کہ داہمی بوجائے گی۔ اللهُمَّرَصَلَ عَلَى (سَيِدِنَا) عُمَّدُ وَاللَّهُ فَهُ الْوَسِيلَةَ وَالدَّرَجَةَ الرَّفِيعَةَ مِنَ الْجَنَةِ اللهُمَّاجَعَلْ فِي الْمُصْطَفَيْنَ مَحَبَّتَهُ وَفِي الْمُقَرِّينِينَ مَوَذَتَهُ وَفِي الْأَعْلَيْنَ وَفِي الْمُقَرِّينِينَ مَوَذَتَهُ وَفِي الْأَعْلَيْنَ ذِكْرَةُ السَّلَامُ عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَرَحْمَاتُهُ

مال میں برکت ہوگی

حعزب اليه عيدٌ في فرما إكدرمول الفطيطة كا ادشا دم ارك سنة كديم فحص كالمعتقوم وكد بمرا مال بزده جاستة ده يون كما كرس

> اَلَهُ مَّ مَنَ عَلَى مُحَمَّدُ عَبُدِكَ وَرَسُولِكَ وَصَلِ عَلَى الْمُؤْمِينِينَ وَالْتُؤْمِينَاتِ وَالْسُلِعِيْنَ وَالْسُلْمَاتِ المام ثما فَيْ كااعزاز

روعیۃ الامباب میں امام اعالمیل میں ایرائیم مدنی ہے مردی ہے کہ جمیوں نے امام شاقعی کو انتقال کے بعد خواب میں ویکھا اور نچ چھا کہ اللہ توانی نے آپ کے ساتھ کیا سوالمہ کیا؟ وہ بولے چھی بخش ویا اور تھم دیا کہ جھے توقیعیم واحز ام کے ساتھ بہشت میں بچاہ میں اور سب برکت ایک درود کیا ہے جم کو پڑھا کرتا تھا ہیں نے بوچھا اور کیشا اور وزائم والیا ہے ہ اللهُ مَرْصَلِ عَلَى مُ مَلَدٍ كُلَّمَا ذَكَرَهُ الذَّاكِرُوْنَ رُكُمَّا غَفَلَ عَنْ ذِكْرِهِ الْغَافِلُونَ

(عاشید صن حمین) مد

ہرمصیبت سے نجات کیلئے

مناخ الحنات شدان فا کہائی کی کتاب فجر سیرے تقل کیا ہے کہ ایک بزرگ شخصالح موکی خریر مختصانیوں نے اپنا گزراہ واقعہ تھے ہے بیان کیا کہ ایک چہاز ڈو جنا لگا ش اس ش موجود تفااس وقت بھوکو خود گی ہی ہوئی اس حالت میں رسول انڈ تھی نے بھوکو یہ دروو تعلیم خرما کر ادر ثاوفر مایا کہ جہاز والے اس کو جار بار پڑھیں جوز تمین سو بار تک تو برے کہتی تھی کہ جہاز نے نجاست پاک و ودرود شریف ہے ہے۔

> ٱللهُ مُرَصَلَ عَلَى سَيْدِنَا فَمَتَدِ صَلَاقًا شُنَجِيْنَا بِهَا مِن تَجْنِعِ الْأَفْوَالِ وَالْأَفَاتِ وَتَغْمِن آنَا بِهَا تَجِنعَ الْحَاجَاتِ وَتُطَهِرُنَا بِهَا مِن جَمِيعِ السَّيْناتِ وَسَرْفَعُنَا بِهَا عِنْذَا فَ آعَلَ الدَّرَجَاتِ وَشَرِّفُنَا بِهَا الشَّصَ الْفَايَاتِ مِن تَضِع الْخَيْراتِ فِي الْحَيْوَوَيَهُدُ الْفَايَاتِ مِن تَضِع الْخَيْراتِ فِي الْحَيْوَوَيَهُدُ الْمُمَاتِ إِنَّكَ عَلَى حُلِي مَنْ الْمَعْدِوقَ وَيَهُدُ

المد صابت اور خوات على كان ما محمد في الميان المساون المواقع الميان المواقع الميان المواقع الميان المواقع المي المائدة المستحيم الامت حفرت تفافوني في زاد السعيد كم حاشيه براس وروز فريف كا المثانات ميلي مفيد اور مجرب لكما بسدا وريد كذاب كومجيب الممينان بخشاب.

ال درود ٹریف کے بڑھنے والے کا حضورہ اللہ نے خصوصی اکرام فرمایا

اس درود شریف کے بڑھنے والے کا صفور تی ہے نے نصوصی اگر ام فر مایا اس کو قریب شما یا اس پر سمایٹ کو تجب ہوا تو آپ تی ہے کے فر مایا کر بیصا نہ بدورود پڑھا کرتے تھے۔

ٱللَّهُ مَّرَصَٰلِ عَلَى (سَيِدِ نَا) مُحَقَّدٍ وَعَلَى الِ (سَيِدِ نَا) مُحَمَّدٍ كَمَّا تُعِبُ وَتَرَّمِنِى لَـهُ (الول الدِنْ المُحَمَّدِ بِالأَصْ

شوہر کے ظلم اور ننگ دی سے حفاظت کیلئے

ٱللهُمَّ صَلَ عَلْ سَتِيدِ فَانْحَمَدِ صَاحِبِ الْقَرْقِ وَالْفَرُقَ انِ ٥ وَحَامِعِ الْوَرَقِ وَمُنْزِلِهِ مِنْ سَمَاءِ الْفُرَانِ ٥ وَعَلَى الِ مُحَمَّدٍ وَسَلِمُ

فائدہ آگر شوہر مار پیٹ اور قلم و شم کرتا ہو یا کوئی شک دی اور فٹائی کا شکار ہوتو ہے درود شریف بعد تراز نجر اور بعد نماز مغرب یاعش ، 71 بار پڑھ کرو ما کرے قوائش مانڈ نفالی شوہر ہوگ پرمہر بان ہوجائے گا اور قائمی وشک دی ہے جم محفوظ رہے گا۔ مغبوليت عامه اورتسخير قلوب كيلئ

ٱللَّهُمَّ صَلَّى عَلَى تُحَفَّدِ صَلَّا الْمُثَمَّ وَوَقَا بِذِكِرِهِ ٥ ٱللَّهُمُّ صَلَّى عَلَى مُحَفَّدِ صَلَّا شَجَاءِ عَلَّى بَنَ فَرَجِهِ وَسُرُودِهِ ٥ ٱللَّهُمُّ صَلَّى عَلَى مُحَفَّدٍ صَلَّى اللَّهُمُّ صَلَّى عَلَى مُحَمَّدٍ مُحَنِّطَةً بِطُورِهِ وَصُورِهِ ٥ ٱللَّهُمُّ صَلَّى عَلَى مُحَمَّدٍ صَلَّاةً مُنْوَرَةً لِعَلَيْ مِنْ أَصْعَابِ صَدُورِم صَلَّاةً مُنْوَرَةً لِعَلَيْ مِنْ أَصْعَابِ صَدُورِم

ٱللَّهُمَّ مِسَلِ عَلَى تُحَمَّدِ صَلَاةً شَكْلِحَةُ لِمَثَنِّعِهِ في مَسْطُوْرِهِ ٥ وَصَلِ عَلَى جَيْعِ لِخَوَانِهِ مِنَ الْاَنْسِياء وَالْاَوْلِيَاءِ بِعَدَدِعَهُوْرِهِ وَمُرُوْرِهِ بَيْنَ الْمَاءِ وَطَهُوْدٍهِ وَنُوْرِهِ وَظَهُوْرِهِ ٥ وَالْحَقْ وَأَمُوْرِهِ

ای درود تی جمیب قرت تخیر ہے۔ اگر کوئی مرنماز کے بعد تین بارای درود شریف کے پڑست کا معمول رکھے تو اللہ تعالی اس کو لوگوں میں جمیب مقبولیت ادرائی افترار کی نگاد میں مجبوبیت مطاکر دیتے تیں۔ ٹیز اگر کوئی گیارہ بارہ مرتبہ اس ور درکو عظر گلاب پر دم کر کے چیرے پڑل کر حاکم وقت یا مطلوبو فتن سے خاتات کرے تو وہ بلاشیل و جمت اس کا کام کردے گا اور انٹرویوش کا میانی کیلیم تبایت تو شرید۔

ول كى تحبرابت اوربلدْ پريشركيليّ

ٱللّٰهُمَّ مَيْلِ عَلِي مُحَمَّدِ النَّبِي الْأَبِي الظَّاهِ رِ الزَّكِ صَلَاةً خَيْلٌ بِهِ الْعَقَدُ ثَفَكُ بِهَا الْكُرَبُ

فائده ؟ جس كا ول خواتواه هجرون على اورانجانا خوف طاري وه يا ملذ پريشر كا مريض بوتو

یے درودشریف روزنند بعد فرماز مغرب 313 بار پڑھ کر بیندیش چھونک کے اور آ دھا کپ پائی پر دم کر کے پی لیا کرے تو اختاءاللہ بہت جلدا فاقہ ہوگا اور شمانیت قلب نصیب ہوگی۔ امراض قلب شمل نمایت اکسرے۔

باغات اورفسلوں کو بیار یوں سے بچانے کیلئے

اللهُمَّ صَلِّ عَلَّى مُحَمَّدِ بِعَدَدِ أَوْزَاقِ الْآشَجَارِ وَبِعَدَدِ اَفْطَارِ الْمَطَارِ ٥ وَبِعَدَدِ دَوَاتِ الْبَوَارِيُ وَالْبِحَارِهِ وَعَلَىٰ الِهِ وَصَحْبِهِ وَسَلِمْ.

الإروزان يزهكره كريي

ادا نینگی قرض کیلیئے

اللهُمُ صَلِ اَبَدَا اَفْصَلَ صَلَوَاتِكَ عَلَى سَنِينَا مُحَمَّدِ عَبْدِكَ وَبِيْنِكَ النَّيْنِ الْأَيْ وَالِهِ وَسَلَمْ تَسَلِيمُكُ وَذِذَهُ تَشْرِيْفُهُ وَانْزِلْهُ الْمَثْرِلُ الْمُقَرِّبَ عِنْدَكَ يَوْمُ الْقَنَامَةِ -

فائدہ: اگر کوئی قرش دار فرصت کے اوقات میں میکسوئی کے ساتھ روزان ایک والیک مرتب بیدر دوشریف پڑھ کر دھا کرے تو اللہ تونالی فیب سے اس کے قرش کی اوا میکن کا انظام کر دیتے بین نہاے تھرب ہے۔

مستقل مزاجی پائیں اقطبیع اوقات سے بھیں

اللهُمَّ صَلَّ عَلى مُعَمَّدٍ وَعَلَى المُعَمَّدِ كُلَمًا ذَكْرَهُ الذَّاكِرُونَ ٥ وَكُلَّمَا سَهَى عَنْهُ الْغَافِلُونَ وَعَلَىٰ اللهُ مُعَمَّدٍ وَبَارِكَ وَسَلِمْ.

فائدہ جو تھی کی بعد ترز نجر بھور وظیفہ آیف موبادیدرووشریف بن حالیا کرے تو اللہ تعالی اس کوویٹی دونیادی کاموں میں بیسونی موسنطی عوادی حالا کروہتے ہیں نیز اس کی برکت سادقات مذائع جو ف سے نظام جاتے ہیں اور کاموں میں آسانی پیدا بوجائی ہے۔

آ نکھ کی جملہ تکالیف اور بینائی تیز کرنے کیلئے

أَللْهُمْ صَلَّ عَلَى سَنِدِنَا مُحْتَفَدِ التَّابِقِ الْمَعْلَى نُورُهُ هُ وَالْرَحْنَةِ لِلْعَالِمِينَ مُلْهُورُهُ هَ عَذَهُ مَنْ مَعْلَى مِنْ حَلْقِكَ وَمَنْ بَقِي وَمَنْ سَعِدَ مِنْهُمْ وَمَنْ شَقِيهُ صَلَّاةً تُسْتَغَيِّ وَالْلَمَدُ وَيَحْتَفِظُ بِالْحَدِقِ مَسَلَّاةً لأَغْلِيَةً لَهُ اللَّهُ مَسْلَيْتَ عَلَيْدِهِ صَلَّلَةً وَيَعْلِي الْمَعْقِدَة المُعْقِدَة المُعْتَدِق وَعَلَى اللَّهِ مُسَلِّدًة وَلِيدًة وَلِللَّهُ وَعَلَى اللَّهِ وَعَلَى اللَّهِ وَعَلَى اللَّهِ وَعَلَى اللَّهِ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ وَعَلَى اللَّهِ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ وَعَلَى اللَّهِ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ وَعَلَى اللَّهُ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ وَالْحَسَدُ اللَّهُ عَلَى الْمُؤْلِكَ وَالْحَسَدُ اللَّهِ عَلَى ذَلِكَ اللَّهُ وَالْحَسَدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى الْحَلِيدَةُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُؤْلِكَ وَالْحَسَدُ اللَّهُ عَلَى الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْحَلَى الْعَلَيْدَ عَلَيْهُ وَالْعَمْدُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى الْعَلَى الْمَعْتِينَ عَلَى الْعَمْنَاءُ عَلَى الْعَلَى الْمُنْ الْمُؤْلِكُ الْمُؤْمِنَةُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَالُهُ عَلَيْهُ الْمُؤْمِنَا عَلَيْهُ اللَّهُ الْمُؤْمِنَةُ عَلَى الْمُؤْمِنَا عَلَيْهُ الْمُؤْمِنَا عَلَى الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا عَلَى الْمُؤْمِنَا عَلَى الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا عَلَى الْمُؤْمِنَا عَلَى الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا عَلَى الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَ الْمُؤْمِنِينِ الْمُؤْمِنِينَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنَا الْمُعُومُ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنَا الْمُؤْمِنُومُ الْمُؤْمِنَا الْمُو

فا کدو: آگر کوئی مختمل برنماز کے بعد بیدورود شریف پڑھ کروانگیوں بروم کر سعاد رآ تکھوں پر بھیمرلیا کرنے قائشہ تعالیٰ آتھو کی ایک تکانیف آتھی وور کروسیتہ ہیں جس سے ڈاکٹر عالمز آگئے۔ بھول اور چنائی ٹیز بھوچائی ہے۔ آرموہ وہے۔

ہر سم کے درداور لاعلاج بیاری کیلئے

اللهُمُّ مَتِلَ عَلَى مُحَمَّدِ بِعَدَدِكُلِ دَاءِقَ دَوَاءِ ه وَبَارِكَ وَسَلِمْ.

فائدہ کی بھی تھم کے درہ اور مرش کیلئے مریض پریے دروہ شریف اس طورے دم کرے کہ اول آخر تھی بارید دروہ پزیدھ اور درمان بٹس سات بارسورہ فاقعہ تھ جم اللہ اور تھی بارسورہ اخلاص پر عدکر اس کا تو اب حضرت طامہ تقدوم تھر بالٹم سندھی او بنٹی دے اور مریض پردم کرے تو انشا داخہ العزید اور د خفا ہوجت نے بٹیز اگر مریش لاعلان قرار دے دیا مجماع ہو با بیاری تحت ہوتو ہے دروہ شریف اول و آخرا تک موبار پزیدھے شوگر اور کینسر چھے مود کی امراض تھی تھی ایسے ایک سے با ایسے

قرض من محفوظ رہنے کیلئے

ٱللَّهُمَّ صَلَّى عَلَى مَحْمَدُ وَعَلَىٰ الِهِ وَبَارِكَ وَسَيْمَ.

فائدہ: چوشن چاہے کہ مجھی قرش دارندہ و یا اگر ہوجائے تو جلد نیات پائے۔ اس کو چاہیے کہ بعد نماز ظهر مومز تبدیدہ و قریف پڑھ کرد ھا کرنے تو اللہ تعالیٰ اس کو قرش سے بچا تھی گے اور اگر مقروض ہوا تو غیب سے قرض کی اوا نیکی کا انتظام کردیں سکے اور آخرے ہیں کی آخرے کی ٹافقہ رئی بر پکڑتیں ہوگی۔ انتظاماتھ اور بڑ

موذی جانوروں سے حفاظت کیلئے

ڝۘٮٙڴٙٳڵۮۺؠؙڂٲۮٚۏؘڿٟڹؽڋ؋ۼڵٮۛۼؙڬؽٝڍ عَبَدِ؋ۅؘڒۺٷڸ؋ٲڵڽٞؠ۫ٳڷٲؿؚٷٳڶۣ؋ۅۜڛٳ۫ڔڬۊؘڝؽؙؚۼ ڂۼۘڣڵۿؙۅٙڷڡؙڶڎ

فائدہ: اگر کوئی تخص برثماڑ کے بعد سامت مرتبہ بیددد دشریف پڑھ کر بدل پر دم کرے تو جمن آ جیب اور سانپ چھوکوئی بھی موڈی جانوراس کو تکایف شددے سکے تک اور زکوئی فکالم و سرکش اس پر نظیم یا سکے تک نیز کثر ت سنداس کا در دکرنا تجیب مفاتلتی حصار کی طاقت رکھا ہے۔ اولا دى كامياني اورعزت كيلي

ٱللَّهُ مِّ مِسَلِعَلَى سَيِّدِ الْعَالِمَيْنَ حَيِيكَ مُعَمَّدٍ وَّالِهِهُ مَسِلَاةُ ٱلنَّ لَهَااهُلُّهُ وَبَارِكُ وَسَلِّمُ كُذَالِكَ

فائدہ : اگر کو فاقتنی ایعد نماز تجر ادر مغرب 71 مرتبہ اور دیگر نمازوں کے بعد سات مرتبہ یہ دروہ شریق پایندی سے بیز مل کرنے تو اشاء الشرائعزیز اس کو اور بس کی اولاد کو معاشرے میں

باعزت مقام ماصل رب گا۔ اعزت مقام ماصل رہے گا۔

أتى سال كے گناہ معاف اور أتى سال كى عبادت كا ثواب

ٱللَّهُمَّرَصَٰلِ عَلْ سَيْدِنَا مُحْمَّدِ إِللَّهِيَ الْأُنِيَ وَعَلَىٰ الِهِ وَسَلِّغَ شَيْلِيْمًا •

عطرت الإجريرة بي روايت ب كتصوراً كرميني في في دروو بيجيا في مراه بيجيا في مراه بي كزرنے كروت فور ب اور چوشش جعد كرون اي باد بليو پرورو شريف پر جع ال كراي سال كرتناه معاف دو بات بين كها كيا يزرمول الله التيكية آپ پركس طرح ورود شريف رحين فرمان:

> ٱللهُمُّرُصَلِ عَلَى مُسَمَّدٍ عَدَيْدِكَ وَبَعِيكِ وَرَسُولِكَ النِّينِ الأَئِنِ * (الزل مدين السناون) سب سے افضل حمدا ور درو و شريف

علامه ائن المشترة بالمدة بين كر جوفتل بير عليها وكدالله على شاندى الكن حركر بيوب

سید زیادہ افضل ہو جواس کی مخلوق بیس کسی نے (اسپ تک) ندی بودادلین داخرین اور ملاکلد مشروین ، آسان دالوں اور زمین دالوں میں سے بھی افضل ہواور ای طرح بریا ہے کا مضور

ا اقد تی پیچنے پر ایسا درود پڑھے جو ان ہے۔ ہے اُفعل ہو بیشنے درود کس نے پڑھے ہوں اور ای ملرت بیر مجل چاہتا ہو کہ وہ اللہ جل شاندے کو اُن ایک دعا دیکتے جزان سب ہے اُفعل ہو جو کس

سرن میں جا چہا ہو ہوں ہوئے کی ماہدے ہوں ہے۔ نے (اب تک)ما کمی بمول تووہ یہ حاکرے:۔

اللهمة لك الحمدكما آنت آهله

فَصَلِ وَسَلِمُ عَلَى (سَيْدِنَا) فَحَيْدُ كَمَا

اَنْتَ اَهُلُهُ وَافْعَلْ بِنَامَا اَنْتَ اَهْلُهُ

فَوانَّكُ ٱهْلُ النَّقُوٰى وَآهُلُ الْمَغُوْرَةِ الله بي سري

ایک عظیم نیکی کے لکھنے میں فرشتوں کا اللہ ہے رجوع کرنا

حضرت ابن مخر ہے مردی ہے کر رسول النسکانی نے فرمایا کر الحف سے بندوں میں ہے۔ ایک بند ہے نے (اخد تعالی کی اس طرح) آخر بنیے کی:

> يَارَبِ لَكَ الْحَمَّدُكُمَايَنُبَغِي لِجَلَالِ وَجُهِكَ وَيُعَظِيْرِمُ لَطَادِكُ

قة فرشحة مشكل بيس پزشك اور كيوند سقة كه ووائد كن طرح تكفيين . تو وو آسما كل طرف چ شعب دو طوش كيالت جارت پر ورد گار ترب بغروف ايك ايسا جمله كباب كه جاري مجموش قبيس آشا كه جم اس (كرفواب) كوكس طرح تكفييس . قوامقد تعانى سفرفرا يك وسر كلسركواي طرح سنة تكفود مس طرح شد بهرب بغد و فسركها بساس تك كه بمرا زنده و بسب جمعت سلط كافرات اس كافون و دس كار (از ن بايد بطرائق ، مجموع و واكد تقرير قرضي ، كنو باهمال) (Adam) Adam) Adam

فائدو: این دوایت ہے معلوم ہواک قدکور وکلے پڑھنے کا تظیم تواب ہے بمیس اس کمل کو اوکر کے پڑھنے رہنا جا ہے اشہال کے میں بھی اس کا بہت یا اتواب عظافرہا کیں گے۔

اس کا تواب سنز فرشتوں کوایک ہزار دن تک مشقت میں ڈالےگا۔

جَزَى اللَّهُ عَنَّا مُحْتَدَّلُامَّاهُوَاهُ لُهُ *

فائدہ، مششت علی ڈالنے ہے مراہ یہ ہے کہ بزار دان تک اس کا ٹولب تھے تکھے تھک جا کس محے۔ (افر غیب م ۱۶۳ء نے ۴ بردایہ طبرانی کی انکہوالا وسط)

صلوة الحاجت

حفزیت ایام چعفرسا دی کے فر بایایی عمل کے کرنے سے اللہ تعابیٰ ہر جادیت ہی ہی کرنے ہیں۔ وو دکھت نماز صابحت پڑھیں اور مکیل رکھت عمل سودۃ کافرون بس باد اور وامری دکھت عمل سودۃ احقامی دن بذر پڑھیس سام پھیرنے کے بعد دس بارتیس افلسا وروش با دوروا فریف اور پی بادری باد وہستا السنة غی المدنیة اور تیم باتھ الحکا کرورا فریف پڑھیس اور 1000 ہاریا دیب کیس اور ٹیم حادث کا تذکرہ کریں اور تیم وروز فریف پڑھ کرا جن کہ ویں۔

مَنَا كُلْ بَ آيِد مِحْرِيدِ وعاصِّ لَ بِيهِ مِن سِيسِينَ مُرودِلَ لَا تَدَهُ وَكَ فَيَ يَجْدِيدِ لَا الرّوعاكو يُرْمَنا بِالْجَالِّ كُلُّ كُلُ فَالْمُ يَا يَعْظِيهِ الْلَهِيَّ إِلَيْ الْمَعَلِيمِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ حَوْلُ وَلا فَوْقَالاً بِاللَّهِ الْفَظِي الْفَظِيمِ الْلَهِيَّ اللَّهِ الْمَعْلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ عَل وَقُولُ مِنْ السَّمَةُ فِي فَوْوَا فِي الْفَظِيمِ الْفَظِيمِ الْمُعْلِمِ الْمَاكِلُ لَا تُولُومُ اللَّهِ اللَّ طَلْبُوهِ تَوْ تَكُلُّ وَهُو وَبُ الْفَوْفِي الْفَظِيمِ فِي جَرَوعاه فَيْ قُولُ مِولَ الرَّبُولُ وَمِوْمُ مَنْ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ الْمُؤْمِلُ اللَّهُ اللَّلِيْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ اللْمُعْلِمُ الْمُوالِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّ

میں خوص کو کوئی معیدیت وروش ہوا ہے کہ شہد ہیں کو جو ہے کہ شہد ہیں کو خوصیہ آگئی ہے بعد فسل کر سے استخاص کر سے استخاص کر استخاص کی نماز پڑھ کو واڑ کے آخری مجد استخاص کے نماز پڑھ کو واڑ کے آخری مجد استخاص کے انتخاص کے استخاص کے استحاص کے استحاص کے استحاص کے



جادوكا علاج

چادوسکەر يائى نظاخ كى دونىمىيى يىن: ممالىتى جىرىن دارد مىمۇرى

ا۔ تمام فرائض دواجہات کا اوا کرنا اور قیام تحریات کوڑ کے کردیتا اور تمام گھا ہوں ہے تو ہے کرنا۔ مار

ال العادية في أن كريم في كون إي الورك ال كوابي معولات يومي شي شاش كرايما

۳- اوعاقال تعوذات اوراذ کارمشروعه سنها یی هاهت کرنامه مثلاً مند مجه ذیل وعاول کو درخ ۱۸- ۱- ۱

شُدَارَتِيبِ يُرِيِّمِنا بِعَسْمِ اللَّهِ الَّذِي كَلَّ بَعَشْرُمَعَ إِلَّسْمِهِ هَيَّ ۚ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِيُ

بِسُمِ اللهِ الدِّوَى لا يُسْمَرُ مَع إِسُسِهِ شَيَّةً فِي الأَوْضِ وَلا فِي الْشَمَّاءِ وَكُوُ الشَّمِيعُ الْكِلْمِ

تین مرتبہ ورتین اور تین مرتبہ شام کو پڑھنا اور ہر فیاز کے بعد اور سوتے وقت اور کی وشام آیت الکری پڑھنا اور سورۃ الاخلاص اور معود تین کا گئی وشام اور سوتے وقت تین تین مرتبہ پڑھنا اور لااللہ افوات اور لماز کے بعد کی اف الدائی ویہ انعیاد وجو علی کل شیء الدر کا سر مرتبہ پڑھنا اور کی وشام اور لماز کے بعد کے اف کار اور سے جائے گھرش وائل ہوئے ، لگتے ، سوار ہوئے ، سمید میں وائل ہوئے ، ممیر سے لگتے ، بیت افلاء میں جائے اور اس سے لگتے ، معید سے زود کو دیکھے وقت کی وہ اور ال کا ایندی سے پڑھنا۔

ای شن کوئی شرخیل کے ان مندوجہ بالا وعاؤں کی پایندی ان وسیاب میں ہے ہے جو انسان کو (اند کے تعم سے) ہاود اور نظر یہ گلفے اور جنامت سکہ اثر سے محفوظ کردیتے ہیں۔ اس طرح ان مذکورہ آفتی وغیرو کے آئے کے بعد بھی بدونا کمیں اہم علان میں۔

ا گرمکن بروتا می نمارمند ما تو مجوری اکهانا بھی جاد د کیلئے سفیہ ہے۔ اس لئے کہ رسول اللہ معلقہ کا دشاد کردی ہے:

> مَنْ ٱصْنَعَ بِسَيْعٍ لَمَوَاتٍ عَجُوَةٍ لَمْ يَعْدُوْهِ ذَالِكَ الْيَوْمُ سَمْ وَ لَا سِخْرٌ (عَادى)

مجوا درید منورہ کی ایک خاص مجور ہے جوسب سے اُٹھٹل اور ہجتر مجود دل عمل سے ہے۔ بہتر ہیر سے کہ میر مجود میں مدید کے او ترون کے دومیان پیدا ہونے والی ہول جیدیا کرمسلم کی روایت عمل اس کی تصرح کہ ہے۔ لیکن مجتل عبداللہ بن باز حظ اللہ (مفتی اعظم مملکت سعود ہے) کا م الله من المسابق من المسابق من المسابق خیال یہ ہے کہ مدینة کی دو اتنام مجمورین جن بین پیرنا جات ہے اللہ جاتی جاتی ہوان کا کھانا کا ٹی ہے اس کے کہ رسول اللہ کا ارشاد ہے:

'' چوٹھن میں کو مدید کے دونوں پہنز وں کے درمیان کی سات مجور ہیں کھائے ۔۔۔۔'' جیدا کرفٹ کا خیال ہے کہ اگر تک نے مدید کی تجوروں کے علاوہ کہیں اور کی ساتھ مجور نے، اس فرکورہ طریقے کے کھائیں تو اسید ہے کہ اس کیلئے تھی اس طریق واضی ہول گی۔

دوسری فتم جادو چلنے کے بعد جادو کا علاج

۔ اس جاد دکا نکالنا اور کاٹ کرنا ہے جیکہ اس کی فیگہ اور مقام ان المریقہ سے معقوم ہو سکے جو کم جا حاکز ہوا در مصریکا سب سے کہم سے ملاح سے ملاق ہے۔

٧- (جائز) جماز چونک ب_ محرائ ك بحل ببت عاطريق بي اشال

یری کے سات ہرے ہے لے کر گھوٹے چراس میں آنا پائی طادے جوشس کیلئے کافی بریتے دوراں پر تعود آئیت الکرس مورو افران کی آیت اسالا آئیت ۱۹ مارو کافرون سورو افلاس ا سور افلاق سورو کائل پڑھ کر دم کرے اور چرائل پائی سے تعود اسالیکر تین مرتبہ ہے ہے اور افلاس ا بائی پائی سے شسل کرے افشا داخلہ اس سے جادہ کا از ختم جوجائے گا گئی اگر دو بارو سے برو بارہ خرورت بوقوای طرح کر طرح بحث کر مرش بالگل شتم جوجائے گا گئی اگر دو بارو سے اور کا اور ختم جوجائے گا گئی اگر دو بارو سے اور کو اور کے انسان کر اور بارو کی سے برو کوئی میں کام بھر بھے بہت اور افتا ہے کہا ہے کہا

سوره فاتحد آید الکری سوره بقره کی آخر کی دوآید سوره اخلاص اور معوز تیمن کا مثلاً و مقام پر دایال باتھ چیبرت ہوئے تیمن موتبہ پڑھ کر دم کرنا مجل انتہائی مغید ہے۔ (بخاری وسلم)

وہ کلمات جنگے روز اند پڑھنے سے جاد وا ثر نہیں کرتا

حترت کے امراز ٹریائے ہیں'الولا کلسات افولھن لجعلتی البھود حصاراً'' اگر بے چندگلات دیوئے جن کوش پابندی سے پڑھتا ہوں آدیجوی تجے گدھا بناد بیتے۔ handaladadadada Tos Taladadadadadadadada

ووكلمات بديين

أَصُواذُ بِمَا شِهِ اللهُ الْعَظِيْمِ الْمَانِى لَيْسَ حَلَىٰ ٱلْفَظَمَ بِنَهُ وَيَكُلِمُاتِ اللهِ النَّمَاتُ إِنَّ اللَّهِ فِي لَا يُسَعَدُوزُ مُثَنَّ بَرَّ وَلَا ظَاجِرٌ وَ بِالْسَمَاءِ اللهِ الْمُحَسَّمَىٰ كُلِّهَا مَا عَلِمُتُ مِنْهَا وَمَا لَمْ أَعْلَمُ مِنْ شَرِّ مَا عَلَىٰ وَ بَرَالُهُ كَذَالًا

(ص276-عارف القرقان بموطا والام فالك)

جادو كے تو ژكيلئے جامع دعاكيں

سات مرتبه بدها پزه کرم یکن پردم کمرین افتاه الذشفایاب دوگار اسْدُلُ اللهٔ الْمُعْطِيْمَ رَبُّ الْمُعْرِضْ الْمُعْطِيْمَ أَنْ يُشْفِيلِكُ (رَبُّدُي)

ا۔ مریض خودا ہے جسم کے متاثر و مقام پر ہاتھ د کھ کر تھی مرتبہ نہم انساز خمن الرحيم پڑھ کر

سانت مرتب دعان هجاد دوم کرے انشاء اللہ بہت جلد شفاع ہے گا۔ معروم کے رقع درسے والیوں میں مصرف میں انسان

أَعُرُّهُ بِالْفِي وَقُدُّرَتِهِ مِنْ شَرِّ مَا أَجِدٌ وَ أَتَحَافِرُ (مسلم) السردمانِ حَرَّدِم كرنامي النِهَائِ مَنْ وَجَرِب بَهِد

ٱللَّهُمَّ رَبُّ اللَّهِمِ ٱلْمَّعِبِ الْبَاسُ وَاشْفِ آتُ الشَّافِي لَا شِفَاءَ إِلَّهُ مِفَاءً لَا شِفَا أَوْلَا يُعَادِّرُ مُتَقَّا (زَعَارَىٰ)

م. أَهُواَ فَي مَكُولِ مَاتِ اللهِ الْعَامَّةِ مِنْ كُنِي مُنهِ كَانٍ وَ هَامَةٍ وَّ مِنْ كُلِي عَمْنٍ لَا تَنْهِ (خَارَى)

عَوْدٌ بكلِمَاتِ اللهِ النّاقاتِ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ (مسلم)

اتَّدُوفَ بِكُلِشَاتِ اللهِ السَّامَاتِ مِنْ غَضَبِهِ وَعَقَابِهِ وَشَرِّ عِبَادِهِ وَمِنْ
 خَمَواتِ الشَّبَاطِينِ وَأَنْ يَتَحْضُرُونَ (ايواود)

ے۔ حضرت عبداللہ بن مگرہ بن العامل آیا تھو دائے مجھدار پیچل کوئو لفظ بلفظ یاد کرائے تھے اور نامجھ بیچوں کے ملے میں تھویڈ لکوکر وال وہتے۔

> آهُ وَذُ يَكُلِمَاتِ الْحَوَالْمَاقَاتِ الْيَّيِّ لَا يُعَاوِزُهُنَّ يَرَّ وَلَا فَاجِرِ مِنْ خَسَرٌ مِنا حَمَلَقَ و بَرَّا وَ فَرَّا وَمِنْ شَيِّ مَا يَنْوِلُ مِنَ السَّسَاءِ وَمِنْ خَسَرَ مَناهِ عُرُخُ إِنْهَا وَمِنْ ضَيِرَ مَا فَوَا لِيلَى الْأَرْضِ وَمِنْ خَيْرٍ مَا

doutration distribution distribution (* ¹⁶⁴ "Delta distribution dist

يَسَخُوعُ مِنْهَا وَمِنْ شَوْ يَعَنِ الْمَنْلِ وَالنَّهَادِ وَمِنْ شَوْ ثُكِلَ طَارِقِ إِلَّا طَارِفًا يَطُرُقُ بِعَنْهِ بِمَا يَعْفُونُ (سنداعه) طَارِفًا يَطُرُقُ بِعَنْهِ بِمَا يَعْفُونُ (سنداعه)

مذکورہ بالاً میں اوعیہ برطرن کے شرے تفاعت کیلئے انتہائی جرب ہیں جوان کوروز اندمیج وشام بزیمے اور بچوں کینے لکھ کر مجلے میں ڈال وے انٹا داند خود بھی اور ہے بھی برطرن کی

آفت ے مخفوظ رہیں گے۔

جادووغيره كالثرختم كرنے كيلئے

اگر کمی کوشک ہو کہ اس پر جادہ کیا گیا ہے یا علاقتی محموں بوری ہوں تو جاد وے اثر کوشتم کرنے کیلیے ااون تک ۱۰۰ بار پڑھ کرناپے اوپر چھکیں یا ادر کسی پر شک جو تو اس پر پڑھ کر پھوٹنس سائن دھا کے دوران کو کی درمرائمل نہ پڑھیں۔

وَالَّذِي هَا فِيلَ يَهِ مِنْكُ مُلْقَفَ مَا صَنْعُوا ﴿ إِنَّهَا صَنَقُوا كَذُهُ صَهِرٍ. وَلَا يَشَفِئُ الشَّيْرَ حَنْثُ اللَّيِّ O فَالْلَقِيّ الشَّعْرَةُ سُجَّدًا قَالُوا التَّا يَرْبُ هُرُونَ وَمُولِسُ (حرمَٰذُ ١٩٠٨٨)

ول کی گھبراہٹ کیلئے

ترکیب: جس فخص کواخشان قلب یا دل کی دهز کن کی شخصت بوتو اس تعویر کوآند کر گئے۔ پس اس طرح : اکسکو میڈ ول تک آ جائے لینی ال پر پڑا مسہد ورامس ہید کے گزیھے لینی کوڑی پر بڑار ہے۔ واق بہت ہے۔

يُسْبِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ لَا إِنَّهِ اللهِ اللهِ مُعَمَّدًا رَّسُولُ اللهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ امْتُواْ وَتَطْمَئِنَّ قُالُونِهُمْ بِذِكْ اللَّهِ اللَّهِ بِلِينِّحِ اللَّهِ تَطْمَئِنَّ الْقُلُوبُ

| ۸۰ | 4 | ٦٠- |
|-----|----|-----|
| Ę | å | ۷• |
| -41 | 9+ | ۲۰ |

هُمُنِّ يَا الله مِا فَعَدُ أِيا الله مول دل وفع شد دل گھبراہٹ کیلئے (ہولد لی)

يراً بت بم الفسميت للدكر كل عن إندهين إوراا قالهادب كاتويد ول إرباء

اورول بالمين ملرف جوتا ہے۔

الَّذِيْنَ امَنُوْا وَتَطْمَينُ قُلُوبُهُمُ بِذِكْرِ اللَّهِ اللَّهِ الْاَبِذِكْرِ اللَّهِ تَظْمَينُ الْقُلُوبُ

ول کے دورے کا علاج

اول و آخر گیار و گیار و مرتبه در دو شریف سے ساتھ بیاد داپڑ ھاکر مینے بردم کریں ۔ انٹی واللہ تعدلی دل کی سر بیاری سے شفاہ موگی۔

> يَا اَللَّهُ عَارَحُمٰنُ يَا دَحِيْمُ وِلِ مَالِاكُنُ مُسْتَقِيْمُ رِحَقِّ إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسُتَعِيبُنُ . ول كي تكيف كيلت ول كي تكيف كيلت

ہر نماز کے بعد اور جب بھی ول کی تکلیف ہوتو ول پر سیدھا باتھ رکھ کر یہ وہا بار بار

رهير. د مير

یَااَمَلُهُ قَوِّنِ ُوَقَلِینَ ول کی بیاری دور کرنے کا نبوی نسخہ

حضرت سعد بن ابنی وقاعل روایت کرتے ہیں کہ بین بیاد بھوامیری عیادے کورمول اللہ منطقة تشریف لائے انہوں نے اپنا الجد میرے تندھوں کے درمیان رکھا تو ان سکہ باتھ کی

شندک بری سادی چهاتی جی میل کی۔ چرفر بالا کداسے دل کا دورہ پڑا ہے اس عارث بن کلدہ کے پاس کے جود جرفتیف ہی مطب کرتا ہے تیم کو جائے کہ دورہ بید کی سات توہ مجودین

نظیوں میت کوٹ کراہے کھلا ہے۔ (منداحمد البھیم البوداؤد) بنائی نمجی کرفیار کے ایس میں میں مدیری مربد کا سال میں کوری کا

فائدہ بھجور کے فوائد سکے بارے بھی بیاحدیث بنزی دہیت کی حال ہے کیوں کر طب کی۔ مورث میں یہ پہلاموقع سے کہ کس مریض کے ول کے دور و کی تنجیس کی گئے۔

دل کی ہر ہاری کیلئے محرب نسخہ

دل پر پاتھ دیکر آاا مرجہ میار سال بل سے سیال

سُبُحِنَ اللهِ وَيِحَمُلِهِ

ہول کے مریش اضطراب قلب مختفان کیلئے بیٹر کے پاٹی ہے اس آ یت کا سامت مرتبہ سامت دوزنک کلوکر پانا پاینز کے پاٹی سے زعفران محول کر سامت مرتبر آ بت کوککو کرمزیق کے میں میں مدروں وہ ا

عَلِي مِن وَالنَّالِفَعَلِ مَن مِسْمِعِيدِ عِددٌ مِسْرِيدِ. وَلَا يُعَوِّينُ كُمُ السَّعَامَ اَحَدُّ قِنْهُ وَيَنْزِلُ عَلَيْحُمُ مِنَ الشَّهَاءِ مَاءً

فَكُوْبِكُمْ وَيَشَبُّ بِدِ الْأَفْدَا

اگر بدن میں کسی جگدور دہو

باكون اور تكفيف موتو كليف كالمجدا بنابا توركه كريسة تمن باربهم الله كم اور تجرسات

بدوزه

ٱڠُوٰذُىبِاللّٰهِ وَقُدُرَتِهٖ مِنْ شَرِمَا آجِدُ وَأَحَاذِهُ (مُلم)

بلذر يثر كيلئ

ہ برطرے کے بلنہ پریفز کیلئے مندرجہ ذیل آئیس برفرض نماز کے بعد قبن مرجبہ پرجیس، ماز دین میں

ٱلَٰذِيْنَ أَمَنُوا وَتَطَمِّينُ قُلُوُّهُمْ بِذِكْرِ الله الله الله وتُطْمَينُ الْقُلُوبِ اَلَّذِيْنَ امَّنُوا وَعَمِلُوا الصَّلِطِينَ طُوْلِي لَهُمْ وَحُسْنُ مَا بِ ٥ (مُوة العِولَيْةِ) (ارشادفرمود دعفرت مولانا بيوليع الزمان صاحبٌ)

جملوتتم کے پرقان کیلئے

الركمي كوميقان بوكبيا بوتو يمبلي سورة الفاحي أبيك بار ومرسورة الحشر سات بارادر ومرسورة القرنش أيك باريز ه كرياني بردم كريكاس ونت تك يلائم برجب تك فالدون بور

حكركي بهاري كبلئة

حکر کی تمام عاربوں کیلئے او اربی ایت بانی بردم کرے بلانا مافی ہے۔ (عملیات محمیری) تُبْرِكَ اسْمُرَرِيكِ ذِي الْجَلَالِ وَالْإِكْثَرَامِهِ

وفع وردجگر كملئة

ور دمگر ، رفح خفقان اور دل کی دھڑ کن کو دور کرنے کیلئے جائے کہ آیت اکثری کو ایک یا کمه برتن میں تمن یا دکھیں اور پھرا کر دھو کر مرایش کو پلادیں اور وہ پینے وقت یہ کیے:

نُوَدُّتُ الشَّفَأَرَصَ الْعِلَّةِ (دير)

معده کی کمز وری کا علاج

سورة القدرة الرجيد بزحاكر بإني بردم كرين اورمريش كويلا كيل، ون عن ثين ثين مرتب بيدم كيا 🖁 جوا پائی پنے سے انشامان سام میم کے اندر اندر معدو کی مزوری کی شکایت رفع جوجائے گ۔

ية يات لكوكرسية في باعدما مينية كردد كيك به حدمنيه ب-ولك تعليف من وبحمة ورحمة معرب من المعرب والمورد

اَلْمُنَ حَفَّاتِ اللَّهُ عَلَكُمْ وَعَلِمَ أَنَّ فِيْكُوْ صَعْفًا ع مع الله يَع مُنْهِ عِنْ مُنْهِد اللهِ عَلَيْهِ أَنَّ فِيلِمَ أَنَّ فِيكُوْ صَعْفًا

يُوِيْدُ اللَّهُ أَنْ يَتَحْفِفَ عَنْكُمْ. وَخُلِقَ الْإنْسَانُ صَعِيفًا وَإِذَا سَالَكَ عِبَادِنُ عَنِي فَاتِيْ قَرِيْسٌ . أُجِيْبُ دَعْرَدُ الدَّاعِ إِذَا مَعَان

رَزِهُ صَلَى وَبُونِ عَلَى مِنِي مِنِينَ مِرِيهِ * ﴿ بِلِنِهِ مُعَامِدًا مُنْ مِنْكُ مُنَاكِمًا * اللَّهُ قَرْ اِلْمِي وَبَلْكَ كَيْفَ مَدُّ الظِّلِّ . وَلَوْ هَمَاءَ فَلَحَمَلَةُ مُناكِمًا

وَلَهُ مَا سَكُنَ فِي الْمُلِلِ وَالنَّهَارِ. وَهُوَ السَّعِيعُ الْعَلِيْمُ

ذیابطس کے مریض کیلئے روحانی علاج

سب سے پہلے درود شریف تین ، پانچ یا سات بار پڑھیں۔ اس کے بعد ریاؤ مت ایک بار پڑھیں تائد علی انجید النابڑ اس کے جند مورۃ انجاد بات ایک مرتبہ پڑھیں۔

ئوت. ون الله كن محلي وقت مقرره بروزانه برهيس. .

شوگر کے مربضوں کیلئے ایک اور دعا

ڈ ھائی ماہ تک بلاتا نے ''ا مرتبہ کُن' اور تین مرتبہ شام بید عامیٰ حاکر پانی پر وم کر سکہ جیجا (اول و آخر تین مرتبہ درو دیا ک) ' بکا و عالمذریر لئر کیلئے مجی منبع ہے۔

> رَبِّ اَدُخِلْنِی مُدُخَلَ صِدَیِّ وَّاَخُرِجُنِیْ مُخْرَجَ صِدُقِ وَّاجُعَلْ لِیُ مِـنُ لَدُنْكَ مُلْطَانًا نَصِـنَرُا ۞

> > (موره) الرائل آیت ۸)

MANANANANI TOO MANANANANANANA

تلی بڑھ جانے کا علاج

؞ؚڹ؞ؗؠ؋ۿڔ؞ڷۯٷڰۼڔٳ؞ۺ **ۮ۬ڸػؘؾؘڂٛؽؽػٞؿؘڷػٛۯٙػڴۿڕۯڗڂڡڰؖ**

(١٤٨ عند آورة)

ناف أل جانے كاعلاج

بر آین بم الله میت لکو کرناف کی چگه با تدمین ، ناف اچی جگه آ جا مگل اور اگر بندها دینے دیں آد چرند مطالح ک

> إِنَّ اللَّهَ يُمْسِكُ السَّمُوٰتِ وَالْأَمْرَةِ أَنَّ تَزُّ وَكُوْ وَلَهِنَ زَالْتَأَ إِنْ اَمْسَكُهُمَا مِنْ آحَدٍ

مِّنُ بَعَدِهِ إِنَّهُ كَانَ حَلِيًّا غَفُورًا ۚ

پیٹ کے در د کا علاج

لَافِيهَا غَوْلُ وَلَاهُمْ عَنْهَا يُنْزَفُونَ ٥

(موروصافات) بيت ۴۵)

پیدے ہراتم کے درد کیلئے

ا۔ برقیت پانگا موتبہ پانھ کروم کرے اور باتھ سے پیٹ نے اگرود وجاتا دیا تہ تجھ ورندگیاں موتبہ پڑھ کروم کرے افتاد اللہ جاتا رہے گا۔

فِي الْأَرْضِ وَلَا يُصُلِعُونَ

Outration Control Cont

(سورون آيت ١٠٣٨ مَيْرَمُغَيَّات)

۱۰ سات مرتبه دوده الم نشر آین حکر پانی پر دم کر یک بلات خواد کیمای در د موانق م الله فوراً دور جوجائے گا اور سات بار مورد فاتنی پڑھ کر پیٹ پر دم کریں۔ (مجریات دعمفیات و تعویفات)

بدبضمي كأعلاج

آگرگونی خشی زیزد دکھانے اور جنعنی کا اندیشہ ہوتا کھانے کے بعد سات یاریدآ بت ٹمک پردم کرکے کھانیا جائے جنعنی کیلئے مغیدے۔

وَمِالْهُ قِي أَنْزَلْنَاهُ وَمِالْعَقِ مَزَلَ وَمَا أَرْسَلُنْك

ٳڵۜٳڡؙڹؾؚٞڔٵۊٙؽۮؽؠۣۯٳ٥

(موره ي امرانكل آيت ۱۰ اعمليات تخميري)

بھوك كى كى كاعلاج

ا۔ اگر مجوک بالکل نہ گل ہوتو ہیآ ہے اکس مرتبہ بالی پردم کرے بالیا جائے افشاء اللہ مجوک خوب مگل کی ۔ مجرب ہے۔

وَلَوُلَا فَضَلُ اللَّهِ عَلَيْكُمُ وَرَمُّتُهُ وَانَّ

الله تَوَابُ حَكِيْمُ

(موره نورآیت ۱ هملیات همیری) ۱- هگرجوک کمکنی بود اکالیس بادید کاست کھانے پر دیم کر کے کھائیں

وَالْكَذِي هُوَيُطُعِمُنِي وَيَسْقِينِ ٥ (سره العروة أيت ٤٤ ملات تعرق)

زبان کی لکنت کا علاج

ا گرز بان بین نکنته هوتو ای کویز مصال سه میدیمی کشاه و بروجانیگار

رَبِ اشْرَحُ فِي صَدْدِى ۞ فَيَسِّرُ فِيَ آمْرِى ۞ وَاحْلُلْ عُعُدَةً مِّنْ لِسَانِي ۞

يَفُقَهُوا قُولِيُ٥ (ظالَبَ ١٨١٥)

مندکے حیمالوں کا علاج

مورہ انتخی اکمانیس ہار چیتی پر دیم کرتے چہائے ہے انشاء اللہ تھام چھنیان اور چھائے تھے جوجا کیں ہے۔ (عملیات مشمیری)

وفعبلغم

علامه دیر فی نے تکھاہے جو تحقق مارضہ بلٹم بٹن نہلنا ہوائی کو چاہیے کہ واٹسک کی سات چھوٹی چھوٹی تنگریائی کے دوران میں ہرا کیا پر سات مرتبہ آتا ہے الکری "بزیھے دورسات دوز نہاد مذاستعمال کرے وفتا داخذ وس مار شے ہے نجات پائے گا۔

فالج كاعلاج

ان تحریث نیا کیک مفلون سے تم کیا ہے کو یک نے وجوم کے بائی سے دوات اور سے کرے اور اس سے دیک برتن میں کہم اللہ اور مورہ حشر کی آخر کی آ بات مواللہ سے ناآ خراکھ کر زمزم سے دھوکر بی لیا اللہ تعالیٰ نے شیاعطافر مائی۔(اعمال قرقیٰ)

چىكى كا علاج

عمن سائس میں بانی ہے اور ہر سائس پر سامت مرتبہ باطفظ کیم انتاء الفائیگل بند وجائے گ۔ گردےاوریتے کی پھری کاعلاج

گردے اور ہے تاکی بھری دور کرنے کیلیے ۳ بار پڑھ کر پاٹی پر دم کر کے اس وقت تک۔ حسیر کا مار دیوں

ياه نمي دسب تك كاميا في ندجور

وَإِنَّ مِنَ الْحِجَارَةِ لَمَا يَتَفَجَّرُ مِنْ لُهُ الْأَنْهُ وَ الْحِجَارَةِ لَمَا يَتَفَجَّرُ مِنْ لُهُ الْأَنْهُ وَ وَإِنَّ مِنْهَا لَمَا يَشْقُقُ فَيَحُرُجُ مِنْ لُهُ الْمَا يَهْ خُلُونَ وَمِنْهُ الْمَا يَهْ خُلُونَ وَاللَّهُ وَمَا اللَّهُ مِعَانِيلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ وَ اللَّهُ وَمَا اللَّهُ مِعَانِيلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ وَ اللَّهُ وَمَا اللَّهُ مِعَانِيلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ وَ اللَّهُ وَمَا اللَّهُ مِعَانِيلٍ عَمَّا تَعْمَلُونَ وَ

(موروبقره آيت ١٩٧)

آپ مریض ہیں تو یمل کریں

انان جربر می معزے فی کافران بے جبتم میں سے وکی شفا جا ہے قرآن کریم کی کئی آیت کوکی محیفے پر لکھ لے اورائے بارش کے پانی سے وحولے اورائی ووی کے وال (مبر) سے اس کی رضامتدی سے پہنے لے کرشموخر پرسنداور برودنوں فی لے لیس اس میں کئی وج سے شفا آجائے کی ۔ ضدا تعالیٰ کافر مان ہے .

> وَكُنِرِّلُ مِنَ الْقُرُانِ مَاهُوَشِفَانَّةُ وَ مَحْمَةً اللَّمُؤْمِنِيْنَ ﴿ مِرْهَ مِنْ مَ

وَٱنْزَلْنَامِنَ السَّهَآءِ مَآءٌ مُبَارِكًا ۞ دراه الي ج

فَانْ طِينَ لَكُمْ عَنْ شَيْءٍ مِنْهُ نَفْسًا فَكُلُوهُ هُنِينًا صَمِينًا اللَّهُ وَهُنِينًا اللَّهُ شبوکے بارے میں فرمان النجاہے۔ فيه شفاء للناس ا بن بنیا میں مصفوعات فرماتے ہیں جو محفق ہر مینے میں تبن ون منج کوشید حات لے اے کوٹی ہوئی ہائیں منبے گی۔ (انفسیروین کثیری ۳۳ م ۱۲۹) پیشاب بند ہوجانے اور پھری کیلئے دعا جب بیشاب بنربوهائے ماچتری ہوتو رو ہاہیا ہے: رَثُنَا اللَّهُ الَّذِي فِي السَّمَا وتَقَدَّنَ اسُمُكَ آمَرُكِ فِي السَّمَّآءِ وَالْأَرْضِ كَمَا وَحَمَتُكَ فِي السَّمَلَةِ فَاجْعَلُ وَثُمَّتُكَ فِي الْأَرْضِ وَاغْفِرُ لَنَّا حُونَيَنَا وَخَطَايَانَا

في الارض واعفِران حوبنا وخطايان اَمْتَ رَبُّ الطَّلِيَمِينَ فَاَنْزِلُ شِفَاً أَمِّنُ شِفَا ۗ وَرَحُمَةً فِنُ رَّحُمَتِكَ عَلَىٰ هٰ ذَا الْوَجَعِ،

وردسر كاعلاج

مال اینا با تھوں دمند کے مر پررکھ کرمیدد عالیہ ہے:

يشوالله خنيرالكشمكة ددت الأثرض وَالنَّمَا ۚ وِاسْعِ الَّذِي اسْمُهُ بَرَكَةً وَيِثِفًا وَبِسَمِ اللَّهِ الَّذِي بِيَدِهِ الشِّفَاءُ بسيرالله الذي لايضة متعاميمه متحث اس کوئین باریا ساست بار پڑھے باؤن خداے شائی در دسر دور دونائیگ اگر کوئی مختص بیدجاہے کہ میرے سم جمعی کوردنہ جو دوخین کجر اور مغرب کیا تمازے بھھ مري باقعار كاكرميات مرتبدال أبعث ثرية كابز هجافث والذبحى مرودون ببركا ادبجي أنحيس ئىير) دىجىراگا ـ يُسَبِّحُ لِلْهُومَا فِي الشَّسَلُونِ وَمَا فِي الْأَرْضِ لَهُ الْعُلُكُ وَلَهُ لْخَمْدُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ لَلِيْرٌ دہشت اور گھبراہٹ <u>کیلئ</u>ے جوفف دبشت اورتم ابن محسول كرے ات بيدها يؤهن جاہے: أعُوٰذُ بِكَلِمَاتِ اللَّهِ الثَّآمَاتِ مِنُ غَضَيه وَشَرَعِبَادِهٖ وَمِينُ هَمَزَاتِ الشَّيَاطِينِ وَإَنُ يَحْضُرُونِ تین باریوں سے عافیت برنماز کے بعد تین بار جو تنس بڑھے گا اللہ جادک و تعالیٰ تین بیار بول سے عافیت فرما کی

ٱللَّهُمَّرَعَافِينَ فِي بَدَيْنَ ٱللَّهُمَّرَ عَافِينَ فِي سَمْعِيُ ٱللَّهُمَّ عَافِينَ فِي بَصَرِئ لَا إِلَٰهَ إِلَّا ٱنْتَ سُبْحَانَ اللَّهِ العظيم وبحمده ہرمرض اور ہر درد کسلئے وَمَا ٱرْسُلُنْكَ إِلَّامْ يُشَرُّا وَيَذِيرًا ٥ فائده بهرمن اور جروروك واشطه مقام وروير باقعد مكاكران أيخل كويزه كرثين مرتب دم کرے رائع داخہ تعالی بہت جند محت ہوگی۔ م کان تھنجھانے کے وقت کی دعا جب كان معجمان علية في كريم المنطقة كوادكر سان بروروشريف بالصادري كيه ذَكْرَاللَّهُ بِخَيْرِمِنْ ذَكَرَ إِنَّ جلے ہوئے پر بیہ پڑھ کردم کرے اَذُهِبِ الْبَأْسَ رَبَ النَّاسِ إِشْفِ آنتَ الشَّافِ لَاشَاقِ إِلَّاآنَتَ -نزبيشيراللوالترتمل الزّحيّر كافتاحٌ سّار ىَاوَهَاكِ سِّهارِ يَاكُونِيُمُ سِّهِرِ يَالَهِنَيْمُ سِّهِ

Challadia Challadia di Adrial - 116 "Balbatia Challadia Challadia Challadia

الن اسماء كولكو كراً و بريم كرود والسالد كرم م بالده و ب

چېرے اور پشت كے مسول كاعلاج

موتی کی فیرستعمل ری لین تجریختی تعدادی سے بول آئی ہی گانھیں اس پروی کرہ ویتے وقت مریض سے پر شہادت کی آنگی رکھے اور عمل کرنے والا آیت کا یہ جملہ پر سے وم کرنے کی خرورے نیمیں:

فَقُطِعَ دَابِرُ الْقَوْمِ الَّذِينَ ظَلَمُوا.

چرد دسرے سے برانتی رکھے اور عالی آیت کا فرکورہ حصہ پڑھے ای اطرع بھٹی شرورت بوگل کر کے ری کو لیب لیل اور کئی گئیس طبے کے آچرے کے اندرو بادیں جہال کم کے وو افتے دلئی رہے اس سے پہلے برگز نہ لکالیس شمن جارروز کے بعد سے افزخود کرنا شروع ہوجا کی گے۔ اور چندونوں میں جلدصاف موجات کی۔ (فلاس دارین س) ۱)

چیرے کے کیل مہاسوں کا علاج

لیموں کا رق تین مرتبہ کپڑے ہے جمعنا ہوا دو تولیز کا بہ سرآ تھہ دو تولیڈ کھیرین افل ووقولہ تین بیز وں کوالیکہ شیشی میں ڈال کر تھجان کر گیں چیرے کی فویصور ٹی بڑھانے کیلئے ایک بہترین چیز تیارے دون بھی کم از کم تین مرتبہ استعمال کرٹا ب مد مشیدے ۔ چیزے کی رنگھت تھر آئی ہے اور جلد رقیم کی طرح شائم ہو جائی ہے۔

اگر جدان یا چیزے پر کوئی دائے دھی۔ ہوتو وکھا لیس مرتبہ دوا یا مرجم پر مندرجہ و ٹس آیت ہم کر کے استعمال کر پیسا نظام دائلہ برطرح کا دائے دھیمہ دور جوجائے گا۔

مُسَلَّمَةُ لأَشِيَةُ فِيُهَا

(علوج قرآنی ش۱۹۴)

وردچیم

مر بنی لکیج بین اعفرت خواب فی فریدالدین سے جو بناد بهندیش مشہور دمعروف بین دوایت سے

indication of the control of the con

كماية وذول إقول كواكوفول كالمنول يريايت

فكنفنا عنك وطآءك فبحثرك اليؤمر عديلا

سامند بارادل و آخر وردوشریف سامت بار پر هنگر چو نگنے اور آگھوں پر گلیرنے سے نور بھر وزوال شرر کیلنے فائد و دوگا واقع ارائڈ توانی

آ نگھ د کھنے کی ایک اور دعا

ٱلْلَهُمَّ مَثَيِّنَىٰ بِبَصَرِى وَاجْعَلُهُ الْوَالِثَ مِنْى وَإَنِيْ فِي الْعَدْدِثَا أَرِى وَانْصُرْنِى عَنْ مَنْ عَلَمَيْنَ

الرجی اور ہرفتم کے دانوں کا علاج

بعض از وان مطبوات سے روایت ہے کہ رسول انفیانی کی ایک ون میرے ہائی تخریف ان نے اس وقت میری انگی کس وائد نکلا ہوا تھا آ ہے تھی گا گا نے بھی سے فرمایا کہ کیا تمبارے ہائی و رہے ہے؟ میں نے کہانی ہے۔ آ ہے تھی نے فرمایا کہ اس پر لکا واور کیوک

ٱللَّهُمَّ مُصَغِرَالكَبِيرُ وَمُكَابِرًالصَّغِيرِ

وَصَغِوْسَانِهُ. قدرت جارع

حسن بھرٹی ہے فاکر کیا گیا کہ فاول مختل نے لگان کیا تکر مورے پر قاد رکیس جوا آپ نے ووانڈ ہے جوش دینے (البے) بورے مٹائے اور چھلکا احرکر ایک پر بیا برط کھی

وَّالسَّمَاءُبَنَيْهُابِأَيْدِةَ إِنَّالُمُوْسِعُوْنَ

(مورة الذارياسية يهتد ١٤٤)

اور مرد کو کھانے کیلئے وے دیا درود دمرے پریے آبیت لکھی

وَالْأَرْضَ فَرَشْنَهَا فَيْعُمَرالْمَاهِدُونَ

(مورة الذاريات قيت ١٦٨)

اور دہ مورث کو کھانے کیلئے وے دیا اور کہا کہ اب مطلب حاصل کردیتانی وہ کا میاب ہوا۔ (افغال قرآنی)

شيشے سکہ برتن میں آیت

ۅؘۺۜڕڪؘٵؠٚڡؙڞۿؗؠ۫ؠؘۅ۫ڡٞؾؚڋؽڡؙۏۼ؋ۣڽۼڡؙۻٷ ڶؙڡؚ۫ڂ؋ۣٵڶڞؙۅ۫ڔڣۧجڡڟۿؠٞڿۼٵ٥

لکند کرائ مخض کو پاہا جائے جواتی ہوگی گرمت سے باز رکھا ممیا ہوانشا واللہ ہوطرت قادر ہوونے گا۔ (عمر بات عملیات دکھونے ت ۱۸۹)

ایک مجرب عمل

قورت کے پاس ایام طبارت کے پہلے پانچ دقوں میں جانے سے اڑکا ہوگا گھر آ تھویں انورٹ تک الاکی ہوگی گھر کیار ہوتی تاریخ کند لاکا ہوگا تھر چھڑا ہوگا۔ یہ کا کہا کہا سیا ہے کہ اگر کھڑے ہونے کی حالت میں صحبت کی جائے اور گورت نے دایاں پائی اٹھائیا تو الاکا جنے گی اور آگر بایاں پائی اٹھالیا تو الزکی جنے گی۔ وائری کہتے ہیں کہ میں نے اس کوتین وقعد آن ایا اور سیح مائے۔ (کنومی ۲۰۱۳)

۔ میں بھی بعض لوگوں کے جریہ میں آیا ہے کہ اگر جات کی طاق را توں میں معبت کی جائے تو ان کا موگا اور بھت راتوں میں موتو از کی ہوگی۔ وافقہ الم

جربان كأعلاج

جریان کے مریش کوسورہ جرات تمن یار پائی پر دم کرے اکتالیس روز تک چایا جائے انظا مائند شفا ہوجائے گی۔ (ممنیات کشمیری ۱۰۰)

بعد نماز عفر اول و قر مات مرتبه ورووشريف اورمومرتبه به آيت پز هناجريان كيك بهت يد ب- رَبَّنَآ اَثْنِمْ لَنَانُوْرَنَاوَ اغْفِرْلَنَا اِنَّكَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرُ٥(سِيمِينه:،)

كثرت احتلام كاعلاج

بہتر پر جانے وقت مورہ طارق پڑھ کی جائے تو بھی کثرت احتلام کا مرخی نہیں ہوگا ادراگر پہلے سے بیرمزش ہوتو بالکل فتم ہوجائے گا۔ بہت بحرب ہے۔

(کفالات فزیزی می ۱۰۹ محربات ملیات د تعویذات ۱۹۵۴) محمد می میراند.

كثرت احتمام كامريش موسقه ونت البيشينية برخبادت كا أكل سنة عمرا الكيداورات كوجب بهي آخر كله تعلق تحري عمر لكيمه الشاء الله بركز احتمام ثبين وكار (آكية عمليات ١٩٩١)

آتشك اورسوزاك كاعلاج

موزاک کے مریقی کو یہ بیش لکھ کرعرتی گاہے میں محول کر باہ یہت مفید ہے۔

ۊؘؽۺؙ۫ڣۥڞڎؙۏ_ۣڗۣ؋ۧۏۼ؋ڡؙۊ۫ڡؚڹۣؽؘ۞ؽؘٳؽۿٵٳڶؽۧٳۺ

قَدَّمَاءَتُّكُمْ مَّوْعِظُةٌ بِّنِ رَّيْكُمُ وَشِفَاءً لِمَّا فِي الصُّدُوْرِ وَهُدُى وَّهُمَّهُ لِّلْمُثَوَّمِنِيْنَ هَ وَلَنْزِلُ مِنَ الْفُرُّانِ مَاهُوَشِفَاءً وَّهَمُّتَهُ لِلْمُؤْمِنِيْنَ هَ

(عملیات تشمیری ۱۰۴)

ہے۔ وزاک کی جاری ہوگی ہوا ہے سورہ حرق لکو کر گلے بی ڈاٹی جائے اور بارٹی کے پانی پردم کرکے پلایا بھی جائے انشاء القدم فن جاتا رہے گا جرب ہے۔ (ایسنا ۱۰۳)

ا الدرية مات بالديرة مرك الماليس روزنك بالماجات انشاء الله الحك كامرض جاتا

ر ہے گا

ในสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับ 125 ในสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับสำหรับ

فِيشِم اللّهِ الرَّحَفِنِ الرَّحِيثِمُ وَالنَّرْعَاتِ عَنَرَقَالُهُ وَّالنَّشِطُتِ لَفَظَّا كُوَالنَّحِثِ سَبُحُاه فَالنَّيِقَتِ سَيَقَاهُ فَالْمُنَّذِيزَاتِ أَمْرُكُ اللّهِ بما حكاق المُمَلِ

جب جورت جیش ہے پاک ہوجائے آو مندوجہ ذیل تین تعوید ات کفی کر اسے کھا سے امید کاش تو یہ ہے کہ پہلا تعوید کھانے ہے بی جس ہوجائے گا ورند دوسرا تعوید کھائے افغا واللہ تیسری باز مرد کے قریب جائے می حورت صالمہ ہوجائے گی۔ اور فرزند پیدا ہوگا۔ ان تیوں تعوید اسٹا کوسٹک زخوان اور گلاب ہے لکھے۔

> ا... بسسم الله المرحمين الموحيم الله والى الله ولا اله الا الله محمد وسول الله بسم الله المرحمين الرحيم

> الْسَعْصُدُ لِللهِ الَّذِينَ مَحَلَقُ السَّمُواتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظَّلْمُتِ
> وَالنَّوْرَ. لُمَّ الَّذِينَ مَحَلَقُ السَّمُواتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظَّلْمُتِ
> مِنْ طِيْنِ ثُمَّ الْعَلَى اَجَلَا. وَاجَلَّ مُسَعَّى عِنْدَهَ ثُمَّ النَّهُ تَعْمَرُونَ
> ﴿ الْسَحْسُدُ لِللهِ اللّذِي حَقَلُ السَّمُواتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظَّلْمُتِ
> وَالنَّمُورَ. لُسَمَّ الْمِينَ تَحَرُّوا مِرْبَعِهُ يَعْوِلُونَ (ا) هُوَ الْمِنْ تَحَمَّوُ المَّلِمُةِ
> فَوْلَوْنَ (ا) هُوَ الْمِنْ تَحَمُّوا مِرْبَعِهُ يَعْوِلُونَ (ا) هُوَ الْمِنْ تَحَمَّوُ المَّلِمُ مَنْ الشَّمْ

 الْحَكَمْ دُيْلُو الَّهِ يَ خَلَقَ السَّمَوٰتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظَّلْمَةِ
 وَالنَّوْرُ. ثُمَّ الْمَدِينَ كَفَرُواْ الرَّبِهِ بَعْدَالُونَ (١) هُوَ الْذِي خَلَقَكُمْ
 مِنْ جِنْنِ فَحَ قَلْمَلَى اجَلًا. وَأَجَلُ مُسَمَّى جِنْدَهُ ثُمَّ النَّمُ
 نَتَمَوُونَ ٥ (هما أَوْوَنَى أَصِيا وَ تَوْفَ اللهم بعق يا مالك يوم المدين أياك نصد و إياك استعين و كان الله عنوراً عليه والمنافرة العظيم برحيتك باكان الله عنوراً أحكيماً و ذائك هوالفوز العظيم برحيتك با اسقاط حمل كاعلاج

ا مُرِّکی عُورت کومل شدرہا جواہ بیڈ بت مالیس دن تک چینی کے پیانے میں الکھ کر بیا کی اور کا غذ برلکھ کر کمر میں باندھیں افتاد اللّٰہ عمل قرار یائے گا۔

يشم الأوالزَّحَوْلِ الزَّحِوْمُ يِلْيُهُ لُكُ السَّمَوْتِ وَالْأَرْضِ يَحْلُوُ. مَا مَشَلَهُ

لِلْمِمْ اللَّهِ مِلْكُ الْمُمْ وَبِ وَالْرَضِ عِلَى مَا لِسَاءٍ يَهَبُ لِمَنْ لِمَنْ لِمَنْ أَوْلَنْكُ أَوْلَهُ لَهِ مِنْ يَضَّاءُ الذَّكُورَ فُ اَوْلِيزَ وَجُهُمْ ذَكَرَانًا وَإِنْثًا وَيُغْتَا وَيَعْتَمُا

الله عَلَّتُ مُّ قَدِيرُهِ ابرساءها)

۔ اس اوٹورٹ کے بیٹ پر ایمیس انٹا اوٹومل کرنے میمنو فارے کا۔

بِسُيمَ اللَّهِ الرَّحْمُ إِنَّ الرَّحِيثِمُ

ٳڽٚڪُڶؙٞ۫۫ٚڡٚڛڵڡٞٵۼڵؘۿٵڂٵڣڟ۠ڰڣٛڶڷۿؙڂؘؽڗ ڂٳڣڟؙٳۅ۫ۿۅؘٳۯڂٙؠؙٳڶڿۣؠؿؙٵٛڶۿؠٞٳڂڣڟؙڂۻڶ ۿڋ؋ڶڡٙڒٲۊڡۣڹٛڿٙؽۼٳڵٳڡٚٳڽۼۊۣڷٳڶؽٳڵٳڶڎؙڰؙڴ

تَسُولُ اللهِ امِينَ امِينَ امِينَ امِينَ. (مل م) (ايسِيهِ: ١٠٠)

جس مورت کا عمل ما فقا ہوجاتا ہوتو سرخ کسوم کا دفا ہوا وہا گرای کے قدے پراہر کے۔ اور مات ما گیار دیا ایس ہونے کر اس برؤگر میں لگا عمی اور جرگرہ ہ

> ۊٙٲڞڽۯۊڡٵڝۛڹۯڬٳڵؠٳڟؗؠۊڵۼۜڒؘؽۨ ۼڸؽؠۼۄؘڵٲٮڴڎڣڞؿۊڣڟؽڎػٷۏڽٙ؋ڸۏؖڶڵڎ ڡۼڷڵؽؿڗڶڡٞٞۊٳۊؙڵؽؽٷۿۼڂۺٷڽ؞ڛڛ؞؞؞

Partindada da Caractería de la 122 Desta de altra de Caractería de Caractería de Caractería de Caractería de C

ادر سوره کافرون پڑھ کر پھو کئے دھا کہ تورت اپنی کمر پر ہاند ھے انتقامات میں محفوظ رہے گا۔ (کمالات کر پری اور انتقال قر آنی ۹۴)

برائے اولا دنرینہ

جب عمل از حانی ماہ کے قریب ہواور تنی ماہ کالی تدکر رہے ہوں آو گئی کی تماز کے بعد باہشو اول در دو شریف پھر سورہ فاتھ پھر سور قاتھ والا بہت بھی پڑھیں اور سے گئی کے آبھورہ عمل پالی کے کراس پر دم کرکے عالمہ کو چاہ تی ۔ ساحہ وال بیٹمل کریں افضاء القدائر کا پیدا ہوگا۔ مجرب ہے۔ (فلاح دارین ۱۹)

شروع مبيد ثمل ش اگر عورت كى داخل پلى پر موره الل لكود مي تو انشاه الله او ريند پيدا يود الحال قرآنى)

اولا دنرينه كيلئ

رَبِ هَبْ إِنْ مِنْ لَكُنْكَ ذُرِّيَةٌ طَيِّبَةٌ أَنَّكَ سَمِيعُ الذُعَلَه هم الراقة العرادة بشده

جس کی اولاد نہ ہوتی جو دو اس آیے کو مغرب کے بعد سات مرجہ پڑھے تو ان اللہ مقصد بھرا ہوگا۔

۔ وہ مراخر بننہ ہے کہ شب جد میں نصف دات کے بعد مشائی کا طوے کے گلاے پر کش ایک جگہ بینے کر جہال کوئی زدیکھے ہے آیت کھے اوراے کورٹ کو مُطابے اور پھر شارع کرے تمن بارشہ جد کو پھر کس کرے انشاء الشاس عمل کی برکت سے ضرور کیے بیدا ہوگا۔

> ێٳؘۿٵڬٞۺٳڟٞٷڗڽػۿؠٲڵڍؿڂڷڡٙٚٙػۼڣڹ ؙڬٚۺۅٞڶڝۮ؋ۊؘڂڶۊؘۺۿٵڒۏڿۿٵۊۺؘٚڝڣۿٵڽۺٳ ڪؿؿڒٷؽڹٲٷڶڨ۠ٷاڟڟڵۮڶۮؽڞٮٲٷڽ۫ڽؠٷٲڰڗڝٵ؆ ٳۏٞڶڵ۫ڎػٵڹۼڷؽۘػۿڔڗڣڹؿڮ

جب مورت جیش ہے فارق ہوجائے تا تمری کا ایک فرید بچون کا کرک جاگا۔ اس کی بخی دن میں ٹی لے اور یہ آیت پاک وصاف برتن میں اس طرح تھے کہ کوئی فرف مناہوا نہ ہو ۔ اور چھرائے دموکر وو پائی ہوت ہمائے مورت پل سے انتاء اللہ اس کمل کی ہر کت ہے۔ استقراد کم ہوجائے کا اور مجد بدا وہ کا ۔

> "المحمسة لله رب الفلمين () الرحمان الرحيم () خلك يوم الدين () إبدالا نعيد وإيساك نستمين () اعدنها الصواط المُستقيم () صواط الذين انعمت عليهم () غير المغضوب عليهم والالعمّالين () "

حیض کی کمی اور در د کا علاج

ا۔ جس عورت کی ماہواری بھی کی ہواور اس سے آغلیف ہوتو ان آیات کو لکھ کر کمریں اس طور نے ایم جس کے تعوید ترم پر ہزارے۔ انشاء اللہ تھا ہوئی۔

وَجَعَلْتَ الْمُهَا أَجَلْتِ إِنِّنَ تَنْحِيْلِ وَآهَا مِ فَلَحُولَ فِلْهَا مِنَ الْمُشَوْلِ 0 لِيَاكُمُوْ امِنْ لَكُمْ وَمَا عَلِكُمْ آلِينِهِمْ الْكَارَبُنْكُمُ وَنَ 0 أَوَلَّهُ مِنَ ظَيْفِنَ كَفُورُهِ انَّ الشَّفُواتِ وَالْآوْمَنِ كَانَا وَنَظُ الْمُشَفِّهُمْ وَجَعَلْنَا مِنْ الْمَنَاءِ كُلَّ شَيْءٍ عَيْ الْعَلَمُ فِي مُوْ

كثرت حيض كاعلاج

ا۔ حیش کا فون زیادہ آئے کی صورت میں سامند دن تک سورہ وہر یائی ہر دم کر کے باد ایسائے رائشا دانشر توان آ کابند ہوجائے گا۔

۔ جس مورت کی ماہواری میں زیادتی ہوائی آبت کوگلو کر کمر میں یا قصیں اس طرح کے تعویفہ دم پر جزار ہے۔

وَيُولَلَ يَنَازُهُمُ الْمُلَهِمِي مَنَاءَ كِ وَلِيسَمَاءً الْفِلِمِي وَغِيْضَ الْمَاءُ وَقُعِينَ الْأَثْرُ وَاسْتَوَتُ عَلَى الْمُعُودِينَ وَقِلْلَ بَعْدًا لِلْقَوْمِ الْطَلِيشِ

KONKARANTANAN MANDANAN MANDAN MAN

المنظمة المنظمة المنظمة TP _ PT | دسوره أوثر ووازنه بارش كي جانى يردم كرك بيان كون سائيس كي جاري ش

ہے۔ مغیرے۔

بچول کی برتمیزی کا سبب اوراس کا علاج

یج ں کی بدتیزی اور تافر مائی کا سب عموماً والدین کے گناہ ہوتے ہیں۔ خدا تھائی کے ساتھ اینا محالمہ درست کریں اور تکن ہار سورہ فاتحہ پائی پر دم کرکے بچے کو پایا یا کریں۔

حالت مرض کی وعا

(آب ك منائل اوران كاعل ج يص ٨٠٠هم مناه عانوي شبيد)

جوش حالت مرش شی بردها جالیس بار پزهدا گرم الوشمیدے برایر تواب ملے کا اور اگر اچھا ہوگیا تو تمام کناہ بخشے جا کیں گے۔

> لَآالَدَ اِلْآاَنْتَ سُبُحٰنَكَ إِنِّى كُنْتُ مِنَ الظّلِمِينَ ﴿

(امودرمول اكرم الله م ۵۵۸)

ڈاڑھاورکان کے درد کیلیے عمل

جوفض هر چعينگ سيدوقت

ٱلْحَمُدُ لِلْهِ رَبِّ الْعَلَمِينَ عَلَى كُلِّ حَالِمُا كَانَ ﴿

> ئے تو ڈاٹر ھادر کان کا درو بھی جمی محسوں نہ کرے گا۔ (محصن حسین این افیاشیہ س ۳۳۵)

بهار کی شفا کیلئے

اگرکوئی بیار ہواورائں پر یہ آیت سات بار پڑھ کر دم کرے وہ بیار مہت جلد ایجا ہو جائے

كَارَةُ بِنَ بِيبِ: وَ لَا تَدْخُولِفُوا وَءُ وُسَكُمْ خَنِّي يَثْلُغُ الْهَادَىُ مَعِلَّهِ ﴿ لَمَنْ كَانَ وَ لَا تَدْخُولِفُوا وَءُ وُسَكُمْ خَنِّي يَثْلُغُ الْهَادَىُ مَعِلَّهِ ﴿ لَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ شَرِيْتُ ٱرْبِهِ ٱلْذَى مِنْ رَأْتِهِ فَهِلْيَةً مِنْ صِيَامٍ ٱوْ صَلَقَةٍ ٱوْ

نیندندآنے کا مجرب علاج

ار - وابان إنحدم يردَة كرمات باداً بعث كاصرف ا تناحصد يزعين : فَضَرَبُنَا عَلَى الدَانِهِ فِي الْكُهُفِ

جرباته يرم كرك مريكيرتها دانثا دانشغوب كري فيفات كا

اگر تیند ندآ رق موقو قرآن پاک کیا بیدآ بت مبارک پڑھیں:

إِنَّ الْمُلَّةَ وَمُلِّهَكُنَةً بُعَلُونَ عَلَى النَّبَى بِأَيُّهَا الَّذِينَ آهَنُوا صَلُّوا عك وكقوا كشته

اس کے بعد ور دوٹر بیٹ پڑھنے رہیں جس فقر روسیان اور توجہ سے پڑھیں کے آئی جارک فيندآ جائے گئے۔

> ١٦ بهترير بايضوداكين كروش قبلدرخ ليث كرسات مرتبه يزهيس: تَحْسَبُهُمْ أَيْفًاظًا وَ هُمْ رُقُودُ

ائنا ،اللهٔ نوب نیندا نے گی۔ ﴿ وَادْ مَعْرِت مِندل إِلَا بِي مِدْمُلا ﴾

مقرره وقت يربيداري كاخاص عمل

مودة كف كي آخري آيات إنَّ الْحَذِينَ احْمَدُوْ ا وَعَجِلُوْ الشَّرِيعَةِ سِيرًا آخ سورو، اول وآخرسات سات بار درود شریفان کاویصال ثووب جناب حضرت رسول اكرم الله كيانة كرين اور وعاكرين كه يالله إلى يحص التنابيخ جنا ويجنز گا۔ انتاء الله الله وفشته آتكو كطيأل kadadiskadadiskadiskadi. 126 "Dakadaskadisdiskadiskadiskadis

اچهارشته ملنے کیلئے اہم دعا ئیں

رَشِنَاهَبْ لِنَامِنُ أَزُوَاجِنَا وَذُرِينَيْنَا قُسَرَةَ أَعَيُنِوَ اجْعَلُنَا لِلْمُثَقِّمُ مَنَامًا مُا

الشائعة في نے اس دعا كوائے خاص بندوں كى دعا فرياؤے بردعا برمرد و مورت كوزندگى بحر ما يكتے رجمة چاہيے۔ بہت مبادك دعا ہے اس شي شوہر ريوى، منچ خاندان سب كيفتے و نيا و آخرے دونوں كى دعا كي آگئي جي ۔

> جيٹے يا بٹي کی شادی مبارک ہو وَهُوَالَّذِي حَلَقَ مِنَ الْمَا لِي بَشَرًا فَجَعَلَهُ نَسَبًا وَصِهُرًّا وَكَانَ مَ بُكَ قَدِيدُرًا ﴿

(مورة الفرقان آيت ۵۳)

ا نائدہ : اگر آپ کے بیٹیا یا بنگی کا حقدت ہوتا ہوتو آپ دپنی ہوں مراد کیلیا احون تک ۳۱۳ باران آیت مراد کے کو پڑھیں۔

> بينًاعالم قاصّل اور ذبين مو وَعَلَمُكَ مَالَمُ تَحَكُنُ تَعُلُمُ * وَكَانَ فَضْلُ اللّٰهِ عَلَيْكَ عَظِيْمًا *

[سوروالنهاوآ بيت†ا|]}

فائدہ: قُکراً پ کا بچاکندہ این ہویا طالب علم ہوٹو اس کو خدکورہ آیت اتا یارپائی پر دم کرکے روزانہ چاکیں بیشاد اللہ اس کی برکت ہے عالم فاصل جوجائے گا۔

عزت وقاراورنام پیدا کرنے کیلئے

ڣۜؽڵؿٵۿٚڝؙۯۯؾ۪ٵڶٮۜٚڟۏؾؚٷڒؾؚٵڶٳٚ؆ٛڕۻۮؾ۪ ٵڵۼڵؠؠؽؙڽۿۅؙڬۿٵڶڮؠؙڔؽٳٚٷؚؽاڶۺۜڣۏؾؚۘٷٵڵٳ؆ٛڽۻ ۅٙۿؙۅٵڵۼڔٚؿڒؙٵڵۘڂڮؽؠؙۿ۞

(مورة الجاثيرة عنه ٣٤-٣٤)

امتخان میں آ سان پرچوں کیلئے

فَإِنَّ حَسُبَكَ اللَّهُ ۚ هُوَ الَّذِيْ كَا آيَٰذَ الَّذِيْضَرِهِ

وَبِالْمُؤْمِنِيْنَ ﴿

فاكده: ومخال على أماك يرجول كيلة فخ اوركاميال كينة جائية عن يبليد بارضرور

پڙھ ٿي۔ پڙھ ٿي

مقدمه میں کامیا بی کیلئے

ۅٙۊؙؙڵڿۜٳٚ؞ٙٳڵڂڨٛۄؘڒٙڡٛۊٙٲڶؠٵڟؚڵٵٟؗؽٙٲڵؠٵڟڵ ڴٳؘڽؘڒؘۿؙۅؙۊٞٵۿ

فائدہ: اگر آپ کو مقدمہ میں کامیابی حاصل کرئی ہوتو روزائد کی نماز کے بعد ۱۳۳۳ بار خوکرہ آے: یع حالوا کرتی ہے ہوتب پڑھو، تا تع جدے والا فورصیبت میں کرفیار ہو مکا ہے۔ غصەد فع كرنے كيلئے

وَالْكُظِينُ الْغَيْظُ وَالْعَافِينَ عَنِ النَّاسِ * وَاللَّهُ يُحِبُّ الْمُحْسِنِينَ ﴿

فائدہ اگر آپ کوفسر شدید آتا ہے اور آپ ہے باہر اوجائے بیر انوا اور ڈرکورہ آیت الاون بھ گڑتی ہے کرکھالیں

بيغ اوربيني كيلئ رشة نصيب مو

آمَن يُعِيبُ الْمُضَعَرُ إِذَا دَعَاهُ وَيَكُثِيفُ السَّوْءَ،

(مورة النمل أيت ١٩٣)

اگر بیدائی سکہ دفت سورہ جائیہ لکو کرموم جاسٹرکے منتج کے مگلے میں پہنائی جائے تو آسیب وغیرہ سے تفاظت راتی ہے۔ (عمینا مرار)

اولا د كالمطبع بونا

اگر کی کی اولا و بافر مان جو قر بر نماز کے بھراس آیت کو پڑھا کرے اور ذریح کی جگہا ہے: سے کانام ذکن میں رکھے آیت ہے۔

ؙۉؗٲڞڸۼڸؖؽ؋ۣڎ۫ۯ۠ۻۣؾٞٳڣٙؿؙۺٵڸٙؽڮؘۉٳڸۣٚ عِۯٵڶؙڡؙۺڶڡڹۯؘۄ

أكرنافر بان اداره يرايك بزارم تداشههد "برهاجات تووفر مان بردار برجائ كي انشاء الله

زوجين مين محبت كيلئے

فَإِنْ تَوَلِّوْلُقُفُّلُ حَسْبِيَ اللَّهُ لَا الْهَإِلَّاهُ وَعَلَيْتِ. تَوَكَّلُتُ وَهُوَرَبُ الْعَرْشِ الْعَظِيْمِ، (3484346464646464647129 <u>(34846464646464646</u>

شب جدیش نسف وات گزوجائے کے بعد پایشو تین عرب بروعا پڑھے۔ اس کے بعد چھریہ کیے۔

> ٱللَّهُمَّ أَنْتَ الرَّبُّ حَسِينَ (من فلان بِن فلانَّةً) او فلانة بن فلانة) أَعْلِمْ قَلْبَ فَأَوْقَلْبَهَ الْكَيَّ وَفَلِّنَهُ أَوْفَلَانَةً إِلَيْ

ا الريد وفيف پزينے والی مورت ہے تو فلال بن فلال کی مگٹ ٹر ہر کا نام لے جس کی عبت مطلوب ہے اور اگرید دفیف پزینے والا مرو ہے تو فلانہ بنت فادنہ اس کا نام اور اس کی ذات کا نام ہے۔

بقول معزت مودانا الورشاء كشيري وظيفة زموده يعنى جرب بيد (مخييدامرار)

برائے حب

ا۔ اس دنیا کو کھانے سکا و پرستر یا روم کر کے کھلائے جس کو کھائے وہ محبت کرنے گئے۔ حادہ دارے: کا حکیمت واقا

> ا - آيسالُ يَسَادُسُولُ آيَعِينُو وَسُولُ أَيسِتَقِي إِخْرَامِينًا مَعَلِكِ يَوْمِ الذِيْنِ مَالَهُ يَحَدُ الرَّامِعِينَ:

اک کوسرف آنگ کسی مرتبه برخد کر یان پرمطلوب کو کلاے انشاء الد تعالی مطلوب کا ول مطبیء غربا نبر داری دیوجت کا برجرب د آزمود دیسه بغضار تعالی

۱- اولی ۱۰ خروس دن بار درود شریف پزسے اور درمیان اس کے اسم یابذ فرق کو تین شیخ مینی دو ہزار مرتبہ پزیدکر سفائی پر دم کر کے مطلوب کو کھلائے انشادالنہ تعالیٰ مطلوب با بعدار مردبات مسامل م

کار پیمل آنه دودادر تحرب بنید. موری دون

سے اگر کوئی تھی اپنی مجت میں کی کو برقر از کرنا چاہے تو کسی گھائں وغیرہ میں پائی لے کرائن پر پائز فرخ سات یار پڑھ کر دم کرے دورائی میں سے تعوز اسا پائی اپنے مند میں لے کر غوارہ کی غرز پائی کو ترکت دے چرائی گھائی میں ذال دے۔ جواسے بیچے گھائی ہے مجت کرنے گئے گا۔

۵۔ تعوز اساسرمہ لے کراس پر سورہ فاتحہ ام بار پڑھ کر دم کر کے اپنی آتھوں جس لگا کر مارس میں موجود میں میں میں میں میں ایک میں میں ایک میں میں ایک میں میں میں میں میں میں میں میں میں انگا کر

میں کے ماستے جاوے وہ محبت کرنے گئے مگر اس کے دونوں کے نام اور اپنانام اور اپنی مال کا نام محص ہور

۲ - فوشہو کے سات عدد چول کے کرایک ایک چول پر سات سات یا ریآ بت پڑھ کر دم کرے اور اس کے دولوں کا نام چرا چی مال کا نام اور پانام جس سے عمیت کر ناچاہیے اس کو وہ چول دے تاکہ دوان کوس کھے ای وقت محبت کرنے گئے گا۔

> ەآھەرىكە: ئاۋا ئىدارا:

وَكُفَدُّ قَتَّا سُلَيْلِنَ وَالْقَيْنَا عَلَى كُولِينِهِ جَسَمًا كُمُّ آنَاتِ عَمَلِ مِنْ مِرْسِيْدِ

ا۔ اجد نمازعشاہ تین شیخ یا دود و یا دؤف یا رحیم اول آخر تین ٹین مرتبہ درودشر بھی پڑھ۔ کرا ہے مقصد کیلئے د عامالگیں افشاء الشد کا ممالی موگی ربح ب ہے۔ پیٹل کمیا رو بھم ہوگا۔ ٹوچھوی جسم است کوشروع کیا واقعے۔

ا۔ عمل اس باری تعانی این تحقیق الله تحقیق کیلے تجرب ہے۔ اگر چاہیں کہ کی کو دوست اور سخر ہنا تھیں یا کی امیر سے فعی حاصل کرہ ہوتو چاہیے کہ مون باہ میں جمرات یا جعد کے دوا اس ممل کو شروع کر ہیں۔ اس ترتیب سے کہ وات کے وقت ووز انو تبار رو ہوکر ہیتیں اور انجا آئیسی بند کر ہی چیلے ممیارہ بار آ ہے۔ انکری انعلی انعلی تھک برحین بعدہ آیک بزار دی باراسم ذات تا عبارت کے برحین اور اپنے مطلوب کو اپنے سامنے وست بستہ کھڑا ہوا تصور کر ہی۔ جب اسم مام جو جائے اس کے میٹ برد مور کر ہیں۔ اور اپنے والے میں اشارہ کرتی کے برا مطلوب کو کھلا کمی انشاء اللہ مطبی اور فرانجرا را موجائے گا۔

اگردس اہم کی زکوۃ جالیس روز تک ہرروز طرار بڑاو ہار پڑھیں تو اس مبارک اہم کے عالی جوجا کیں۔ لیس تخیر میں (اپنے لئے ہوئراہ غیر کیلئے) میں شکور کام آتا ہے۔ یعنی جس چیز پر دم کر کے کھلا کی بایلا کی بڑا اثر پیدا ہو۔ زکوۃ میں آپ اکری بدستور فدکور ہر دوز پڑھی جا ہے اور جب چلہ تمام ہوتو شریت پر دم کر کے میٹیم پیٹنے کی دو تر مبارک پر فاتحد ہیں اور تھوڑا تھوڑا و فیفہ جاری رکھی تاکہ بیٹ عمل قالوشی رہے۔ اسم ڈاٹ کے ساتھ ہے عبارت پڑھی ہوگی۔

يَا مُغَلِّبُ الْقُلُوبِ قِلْبُ مَلَيْهُ إِنِّينَ ادرا كُر مورت بوتو أَسَن قَلْبُهَا إِلَيَّ ٣٠ الركمي ومخرك ويوقر بردوز بزارم تيدان آيت اوراسا مكويزه كرشيري بالجواول ير وم كرين اورمحبوب كو مكنا كيل يا شكلها كيل افتاء الله تقالي مطبع وفرياتير دار وه جائ كا- يمرب و آ زمودونت به بيت اورا ماه يه زن ب وُاللَّهُ الْمُسْتَعَانُ عَلْنِي مَا نَصِفُونَ يَارَفِيقٌ يَاهَٰوِيقٌ نَجْنِي مِنْ ٣ ۗ يَاتِلِينَعَ الْمُجَانِبِ بِالْمُغَيْرِ يَاتِلِينُعُ با هج سوبار یا مصاول وآخروش دن باردرودشر بیب خداسکفشل وکرم مدیرتهام نوگ تابع ر ہیں نے کوئی دفت معین ٹین کوئی ساتھی ہفت مقرد ٹرنے ہے۔ ہ۔ شخص جاہ وعزت اور تسفیر کیلئے ویل کاعمل دی باریز مدکراہے منہ برل کرجس کے یال جائے گا ووے حدمجت میں قبیل آئے گا اورای پی بہت سے فائد ہے جی رچوب ہے۔ ٱلَّا تَعَلَّوْ عَلَى وَأَتُولِينَ مُسُلِهِينَ بَاخِيرَ الْبَعَصُودِينَ يَاخِيرَ الْمُطَلِّونِينَ يَاخَيْرُ لَمُحَبُّونِينَ يُجِنُّونَهُمْ كَحُبُ اللَّهِ وَالَّذِينَ امْنُوا ۷۔ عمل اسم ماری تعالیٰ (اللہ)تسخیر کیلیے بحرب ہے۔اگر ماہیں کہ کمی کود وست اور منخر ینا کی با کمی امیرے تھ حاصل کرنا ہوتو جا ہے کہ عرویٰ مادش جعرات یا جعد کے روز اس کمل کر شروع کریں ۔ اس ترتیب سنے کہ رات کے وقت دورًا تو رواتبالہ ہوکر بیٹیس اور اپن آ تکھیں ، بندكري يبقي مياره بارةية الكرى يزعين بعدوالك بزاردي بادامم ذاستدمع مبارسة مح يزعين اوراسية مطلوب كوسائ وست بسنة كمرا بولقوركرين بب اسم عام بوجائ الى كرميدير دم كر من به اوراسيّة ول ميل اشاره كريل كه ميرانطيع مو جايه اي طرح چوره روز تك بيستور ير مين أكر محمَّن بوتوكى بيزير وم كر ك مطلوب كو كها كي وقت الشمطي اور فراجروار بوجات المراس امم کی وکو قاط لیس دوز تک مروز بزار و بزار بار پرهیں تو اس مبادک امم ک عال ووباكين بين تغير من (خواد اسيف التي موفواد غير كيك) ثمل ذكور كام أتاب يعن جس چنز پردم كر كے تعلق كي يا يا يا كي بردار پيدا مورز كو لاش آيت الكرى بدستور خاكره جردوز بزهتي عايا اورجب جارتهم بوقاشر بهنديرهم كري وتغييرها كالدون مبارك والسال واب كري ŶŖĸŶĸĸŶŖĸĬĸĸĬĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸĬĸĸĸĸŊĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸĸŶĸ

ᠪᠯᡤ᠗ᠪ᠔ᠪ᠗ᡤ᠗ᠪᡈᡬ᠗ᡬ᠔ᢙᡬ᠁ᠯᢃᢓ᠁᠘ᠪᠲᡤᡘᢦᠪᡈᡬᢌᠪᡈᡬᡑᠪᡳᠪᢐᡬᡑᠪᢐᡬᡑᡚ

ا ورقعوز القوز اوفیفہ جاری رکھیں تا کے عمل میٹ قابو عین دے۔ اسم ذات کے ساتھ پر عبارت معادیق

يِرْهِ فَلَ يَوَكُّ سِيا مَعْلَمِ الْبَعُوبِ فَلْبِ عَلِيهِ إِلَّا أَوَا ٱلْرَجُورَتِ يَوَوَّ كَثَلَ عَلِيهِ ال

لاعلاج مرض كيلئے

رَبَّةَ آتِيْ مَسِّنِيَ الطُّرُّ وَٱنْتَ ٱلْهِحُمُ

الرَّحِيدِينَ ﴿ ﴿ (بِدِياسِ النَّهُ الْمُتَالَّمُ النَّامِ)

۱۳۱۳ باريزه کردم کريس

چوری اور شیطانی اثرات سے حفاظت کیلئے

چوچھی ہوئے سے پہلے اتا ہار بھم انڈ اور خمن افراہم نے جھے تو چور کی اور شیطانی اثر انہ سے ۔ اور اجا مکسموت کے آئے سے محفوظ رہے گا۔

ظالم برغلبه حاصل ہو

جومفلوم فض کی فالم کے سامنے بیان بار بھم امتد الرطن الرجیم پڑھے تو اللہ تعالی اس خالم کومفلوب کرتے پڑھنے والے کو خالب کریں گے۔ (فزاند احمال میں ۸)

ذبن اور حافظ قوى بوجائ

جس کو کا حافظ کزور ہووہ سامت ہو چھیا ہی بار بھم الشار حمل الرحم پائی پردم کر کے طلوق آف آب کے دقت ہے تو تو بھی کھل جائے گا۔ اور حافظ تو کی ہوجائے گا۔

حصول شفا كيليح قرآنى وظيفه

بعض روایات میں حفز من محل کرم اللہ وجد سے محقول ہے کہ مورہ انعام بوری سورۃ کس مریض پر پڑھی جائے قواند تعالیٰ اس کوشفاویت میں (معارف القرآن بڑ موس 18) شوہر کی ناراضگی دور کرنے کیلئے

ا۔ جس کا شوہر ہمارش ہو وہ اپنے شوہر کو بیر آیت مضالی پر دم کر کے کھلا نے انشا واللہ اس کی کا رائینگی وور ہو جائے گی۔

وَمِنَ النَّمَاسِ مِّنْ يَشَخِذُ مِنْ هُوْنِ اللَّهِ ٱلْدَادُا يُحِبُّونَهُمْ كَحَبِّ اللَّهِ. وَالْفِيْنَ امْنُوا آمَدُهُ حُنَّا لِلَّهِ وَلَوْيَرَى الَّذِينَ طَلَعُوا إِذْ يَرُونَ الْعَدَاسُ أَنَّ الْشُوَاقِ لَلْهُ جَمِيْنًا وَأَنَّ اللَّهُ صَدِيدًا لُهُذَاتِ

ا۔ اگر موروب مشالکو کربازوی بائد مے تو یوی اے دل سے جانے گئے۔

۔ اگر کی منتمی بیز برانتوا ایکٹیا۔ لکھ کرھے کھائے ووائی گھٹی کو بہت جائے اور اس سے عیت کرے اورا کر لفظ بدول تھ جر کی پر گھا کروٹی بیز اس چھر کی سے کاٹ کر کرکی کو کھائے تو وہ گھی ان سے عمت کرنے لگے گھ

اللہ الآرثو ہرو ہوئی بھی نارفیکی ہوتو اس تعش کو تعریفہ بنا کرموم جامد کرے ڈوٹیٹی بھی۔ ہے جس کو شرورت ہواہتے والبتے بازو بھی باندھ لے۔ انشاءاللہ تمام اختیار فات دور ہوجائے۔ م

دعا کی قبولیت کی<u>لئے</u>

ا۔ مجمد کے دن بعد لمباز عصر بودی آیت الکری ستر مرعبہ پڑھنے کے بعد جس مقصد کیلئے مجمدی دعا کی جائے گی وہ آنول ہوگی۔

۲۔ ہم باری تعالیٰ تحبیر السندالی میں اوان دونوں تاسوں کے اعداد کے مطابق میں سے ا بار پر دوکر جو مجمع دعا کی جائے کی قبول ہوئی۔

﴿ وَإِذَا جَاءَ تُهُمُ إِلَيْهُ طَالُوا أَنْ نَوْمِنَ حَثَى نُوْتَى مِثْلَ مَا أَرْقِينَ رَحِلَ اللهِ وَلَا مَا أَمْ اللهِ مَثْلُهُ أَعْلَمُ حَبْثُ يَدْحَقُلُ رَسَالتِهِ

س الن أورة منت بين الغظ الفد مصولا ووجكة أرباب الناوولول الله كه ووميان جس جي كيلته مجمى وعاكي حائث كانشاء الفرخرور تول موكار

۵۔ جعرات کے روز بعد نماز چاشت پارٹج سوبار "اصیب بیسے" پڑھ کرد عا کی جائے تو کر قبال

د عا کيل قبول هون ۔

المنظمة المنظ

يَّدَا أَوْلَ الْآوَلِينَ وَهَا الِحِوَ الْآجِوِينَ وَهَا ذَا الْقُوَّةِ الْحَدِيلَ وَهَارَاحِمَ الْمَسَنَاجِينَ وَهَارَاحُمَ الزَّاجِيئِينَ

دافع يريثان خوابي كاعمل

ا گر کسی کو موست وقت خواب میں برے برے طیالات اور وسوست آتے ہوں آتے میں اگر نشری 9 بر بڑھ کرمویا کرے نہائت جرب ہے۔

حصار کی ترکیب

شاہ مبدالعزیز فرماتے ہیں کہ اگر کو لیک فوف کی جگہ ہو یا کوئی علائی یا جمالی عمل پڑھے (یا جنات ، جھوت پر بہت ، آسیب اورشیاطین وغیرہ کا خطرہ ہو) تو البیٹہ تحض کو جاسیے کہ اسپیغ کرد حسار قائم کرتے جوان سب آ فات کیلئے جو ب ہے۔

تر کیب: قربت اکری ایک بارا در جارول قل ایک ایک بار پزهرکر این جاردل طرف حدارکرے دور جاتوے خدا کینچ

چرے اور بہت کے مسول کا علاج

بھٹی لوگول کو بدن کے اکثر شھے پر سے جوجائے میں اور بدنی معلوم ہوتے ہیں النا کے خم کرنے کے تنظیم طریقے اختیار کرتے ہیں متعدد والی عمل کو آنا کا کرد کچہ لیسی افٹا، دائد بالا انگیف سے جنز جا کیں گے۔ موجھ کی فیرستعمل دی لیس گھر پٹنی تعداد ہمی سے جو ل آتی ہی کر ٹیں اس برد تیں۔ گرہ دیتے وقت مریض سے برشیادت کی آگئی رکھے اومکس کرنے والا آست کا مربعہ

فَقُطِعَ ذَابِرُ الْقُوْمِ الَّذِيْنَ ظَلَمُوا

سیسے سے ہو ہو ہوں۔ پڑھے ہم کرنے کی خرورت کو کس کر دومرے میں پر انگل رکھ اور عالی آیت کا حصر پڑھے ای طرق جتنی خرورت ہوگل کرکے دی کو لیپیٹ لیس اور کی روڈی پر کفرے بلیے کے ڈٹیروک اخدو بادی جہاں کم سے کم او چنٹے دلیار سے اس سے پہلے مرکز شاکالی سے تمن جاوروڈ <u> میں جو دیسے از خورگر نے شروع ہو جا کس کے اور چند دئوں میں چاہ صاف ہو جا مگی ۔</u> کے جود میں از خورگر نے شروع ہو جا کس کے اور چند دئوں میں چاہ صاف ہو جا مگی ۔

چېره خوبصورت بوجائ

پرك دوسرن كيفردداد كيد ار پر دراب در پريگ.
اَلْتُهُ نُوْسُ السّماوت وَالْا رُضِ مَثَلُ بُورِهِ
كَيْفُكُوهُ نُونُهُ المِصْارِ الْمُعَامُ فَيُ دُجَاجَةِ الرُّجَامَةُ
كَافَهَا لُولَكِ دُرِيّ بُوْقَدُ مِنْ شَجَرَةٍ مُنْإِلَةٍ
كَافَهَا لُولَكِ دُرِيّ بُوْقَدُ مِنْ شَجَرَةٍ مُنْإِلَةٍ
كَافَهَا لُولَكِ مُنْ مَنْ بَعْدَ اللّهِ مُنْ اللّهِ فَيْ اللّهُ مُنْ وَلَيْكُ اللّهُ مُنْ اللّهُ الْمُنْكِلُ لِلنّاسِ اللّهُ الْمُنْكُلُ لِلنّاسِ اللهُ الْمُنْكُلُ لِلنّاسِ اللهُ الْمُنْكُلُ لِلنّاسِ اللهُ اللّهُ الْمُنْكُلُ لِللنّاسِ فَاللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُنْكُلُ لِلنّاسِ فَاللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

پھوڑ _ پھنسى كاتير بهدف علاج

شہادت کی انگل پر العاب لگا کیں بھرتین بار ہستے افقہ افقہ اکھیں اور ایک بار مقم آنسر مُوُّو اَصُراً اَوْلَاَ مَدْرِ مُوُنِ (تَرَفُ 14) بڑے کر وہ کر ہے اور و العاب بھوڑے پھٹی باز قم پر لگا کی۔ مہمان الفہ جیسے وغریب تا تھر دکھتا ہے۔ خصوصاً وضو کے فور ابعد اعتماء کو فشک کرنے سے پہلے اگر یہ کل کیا جائے قواس کی اناثیر ہو صحاتی ہے۔ مورواں کیلئے میں وہ تیں ہر کرے دیں لینی عمال پروم کر کے اے تیل میں شاکل کروہیں۔ انحد ندائل وم کی برکت سے کوز ہوجی بنا دک کے مریض مجی نمیک ہو گئے۔ وہ افراد جی کی انگلیوں کے پورٹ کی کر کرد ہے تھے اس وم والے تیل کے لگانے نے بالکل فیک ہو گے۔

چېرے کے کیل مہاسوں کا علاج

لیمون کارس آن بارکیزے ہے چھنا ہوا دولول جرش گاب سر آنشد دولول گیسرین پوصیا

Calada Calada Calada Calada (136 "Za Calada Calada Calada Calada Calada

والی دو تولیہ جنیوں چیز وال کو ایک قبیش جمل ڈالی کر تکھان کر لیں۔ چیزے کی فویصور تی ہوھائے کیلئے ایک بہترین چیز جارے وال جمل کم از کم تمین مرج استعال کرنے چیزے کے داغ ، ہے، کمال مہائے دفیرو کے دفعیے کیلئے ہے عد مفیز ہے۔ چیزے کی دھمت تھر آئی ہے اور جلد ربھم کی با ند ملائم جو جاتی ہے۔

داغ دهبون كاعلاج

اگر بدن باچیرے پرکوئیاولئے وحیہ ہوادراہے دورکر پاخشود ہوتو اکتا کیس مرشہ دولیا عرام پر مندرجہ دا بیٹ بڑھ کر دم کریں اور مجروہ دولیا عرام استعالی کریں انشاء اللہ جرطرح کا دائ دھید دورہ جائے گا۔

مُتَلَّمُ ۚ لَا فِيهَ فِيْهَا

فالج القوه اورشياطين سيحفاظت كيلئ

سوتے وقت اس آیت کو پڑھنے والا فائی انتوہ اور شیاطین کی شرارت سے تھڑ او رہتا ہے۔ اِنَّ وَہِنَّکُمُ اللَّهُ الَّذِيْ عَلَقَ السَّمْوَاتِ وَالْاَرْضَ فِي مِنْقُو اَنَّامِ مُثَمَّ اسْتَعْرَى عَلَى الْمُعَرِّشِ بِمُعْشِى الْفَهارَ الْمُثَالِّقَ مُحَلِّلًا وَالشَّمْدُ مَنْ وَالْمُعَمَّرَ وَالنَّجُرُومَ مُسْتَعْرِاتٍ مِ بِالْمُرِهِ الْاَلَةُ الْمُعَلَّقُ وَالاَكُمْرَ فَرَاكُ اللَّهُ وَتُو الْفَلِيْرَ

(سوروافراف آيت ۱۵۳

محويا والدين كاحق اواكرديا

ایک روابیت ش آیا ہے کہ جو تھی اسپند والدین کی طرف سے نگے کرے آو ان کو لیک تج کا اُوجہ ہوتا ہے اور تج کرنے والے کیلیٹے ہوتی ان کا قواب ہوتا ہے۔ خااستیکی نے شرق بخاری ہی ایک مدید نے قائل کی ہے کہ جو تھی ایک باریدوعا پڑھے اور اس کے بعد یہ سکے یا اقدائی کا گواب میر سے ماں باپ کو پہنچا دستواں نے والدین کا تق اوا کردیا۔ وعایہ ہے۔

لَغُمَدُ وَلَهِ وَبِ الْعَلَمِينَ وَبِ الشَّمَاوِي وَرَبِ الْأَرْضِ رَبِ الْعَلِمِينَ وَلَهُ الْكِيْرِيَّا الْوَ نِي الشَّمَاوٰتِ وَالْأَرْضِ وَهُوَ الْعَزِيُّزُ الْحَكِيْمُ يللحا لحمك كربت الشكطوت وكتب الكأفي زَبِ الْعُلْمِينَ وَلَهُ الْعَظَمَةُ فِي السَّطُوبِ والأرض وهُوالعَزِيْزُالْكِيْمُ هُوَالْمَاكِ دَبُ السَّمَٰ وَرَبُ الْأَرْضِ وَرَبُ الْأَرْضِ وَرَبُ الْعُلَمِينَ وَلَهُ النُّوسُ فِي السَّمُونِ وَالْإِرْضِ وَهُوَالْعَزِيْزُالْحَكِيْمُۥ

يَا لَيْطِينُفُ كَاتَمَل

عشاء کی نماز کے بعد و درکھت نماز مسلولا افخانت پرجیس نما نے بعد گیارہ بارسورہ اکم نظرح پرجیس بھر کیارہ بار درود شریف پڑھ کر سوئے جرار جے سواکنالیس (۱۹۹۳) بار پالطیف پڑھیس اورآ خریس گیارہ باردووا شریف پڑھ کرائے مقصد کیفنے دعا پانھیں۔ بہت تجیب اور سرائح الٹا تھرکل ہے۔

علی کاظر بیند ہے کہ ایک سوائٹس (۱۲۹) دارنے والے لیچ سا کر قبلدرٹی پیشرہ کی ایک ٹیچ پڑھ کروں چاروں آ بات کو پڑھیں یالن ٹل سے کی ایک کو پڑھیں۔ ایک ٹیچ پڑھ کروں جاروں آ بات کو پڑھیں جا رہ وہ وہ رہ مور وہ مردوں جا رہ وہ رہ اور اور اور اور اور اور اور اور

آ عَتْ بَهِ اللَّا لِمُنْ فَكُوْرِ كُمَّةً الْأَلْمُصَالُ. وَهُوَ بَكُولِكُ الْأَلْصَالُ. وَهُوَ اللَّقِلِكُ الْحَبِيْرُ ماتعام ١٠٣)

اً بِين تَهِمَ: اللَّهُ لَطِلْفٌ مِيعِيكِهِ يَرْزُقُ مَنْ يَشَاءُ وَهُوَ الْغُوتُ الْمُعَوَيُزُ (الثوري) ١ 🏾 آيت مُسِرَّ: الْإِيقُلَةُ مَرُّ حُلَقَ رُهُوَ اللَّطِيفُ الْمُحِيدُ (المُلكِيمَ) وَ الرَّاسُ مِنْ الْفَلَمَّا وَتَحَلُّوا عَلَى يُؤْسُفَ الْإِي اللَّهِ أَوَالُهِ وَقَالَ اذْخُلُوا مِصْرَ إِنْ شَآءً اللَّهُ أَمِينِينَ ٥ وَرَكُمُ مَا أَبُويُهِ عَلَى الْمُعَرِّضُ وَحَرُّوا لَكُ سُجَعًا. وَقَالَ بِأَلِبَ هَـٰذَا نَـٰأُوبُكُ رَّءُ يَمَاكَ مِنْ قَبْلُ فَلَهُ جَعَلَهَا رَيِّيْ حَقَّا. وَقَدُ أَحْسَنَ بِي إِذْ أَخُورَ جَنِيٌ مِنَ السِّجْنِ وَجَآءَ بكُمْ مِّنَ الْمَلُو مِنْ مَهُدِ أَنْ ثَرَعَ الشَّيْطَلُ ا ٱللَّهِ عِنْ وَاللَّذِي الْحُولِدِينِ. إِنَّ رَاسِي لُطِلْفٌ لِلصَّا يَشَاهُ وَلَهُ هُوَ الْعَلِيمُ الْحَكُمُ (اوسف 49-11) آ ہے اور معنے کے بعد پھرا کیا تھی ورحیں اور بر جن کے بعد جاروں آ بات یاان شمل ہے۔ كُونُ البُد إِوا قَوْتَ بِإِهْمِينِ .. بِيمُلِ البُيْدِ مُوانَقِسَ إِدَ دِبِرا مَينِ اسْ طَرِحَ كُل عدد ١٣٩٣ الإرا ہوجائے گا۔ بینی ایک مواثبیں والول والی سیج ایک مواثبیں مار برحیس۔ ورمیان بی جو قربات برحی جاتی جی ان کی تغمیل مدے که اگر کی کو دشمنول کی طرف ہے 'کلیف ادر بریٹانی ہوتو وہ برتیج کے بعد آیت نمبر اپڑھے۔ جوروزى كَي كل اورمشكل كافتار بوده آيت نبرايز هـ جو کی هر نے مقام عمد ہے مادر ہے کا طلب گار ہووہ آبیت نمبر ۳ بڑھے جوقيد وبندكي معيبت مين جتلاءود وآيت نميز الزعف اور بحے جارول قرم کی مشکلات در پیش جول وہ جارول آیات بڑھ لے اس طرح وولیا أتكن آيات بعي حسب ضرورت يزه عكت بيل-اس عمل کیلئے مشا، کے بعد کا وقت بہترین ہے دخواجھی طری قرواب وابتمام ہے کریں على تود اورمجت كے ماتھ اللہ تعالی كیا رضا ، كيلئے ؤكراللہ كي نبيت ہے كريں اور تواضع اعتبار كرني - يادرهيمي بالطيف كالأسيرقمل الت بهت فاكده ريتا مير بتوتوامع الفتيار كرنے والا بور-بو <u>یحک</u>قو زندگی میں ایک مار پی^نل مغرور کرلیں ہیں زندگی کارٹ آ مرانیوں اور دختوں کی طرف 🖥 ہوجاتا ہے اور اگر تو نیل لملے تو بار باز کرتے ہے۔اللہ تغالی کا ذکر جتنا کیا جائے اتنا مغید ہے۔ پیمل 🛮 کرنے کے بعد اگر روزانہ ایک سوائنیس بار بالطیف کوسعمول بنالیں اور آخر میں کوئی آیت بھی ۔ 🖁 پڑھ ٹیا کریں تو ہے حد مفید ہے۔

Andrea Charles Charles

بسم الله كأعمل

اول و قرصات مات مرتبه دودو شریف معلی پر آبکه رخ بینی کرایک بزاد مرتبه بهم الله وادمن افریم پرهیس بی دفته کردد داکه تند نماز پژه کرانی ما دست کیلیے دعا کریں۔ بیم بر برادم مرتبه برم الله ارتبل وارتبی پرهیس بیم الله کردور کات نماز پژه کرانی حاجت کیلیے دعا کریں۔ بیگل بارہ مرتبه دیوا کی ۔ اس طرح کل بارہ بڑار بار بسم اللہ افرائن الرجم کی تلاوت برجائے گی اور بارہ مرتبه دیواکت نماز اور بارہ مرتبد عا۔

ورووٹر نے مُل کے شروع اور قرش مات مات پار مِن صلی اور وہا ویں ہر بارایک جاجت توٹی کر ہی باد ویا تھی اس نے زیادہ میں ۔

عمل بے مدفو شراور منید ہے ناجائز کا مول کیلئے ہرگز نیکریں اور ندی فضول اور کروہ کاموں کیلئے۔ (تلقین فرمود والم العارفین عفرے موانا کاری تحدیم فان صاحب زید تھو ہم)

سوره اخلاص كالمجرب عمل

باوشوقبلدر ترجی کرفیک بزار باد موده اظاهل پڑھیں بیکی مرتبہ پڑھنے سے بہنے ہم اللہ الرحمٰن الرحیم پڑھ بھر بالی بغیر ہم اللہ کے بڑھیں قبل کے اول وآخر میں سمات سات باروروہ شریق پڑھولیں۔ آخر میں اسپینا متصد کیلیا وطاکریں۔ بہت طاقتو قبل ہے اور بعض الی علم نے اے اسم اعظم قرار دویا ہے۔

سوره فاتحه كالمجرب عمل

ا تیجی طرح بیشو کرکے نفوت میں دور کھت معلوقا الحابیت پڑھیں گیر کھڑے ہو کر کیارہ پارورود شریف پڑھیں گیرو کا کیا ہیں یارمورہ اٹھی اگھ را گھ سے پڑھیں کہ الرحی کے پہلے ہر بار مجم القد الرحمٰن الرحمٰ مرچھیں گیر دوبارہ ہم القداس طریقے سے پڑھیں کہ الرحمٰ کی میم کو اٹھید کے لام سے طاوی و (حمُم الحَدُ بِنُدُ بِنَہُ) اس طریقے سے انتخاب مرتب سردہ فاتھ پڑھا کہ ہیں۔ بیط جا کمی ادرایکی مشکلات کے حمل کیلئے وجا کریں۔ انشاء اللہ خرد تحول ہوگی۔ اس ممن بیاک بار میم اللہ پڑھی جانے گی اور اکمالیس پارسورہ فاتھ ٹیز تجرکی سنتوں اور فرشوں سے درمیان اگرائیس بارسورہ فاتھ پڑھتا تھی ہے مور منید ہے۔

سحر کا مجرب علاج

وری کے سات ہے جمع میں مورائے ندہو کے کرفان میں سے ہر ہے پر تین بار ہے آبات بر عیس اور ہر بار بر عروم کر ہی

> وَالْبَعُوامَالْتَنْلُوالشَّيْطِينُ يَوْكَانُوا يَعْلَمُونَ كالوري يت (الِتره ١٠١)

اس طرح مات ڈون رکل اکیس یا دییآ ہے۔ پڑھی جائے گی۔ ان چول کا پاکھوں سے تو اُکر پائی میں ڈائرہ دیں۔ مریض مات دن تک ہید چائی بیما رہے۔ پائی کم جونے پر حزید یائی مات دہیں۔ یہ یائی گھر اور دوکان برنجی چھڑکیں۔ انٹاء انڈشناء جوگی۔ محرب ہے۔

عملآ بيت الكرسي

حضرت مولانا منتنی ولی من صاحب نورالقد مرقد و جاد و کے علاق کہلیے عمل آیت الکری تلقین فرما اکر نے متی محل آیہ ہے۔ الکری ہے :

. ورووشریف تین بار موره فاتح تین بار ، آیت انکری تین بار ، و با انکری تین بار ، موره اخلاص تین بار ، مورو غلق تین مار موره والایس تین بار ، تین مارور و دشریف

۔ بھیریں۔ یہ ہم بیش پر بھی کیا ماسکتا ہے۔ بعض مشائ اس میں سورۃ اکافرون کا اضافہ بھی فیصریں۔ یہ ہم میش پر بھی کیا ماسکتا ہے۔ بعض مشائ اس میں سورۃ اکافرون کا اضافہ بھی فیصریہ۔

ول کی خفامت دور کرنے اور ہدایت پانے کیلئے وَاَهُوں یَكَ الْدُرْیّاكَ فَنَتَخْشَى

(موروالنازنانية ١٩)

فائدہ: جوسیومی راہ ہے جھٹک گیا ہو پار ہے افعال میں پر گیا ہو یا اللہ کی طرف ہے نافل ہو گیا ہوتو اس آیت کوروز اشاہ ابار یائی پردم کر کے اے بالا کیں۔

دشمنوں اور ظالموں سے حفاظت کے اعمال

حضرت موادنا مفتی و فی حسن صاحب فو کی مفتی اعظم پاکستان نورانله مرقده و جمنوں ہے۔ حفاظت کیلیا دری ذیل جارا محال تلقین فرمائیہ تھے بیا شانی بھو دکے جمرے ہیں:

سوره قريش كأعمل

مقرب کی لیاز کے جو واکمآ کیس مرتبہ مورہ آفریش ہریار یسم اللہ کے ساتھ پڑھیں بہت مقبل مشید اور مؤشر کل ہے۔ اول وآخر ورودشر بیف بڑھیں۔

ايك مسنون دعاء

عمرے بعد ٢١٣ باريمسنون دعا پڙهين الْلَهُوَّ إِنَّا نَجْعَلُكَ فِي نُحُوْرِهِدُّ وَلَكُوْدُبُكَ مِنْ شُرُوْرِهِدُّ اول وَآخَرد و شَرْئِف بِاحِين _

ایک آیت کریمه کاممل

معرك بدينة ان ١٩٣٢ مرتداورة كده بمن لذرج إين يوسير. سَيَهُوَ مُ الْجَمَعُ فَيُولُونَ اللَّهُورَ الْمُعْرَا (الرّهه) اول وَ قررو ورُرِيْد

الثدالصمد كے خواص

(ما فوذا ارتبرکات مرتب تیم مجرمشیرالدین صاحب رسر الله ایرز تی شا دیم بخیر) ۱- جس کی کومیم (۱۱ مردرت) کی و بروی بیش آئے کی طرح کی طرح اس چاہے کوامل کو لواز نجر وعشاء کے بعد ہزار پار اول واکٹر دروشر بیف کیارہ کیارہ یا رہ پار چاہد اور چھھی بعد ہرنماز موسویار پڑھے کی وشت رئیدہ شاہوا ورائیان سلامت دہے۔ اور اگر الله العمد نماز عمر سنہ بعد رئیاتی بار پڑھی توان کا عربیدونوں جہاں تی بیکھ ہو۔ ᢙᢙᢙᢙᡬ

٣- وكر تني كو كام مشكل و رشوار ويش بواور كوني على كي مورت نه برقه بده كي رات كو

ا نباوے اور بزاریاریز ھے اس کا کام انشا واللہ تعالیٰ پورا ہوجائے۔ میں میں کی آریک کی دور کی جو اس میں میں میں میں اس

م یہ جوکوئی تجد کی نماز کے دفت بہت ساچ مصر جمال و طال اللہ تعالٰ جمل شانہ کا ''بریہ

نصيب بورسب خلائق آسان وزين جرند برندسب أكساب محبت وهيمار

20 جن نے بعد مشاہ العمد پر ہداوست کی صرف ہوارت ارد یارت روقی فداہ معنزے۔ رمول مقبل الم منطقة سے مشرف وکار

۔ 9۔ اس اس کی فو بڑار خاصیتیں ہیں جو گئیں انتقاصہ کا نفش دینے گھر میں رکھے چھود دور از بیت نہ سکتے اور دس کنتیان نہ بہنچا سکے لیکش ہے۔

| <u> </u> | | | |
|----------|----|----|-----|
| 1 | ţ | 70 | rr |
| 22 | ÷ | የአ | 20 |
| PA'Y | M. | 31 | FZ. |
| ۵r | FY | FΔ | 64 |

2- اگر کی معالمہ کو دریافت کرنا جائے آئ اس کو جائے ارد دوز تک بارد بزار مرتبہ اللہ

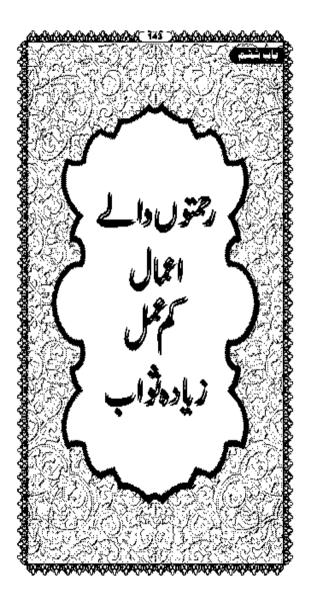
العمديز هے سب بحيد ظاہر بوية كمي تح_

۱۹۰۸ جو کوئی جا ہے کہ کوئی خزانہ فیب سند پاسٹه یا معلوم کرد؟ جا ہے تو چھ مات دین جردن چھ بزار چھ موچمیا سٹھ موتبداللہ العمد ہے تھے خزانہ خود بخو دسملوم ہوجائے گا۔ یا کوئی ہو رگ خواب عمل آ کرا طلاح دے کا۔

مَارَمْ وَمعرب بعد جهام تبدالله العمد يزعنا أكبيرب.

الله المورد مشار موم تبدروز بزیشی قو مذاب قبرے نجات پائے۔ زکو قام دوبزار بارہ موم تنہ سنگل تین بزارتین مورز کیشوم تنہ

اوردور عدور تيكن موسا تعامرت



ستر ہزار فرشتوں کی دعا ئیں

حضور اکر منطقہ نے اوشاد فرمایا ہے جو گھٹی گئے کو یہ دعا تیں یار پڑھ کر ماہر مورہ حش کی آخری تین آخین پڑھے کا قرشام تک ستر جرار فرشتے اس کیلیے دعا کرتے رہیں گے اور اگرمات کو پڑھے قرش تک سستر جزار فرشتے دعا کریں گے اور اس وائی قرشید مرسے کا۔ (ترفیل)

اَعُوُذُ بِاللَّهِ السَّمِيعِ الْعَلِيهِ مِنَ الشَّيْطُن الرَّحِيهِ

بعر شورة حشر كي اتخرى تين آييس: - بعر شورة حشر كي اتخرى تين آييس:

هُوَاللَّهُ الَّذِي لَا الْمَالَاهُوَ عُلِمُ الْعَيْبُ وَالشَّهَا دَوْهُوالرَّعْنُ الرَّحِيْمُ هُوَاللَّهُ الَّذِي لَا اللَّهِ الرَّهُوَّ الْمَالِكُ الْعُذُوسُ السَّلْمُ الْمُؤْمِنُ اللَّهُ يُمِنُ الْعَزِيْزُ الْجَبَازُ الْمُتَكَّيِّرُ سُبَحْنَ اللّهِ عَمَّا يُشَرِّكُونَ هُوَاللَّهُ الْخَسْنُ اللّهِ عَمَّا يُشَرِّكُونَ هُوَاللَّهُ الْخَسْنُ اللّهِ يُسَيِّحُ لَهُ مَا فِي السَّمُولِي وَالْاَرْضِ يُسَيِّحُ لَهُ مَا فِي السَّمُولِي وَالْاَرْضِ يُسَيِّحُ لَهُ مَا فِي السَّمُولِي وَالْاَرْضِ وَهُوالْعَرْبُزُ الْحَكِيمُ مِن اللّهِ مجلس کے خاتمہ پرمبارک دعا سُبْحَانَك اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ اَشْهَدُ اَنْ سُبْحَانَك اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ اَشْهَدُ اَنْ لَا الهَ إِلَا اَنْتَ اَسْتَغْفِرُكَ وَإِنَّوْنُ إِلِيْكَ

(مندرک علداش ۹۳۶)

فاکرہ: اس وعا کافائدہ ہیہ کے اگر مجلس شما انھی یا تین کی جوں کی تو یکھات ان پر مبر بن جا تیں کے اور اگر فقتول اور انتو یا تین کی جول کی تو وہ صفاف جو جائے گی۔

> ٱللهُ لَطِيْفٌ لِمِبَادِهِ يَدْدُقُ مَنُ يَشَانُهُ وَهُوَالْقُوئُ الْعَزِيْرُ ﴿

(معارف افقرآن جلدے من ۱۸۷)

ابدال بننے کانسخہ

حضرت امام غزانی نے احیاءالعلوم میں تم مرفر باؤے کہ جو گفس روز اندید وہا تین مرتبہ پڑھے گا اس کیفیئے ابدال کا درجہ لکھا جاتا ہے۔ابدال اولیائے کرام میں ایک بہت بڑا درجہ ہوتا ہے۔ دعا ہے :

> ٱللهُمَّاعُفِرُ لِأَمَّةِ مُخَيَّهُ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ٱللهُمَّارُحَمُ الْمَنَّةُ مُثَرَّضَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ ٱللهُمَّذَجُ أُوزُعَنُ ٱمَّةَ مُثَيِّجَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ

مشكلات آسان موجائيس

ر سول مقبول مقطعة في في فرما إجرفتن من جوت بويد ادرشام جوت بويدة بيدها سات مرتبه بإحد له كا قوالله تعالى اس كه تمام كا مول كا كثيل جوجائ كا ادرتمام تقروس من جات جوجائه كي ليفي اس كي اتمام حاجات بوري ادر شكات آمان جوجائ كي دومرك دوايت بمن بيه به كه جوفتن بحد ك دن من كي فرمازت بيم يميل تمن مرتبه بإحد له كاس كم تمام كناه معاف

حَسْمِى اللّهُ لَا إِللْهَ اِلْأَهُوَعَلَيْهِ تُوكِّلُتُ وَهُوَرَبُ الْعَرُشِ الْعَظِيْمِ (دَرَاهُونِ) تعرّت شِعْ بونيٌ كا ايك خاص الخاص عمل

جس کوکوئی حاجت در بیش جوده بده ، معرات اور جعد کے دوزے رکھے۔ جعد کے دوز خسل کر کے مجد جائے ۔ داہ میل چھ صعد قد دے چھ تمانزے قار نے جوکر بیدہ بڑھے:

اللهُ وَالذِي المَّالَثُ بِالسَّمِكُ الْعَلِيهِ بِسَمِ اللّهُ الرَّحْمَنِ الرَّحِمْدِ
اللّهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ عِلْمَ عَلْمُ الْغَلْبِ وَالشَّهَادَةِ هُمَّ الرَّحْمَنُ الرَّحِمْدُ
وَاسْتَلَكَ بِالسَّمِكَ بِسَمِ اللّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحْمَنُ الرَّحْمَنُ الرَّحِمْدُ
وَالمَّرُونُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ الرَّحْمُ الرَّحِمْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الرَّحْمُ الرَّحِمْ اللّهُ اللهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّ

(Adalah (Adalah (Ada)

یہاں اپنی شرورت کا تام لے جوائی وقت ہودگی ہوگی۔عفرت عبداللہ بن عمر نے فر ایا ہے وعا جالوں کو تہ مکمہٰ کاور تہ وہ ایک دوسر سے پر بدوعا کر ہیں شے اور قبولی ہوگی۔ (مشس فلسارف انگبرتی ص ۲۵۹)

قیدے رہائی کاعمل

جعرات کی رات اس وعا کوایک بزار بار پرهین بیزیدے تفاظت اور قیدے خلاص کیلئے

زب ہے:

كَ وَيَ إِنَّ أَنْتُ صَمَدِيقٍ وَ مِنْكَ مَدِّدِي وَعَلَيْكَ مُعْتَمَدِيْ

اول آخر کیاره باریدر دو شریف پڑھیں: برفون میشید نیاز میکارید سا

الكُلْهُمَّ صَلِّى عَلَى مُسَمَّدُ وَ الِهِ وَ عِنْدُيْهِ بِعَدْدِ كُلِّ مَعْلُومٍ لَكُ مدورو شريف ورود كادري كبلان سهد اور الرحم كي لمنتين عارب ثن في طريقت

بید معرف مولانا سیدهم و مساحب عرف مشدل با این زید مجده فرمات میں مدون انسانک بزار بار عضرت مولانا سیدهم و دسامب عرف مشدل با این زید مجده فرمات میں ۔ بادا عدد یا اعد بزمعند دالے کوافد افعالی تید سے خلاصی عطافر باتے ہیں۔

ایک لا که چوبیس ہزار نیکیاں

حضورة كرم يكين من قرايا بوقع من لا إلى الأالة بريت عن السيطة التي كيلية جنت واجب بوجائ كي ورجونس مومرت بريت كالتي كمينة الك الأكه جونس بزار تيكيان بشعى جائين كي - (الحالم وقال محمد من من من التي كالتي كمينة الك الأكه جونس بزار تيكيان بشعى جائين كي - (الحالم وقال

> الوراس الوراس تنج کے برمرت بڑھنے پر جنت عن ایک درخت ماکا یاجائے گا۔ (بزار)

بِ بسی ختم ہوا ور کام جلدی ہو

رزق کی تر آن اور برکت کیلئے یا کوئی کام بس سے باہر بوادر کوئی وسیفہ نظر منہ تا ہو یا اگر کی کام میں آسانی اور جلدی مطلوب ہوتو سورۃ الحرال ایک پینفک میں ۴۴ بار تین وان تک پڑھیں اس مگل سے دوسرول کومنفسان بہنچا آمنسوؤیس ہونا چاہیے عظيم الثنان وظيفه

حفرت ابوا بوب العباری ہے مرفو ما دوایت ہے کہ جب سورہ فاقد آبت اکتری، آیت شہد الله اور آلی اللهم مالک الملک ، اینے صاب نازل ہوئی تو حق ہے محالی ہوئر فریادی کہ کیا آپ ہم کو ایک قوم پر نازل فر مارے ہیں جو کتا ہوں کا ارتکاب کریں گے ارشار ہوا کہ تم ہے بہری مزت وجائل اور ادفاع مکان کی کہ جو لاگ ہر نماز فرش کے بعد تمہاری تا حادث مرتبہ نظر وحت بم ان کی منفرت فریا تم گے اور جنسہ الفرود کی شرک جگہ دیں گے اور بروز سر مرتبہ نظر وحت ہے بیکھیں مجابوران کی مرتبر واقعی ہوئی کریں گے جس کا اولی دوستفرت ہے ۔ (ویلی) فائدہ بعض دوایات میں ہے کہ ہم ہی کے وقت وی بروی کو غیر عظا کریں گے۔ (تغییر دون المعانی ہے ہیں۔ (ایک

يز هذ كالحريقة الحوش يف أيت الكرك يز هاكريا يز ه

يَّ عَلَيْهِ اللَّهُ أَقَّهُ الْإِلَّهُ إِلَّا هُوَ وَالْمَلْيَكُ فَوَ أُو الْوَلْمِ قَانِسًا ، بِالْحَسْطِطِ

فَ اللَّهُ أَنَّهُ اللَّهُ أَقَّهُ اللَّهُ الْحَرِيدُ وَالْمَلْيَكُ وَ أُولُو الْحِلْمَ قَانِسًا ، بِالْحَسْطِطِ

الْحَدَّمَ اللَّهُ اللَّهِ الْحَدْثُ أَوْلُو الْحَكْمَ اللَّهُ مِنْ ، بَعْدِه مَاجَدًا وَهُمُ الْحِلْمُ مُوْكَمُ اللَّهُ سَوِيعُ الْجَسَابِ ، فِهِ بِيرِيكِ اللَّهُ مَنْ مَنْ الْمَرْدُ وَالْحَرْدُ مِنْ الْمَلْكُ مَنْ مَنْ الْمَلْكُ مَنْ الْمَعْلَى مَنْ الْمَعْلَى مَنْ الْمَلْكُ مَنْ اللَّهُ اللَّهُ مَنْ الْمَعْلَى اللَّهُ اللْهُ اللَّهُ اللللْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللللْهُ اللَّهُ

الله تعالى كومحبوب كلمات

حضورا کر ہو بھٹنے ہے ارشاد فرمایا ہے کہ دو تھے ایسے ہیں جو زبان پر بھکے ہیں تراؤ ویش مہت دنے ہیں ادرانہ تعانی کربہت پیارے میں.

سُبُعَانَ اللَّهِ وَيِحَمَّلِهِ مِبْعَانَ اللَّهِ الْعَظِيمِ

وشمن سے تفاظت كيلئے

اگراس وہا کو بڑھ کراپ ہاتھ پردم کرے ہورے بدن پر چیر نے قو قرمن سے مخوط رہے گار دشمن کے جیم ہے مجی گزر جائے قوہ اے ندد کیے تیس کے دوبیہ ہے: لا شکر ٹیرنگ انگریشسٹ کی و تھو کیٹو لڈ الا بقسانی کو تھو اللّقوائف الْنَحْمِیْرُ (موروانعام ۱۰۲)

مال كأثم موجانا

ا۔ اگر کسی کی کوئی تیز تھم ہوجائے تو ہیرو ما پڑھ کر اچی تھم شدہ چیز سکٹل جانے کی و ما کر لے افتار اللہ بہت جلدوہ چیز کی جائے گی۔

> "يًا جَامِعَ النَّامِ لِيَوْمِ الْأَرْبُبَ فِيُواِنَّ اللَّهَ لَا يُسْخُلِفُ الْمِيْعَاد إِجْمَعُ بَيْنِي وَبَيْنَ كَذَا فَإِنَّ المُلْسَهُ فَعَسَالَى يَسْجَمَعُ بَيْنَكُ وَبَيْنَ ذَالِكَ المُشْرُدُ"

" فَالِطَكَ النَّسَسِينِّ هِ" كَا بَكِرَا بِيُّ مُ شِوَهِ يَرِّ كَا تَدَكُره كرسته الكافرة الركسي انسان كوا بي طرف الكركرة جاسبة المرفض كالعرف.

۳۔ اگر کسی چیز بابال کے ضافع ہونے کا اندیشہ ہوتو سورد تصنعی لکھ کرای جگہ اڈکا دے جہاں مال دکھنا ہواہوا نشاما اندود مال شافع اور بریادئیں ہوگا۔

سو۔ اگر آسی کی کوئی چیز کم جوگئی ہوتو سورہ واقعلی سامت بار پڑھ کر اس چیز کی واپنیں کیلئے دعا کرے۔ جیب وَ وَجَدَدُلُا صَسَالًا لَمُقَافِی پر پینچیقا اسٹرٹن یار پڑھےانٹا واللہ ووجیزال جائے گی آگروہ چیز ٹین لے کی ٹوانڈ تعالی اس کا تم البدل مطافر ہائے گا۔

۳۔ اگر کئی کی کوئی چزیچوری ہوئی ہوتو جس درواز و ہے بال لگلا ہوائی درواز و پر کفر اجو کر سورو والطار تی جزیجے ہے وومال والحن ال جائے گا۔

ه. جس فض كَ كُولُ جِيرَهُم برجائة 19 إرياحيَة او 19 بارية بيت يزموروس جرك والدي

Chairdeachaileachail i teòl i bachairdeachaich Chairdeach

كى وعَاكِرِ عِنا الله وَ يَرْلُ جَائِ كَلَ مُكِهِ بِ مَ آيت بِهِ بِهِ : يَشْفَى إِنْهُمَا إِنْ قَلْ مِنْقَالَ عَنْقِقِ مِنْ خَرُقَلِ فَتَكُنُّ فِي صَغُورَةِ أَوْ فِي الشَّمُونِ أَوْ فِي الأَرْضِ كَأْتِ بِهَا الْلهِ

١- مُشده جيز كل جائه كليخ أن دعا كَاكثرت كرك:

"يُعَاجِعُ النَّاسِ لِيَوَّمِ لَارَيُّبِ فِيْهِ اجْمِعُ عَلَيُّ صَالَعِنُ "

انشاءالله من دعا كي بركت سيرده چزل جائے كي په

ے۔ ان آجوں کوروٹی یا کسی کھانے کی چیز پر آلکھ کرجس پر چیزی کا شبہ ہوا ہے کھائے آگروہ واقعی چرروکا تو وائیس کھانے گائے آبات یہ جن

"وَإِذْ ظُسُلْتُمْ نَفْسًا فَاذْ رَثَمْ فِيَهَا" وَاللّهُ مَحْرِجُ مَا كُنْمُ وَيَصَرَعُهُ وَلَا يَكُانَ مُحْرِجُ مَا كُنْمُ وَكُمْمُونَ 0 يَصِرُعُهُ وَلا يَكُانَ وَمَا هُوَ يَسِيْعُهُ وَيَأْتِهِ الْمَوْتُ مِنْ كُلُ مَكَانَ وْمَا هُوَ يَسِيْعُهُ وَيَأْتِهِ الْمَوْتُ مِنْ كُلُ مَكَانَ وْمَا هُوَ يَسْعُدُونَ وَمَا يَسْتُحِلُونَ وَمَا لَمُعَلَّمُ مَا تُحْفُونَ وَمَا لَسَسْمُونِ وَالْمَلْ مِنْ يَعْمُلُمُ مَا تُحْفُونَ وَمَا الشّسَمُونِ وَالْأَرْضِ وَيَعْمُلُمُ مَا تُحْفُونَ وَمَا لَشَعْدُونِ وَاللّهُ وَيَالّمُ لَمُ اللّهُ اللّهُ وَيَالْحَقِ وَلَى الْعَرْشِ الْعَلَى مَا مُحْفَونَ وَمَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَيَالّمُونَ وَمَا اللّهُ اللّهُ وَيَالْحَقِ وَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَيَالُحَقِ وَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَيَالُحَقِ وَلَى وَمَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَيَالُحَقِ وَلَى وَمَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَيَالُحَقِ وَلَى وَمَا اللّهُ عَلَى سِيدنا محمد والله وصحيه وسلم."

۸۔ اگر کس کی کوئی چیز محوق کی جو آلی انگشت شہادت کو اپنے سر کے پیمار جانب عمراتے ہوئے سامت مرتب مورہ اللحق پر معے کار ایک مرتبہ

> "أَصْبَحَتُ فِي أَمَانِ اللَّهِ وَآمَسَيْتُ فِي جَوَادٍ المَلْسَهِ امْسَيْسَتُ فِي أَمَّانِ اللَّهِ أَصَّبَحَتُ فِي جَوَادِ المَّهِ"

> > (مجربات مطرت مولانا عبدالله شهيد)

پڑھ کر تن مرہ بہانی بہائے اس عمل کے دہران کھوئی ہوئی چیز کا لھور ذائن میں رکھے الکانا۔ اللہ بہت جلدوہ چیز ل جائے گی نہایت بحرب عمل ہے۔

مفروركي واليبي

جعد کی رات میں اُن از عشاہ کے بعد و در کفت تماز پڑھے پہلی رکھت میں مورہ فاتی کے بعد شمن باز مورہ کا فرون اور دومر کی رکعت میں مورہ واتھی کے بعد شمن بار مورہ افلام پڑھے پھر سام چیمر کر مجار و بار دروو شریف پڑھ کر دو بڑار بار مورہ واقعی میں میں اُنٹ پڑھے اور پھر کہارہ بار دورود شریف پڑھ کر بھا کے جوئے کی والیون کی وعالما تھے کر سوجائے۔ انٹا وائڈ مفرور بہت جد واپس آجائے گا۔

الله ﴿ وَوَرَكُونَ أَنْ فِي إِنَّ هِ كُراكِيهِ ١٩٩ باربيةً بيت بإحدَّروها بالنَّظِير الله الله بعن كا موافقض

والوكل أبيات كا _ يمل وج روزتك جارك ديكرة يت ياب:

إِنَّ الَّذِي لَوَمَنَ عَلَيْكَ الْقُوْانَ لَوَاذُّكُ إِلَى مَعَاثِ

٣٠ - اگر کوئي فخص بھاگ کيا يوقوم موزنگ اين آيت کولکو کرچ خديل بانده کرروزانده ايار

النا تحمائ انشاء الذات عمل كي بركست بها كاله بواوايس أجائ كار

''فَرَدُ دُمَهُ إِلَى أَتِهِ ثَمَىٰ تَقَرَّ عَيَنُهَا وَلاَ تَصُرَّنَ وَلِلْمَعُلَمُ أَنَّ وَحُدًا لِلَّهِ حَلَّ وَلَيْكِنَّ ٱكْتَكَرَّ هُمُ لَا

يَعْلَمُونَ.''

۳۰ - حالیس روز تک روزانه دو رکعت نقل نماز پڑھ کر ۱۱۹ بارید آیت پڑھے اور پھر جا گے جوئے کی والین کیلئے دعاکرے یا نشارہ اللہ مغرور والین آ جائے گا۔

فِي الشُّنَا لُوْتِ ٱوْفِي الْإِرْضِ بَأْتِ بِهَا اللَّهِ إِنَّ اللَّهِ لَكِنْكُ خَهِيْرًا

مكان كى حفاظت كيليّ

جس مکان میں جن وشیاطین یا آمیب یا جوت پرے چیل وغیرہ ارواج خیرشکا اثر ہولو جی کے دن یا بدھ یا جعرات کے دن بسا عت مشتر کی یا زہر و پوری مورہ نقر واس مکان میں بیٹر کر درمیانی آواز سے پڑھے اور ایک گلاس پانی کا فہر کر اسپے قریب رکھ کے اور جب سورہ شتم Outsidestations (Autsidestation of the Table Table (Autsidestation of the Control of the Control

جوجا سنة آق اس پائی پردم کرے مکان کی وابواروں پر اس طرح تھٹڑک ویے کہ پائی زشن پر شہ گرے اور مواعث کا صباب مورج تھٹے کے وقت ہے تھائے۔

انشاه الله تعانى كمي هم كالرّ مكان ش شديكا ومجرب ب

برائے ہرمشکل

حطرت کی الدین جیال نے فر بایا جو تھی الابارس دعا کو پڑھے جو کہ مشکل دکھتا ہوتی تعالیٰ اس کی برشکل آسان کرے۔ جو بکھیٹ نے والاس دعائے پڑھنے سے بایا۔ اس دعا کو فجر یا عشاء کی ٹھز کے بعد بڑھے اس دفت تک جب تک کہ مقعد تک کامیالیا ہو۔

> ٱللهُ كَانِيَ الْكَانِيَ الْكَانِيُ وَتَشَكَّدُهُ الْكَانِيُ وَجَلَّاةً الكَانِي بِكَانِي الْكَانِيُ وَكَنَائِي الْكَانِيَ وَلِينَا الْكَانِيَ وَلِينَا الْكَانِيَ وَلِينَا الْكَانِيَ وَقِيْنِ الْحَكَنُدُ لِا

> > اس كاول وآخر كياره كياره بارورود وشريف يزهي

مروه بإزنده كوخواب مين ويكينا

وف مند پہلے جاہے کہ دھوکرے اور پاک لباس پینے نوشیوا ورمطر و فیرو لگات اور ایک پارسور والمیل اور ایک بارسور و اولین پڑھے اجداس کے یاد مانچ ھے اگلافیم آلوینی فی متناوی گذا و کنٹرا کو انجھوائے فی میں آمٹیری کھڑجا کو منتظر جاگز کریٹے فی شناعی کا امتناد کا جے بوج کھڑا ایکا دیکا کہ کو فیفی نے

برائے حاجت

۔ بعد فوافل مغرب جمانی بین بینی کر اور 5 سان کی طرف ہاتھ اٹھا کر ۱۰۰ بار یا زب یا رب یا رب کیے جوخوا سے جا ہے 8 وہ ملے گا اور اگر جزار باراس کی تحرار کر سے گا تو یقینیا اس کی حاجب بور کی جونی سرات دن تک ای تکمل کو کر سے جو وق ما دیکی تو چھڑی جعراب سے شروع کر سر

ار جس فحض كوكن مخت ب مخت كام ورثيل جولوا ال وجائب كر برنماز كر بعد مجده

ladeiseladaladaladaladalada 165 Saladaladaladaladaladaladal

ى مرد كة كرچداريكات پات جب على دو پرجالي دورند دو برايا كرتار به دوايد به: الله هذاراً كذا كَنْ يَنْهَا كُلُّ كُلِينَا اللهِ يَوْمِر البَّرِينَ إِلَيْنَاكُ كُلِّسُ مِنْ اللهِ

حادثات سے بیخنے کا وظیفہ

> بِسْمِ اللهِ الزَّحُمْنِ الذَّحِيْورُ اللهُ مَّ اَنْتَ رَبِّ لَا اللهَ الْاَانْتَ عَلَيْكَ تُوكَلْتُ وَانْتَ رَبُّ الْعَرْشِ الكَّرِيْمِ مَا شَاءً اللهُ كَانَ وَمَالَمُ يَشَا الكَّرِيْمِ مَاشَاءً اللهُ كَانَ وَمَالَمُ يَشَا لَمُ يَكُنُ وَلَاحُولَ وَلَا قُوَةً إِلَّا بِاللهِ الْعَلِيَ الْعَظِيْمِ أَعْلَمُ انَ اللهَ عَلَى كُلْ الْعَلِيَ الْعَظِيْمِ أَعْلَمُ انَ اللهَ عَلَى كُلْ شَى * قَذِيْرُ وَ انَ الله قَدْ اَحَاطَ بِكُلْ

شَى ۽ عِلْمُّا اللَّهُ مَّ إِنَّ اَعُودُ بِكَ مِنْ شَرِنَفُسِىٰ وَمِنُ شَرِكُلِ دَانَةٍ انْتَ اٰخِذُ بِنَاصِيَتِهَا اِنَّ رَبِي عَلَٰ صِرَاطٍ مُستقِيمٍ قوت نازل

موانا عوری فرماتے ہیں آئ کل بیدها توت نازلد نماز فحر میں دوسری وکعت میں دکوٹ کے بعد قوے میں امام معاصب کو جرست پڑھنا جاہیے اور مقتدی ہر جیلے پر آ ہستد سے آمین کھیں۔(ید عار مشکل وقت میں پڑھی جا کتی ہے)

> بِسُمِ اللهِ الرَّحُمُ الرَّحِيْدِ،
>
> اللهُ مَّ اهُدِنَا فِيْمَنُ هَدَيْتَ وَعَافِنَا
> فِيْمَنُ عَافَيْتَ وَتَوَلَنَا فِيْمَنُ هَدَيْتَ وَعَافِنَا
> فِيْمَنُ عَافَيْتَ وَتَوَلَنَا فِيمَنُ هَدَيْتَ وَعَافِنَا
> وَبَا رِكُ لَنَا فِيمَا لَعُطَيْتَ وَقِنَا شَرَّ مَا تَضَيْتَ فَإِنَّكَ تَقْضِى وَلِا يُقضَى
> مَا تَضَيْتُ فَا فَكَ لَا يَذِلُ مَّنُ وَالدَيْتَ
> عَلَيْكَ انْهُ لَا يَذِلُ مَّنُ قَالدَيْتَ وَلَا يُقضَى وَلا يَقضَى وَلَا يَقضَى وَلَا يَعْفَى الدَيْتَ وَقَالَيْتَ وَقَالَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَقَالَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَصَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَسَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَصَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَسَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَسَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَسَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَاللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَاللَّهُ عَلَى الذَّيْتَ وَالْعَلَى اللَّهُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعِلْمُ عَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعَلَى الْعُلَى الْعَلَى ا

آللهُ مَّراغُفِ رُلَنَا وَلِلْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنَاتِ وَالْسُلِمِينَ وَالْسُلِمَاتِ وَالْفَ بَيْنَ قُلُوبِهِمْ وَاصْلِحُ ذَاتَ بَيْنِهِمُ وَانْصُرُهُمْ عَلَى عَدُوكَ وَيَعَدُوهِمُ إِلٰهَ الْحَقِّ امِئِنَ * اللَّهُمَّ الْعَن النَّكَفَرَةَ وَالْمُشْرِكِينَ وَالْيَهُوْ دَوَالُقَادِ يَانِيِّينَ وَالرَّوَافِضَ وَالْهِنْدُوْسَ الَّذِيْنَ يَصُدُّونَ عَنْ سَمِيْلِكَ وَيُكَذِّيُونَ رُسُلَكَ وَيُقَاتِلُونَ اَوْلِيَّاءَكَ ٱللَّهُمَّزَخَالِفُ بَيُنَ كَلِمَتِهِمْ وَزَلُولُ آفُدَامَهُمُ وَٱنْزِلْ بِهِمُ بَأْسَكَ الَّذِي لَانتُرُدُهُ عَنِ الْقَوْمِ الْمُجْرِمِينَ. ٱللَّهُمَّرُولِ ٱمُؤرِّدَا خِيَارَنَا وَلَا ثُوِّل أمُورَنَا يِثْرَارِيَا وَإِرْ زُقِنَا خُكُومَةً صَالِحَةً عَادِلَةٌ تَرَغُىءِبَادَاثَةَ وَبِلَادَكَ عَمَا يُوْجِبُ مَقْتَكَ وَغَضَبَكَ وَصَلَّى اللَّهُ عَلْ عُنَدُ وَأَلِهِ وَحَصْبِهِ وَيَازِكَ وَسَلَّمَرُ

تمام دن ظالموں کے شرھے محفوظ رہیں حضرت انس کی دعا

يده عاجناب دمول الشكلينة نے حضرت انس بن مالك، توضيع فرمائی اورفر مايا كه جو فنص مجع كويدوما بزرجے تو دن محركوئی طالم است نقصان تهيں پنجاستنا

> بشوالله الزّحُمن الرَّجِيْدِ، يشعراللي خنيرالكشمكة بشعرالله الَّذِي لَابِيَضُزُمَعَ اسْمِيهِ مَنْكَ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَّلَةِ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيْمُ بشيرالللوعلىنفشيئ ودنيني بشسيرالللج عَلَى آهُلِيُ وَمَالِيُ بِسُمِرِاللَّهِ عَلَى كُلِّ شَّ وَاعْطَانِيُهِ رَبِيُ اللَّهُ ٱلْبُرُّاللَّهُ ٱكْبَرُ ٱللَّهُ ٱلْكَبِّرُ اعْوَدُيا للَّهِ مِثَّالَخَاتُ وَاَحْذَدُ ٱللَّهُ رَبِّيُ لَآ ٱشْرِكْ بِهِ شَيًّا عَزَّجَا رُكَ وَحَيِلُ مِنْكَأُوكِ وَتَقَدُّ لَسَتُ أَسُمُّأُوكِ وَتَقَدُّ لَسَتُ أَسُمُّأُوكَ وَلَآ إِلهَ عَيْرُاكَ ٱعُوٰذُيكَ مِنْ شَرِكُلِ جَبَّادٍ عَيِنيْدٍ وَّشَيْطُنِ مَّرِيْدٍ وَّمِنُ شَيْرٍ قَضَّلَهِ السُّوَّةِ وَمِنُ شَوِّكُلِّ ذَالْكُوْ اَنْتُ الْخِيدُ بتناصيتها إن رقى على صراط مُسْتَقِيِّم

وعاءامام ابوحنيفة برائے قرب الى الله

المام ایومنیڈ نے اللہ تعالٰی کو مو بارخواب میں ایکھا جب مودیں مرتبہ فواب میں ویکھا تو انہوں نے اللہ تعالٰ سے بع جھا کہ یاافلہ تیرے ایک تیرا قرب عاصل کرنے کیلئے کیا پر میس تو یہ وعاللہ میسالم منت نے خواب میں مثلاثی:

> سُبْحَانَ الْآبَوِيُّ الْآبَدُ مُبْحَانَ الْمَاهِدُ الْآحَدُ سُنِحَانَ الْفَرْدُ الصَّهَدُ مُبْعَانَ وَافِعِ السَّبَاءُ بِغَيْرُعَيَدٍ شَبْحَانَ مَنَ وَافِعِ السَّبَاءُ بِغَيْرُعَيَدٍ شَبْحَانَ مَنْ خَلَقَ الْحَلَقَ كَاجْعَمَا هُمُرَعَدُدُا مِنْ خَلَقَ الْحَلَقَ كَاجْعَمَا هُمُرَعَدُدُا

اگر کو کی برے افعال کا شکار ہوجائے

جودین سے خاتلی ہومید سے داست سے جھک جائے یا ہر سے افعال میں جاتا ہوجائے آتا اس کو یائی ہے اور پر صارر م کر کے 14 ون تک یا گیں۔

ٱُولَٰلِكَ عَلَى هُدُى فِينَ نَتِهِ خُواُولَلِكَ

هُمُ الْمُفْلِحُونَ ٥ (مُرة البَرَةِ، آيت ٥)

عزت وعظمت مين اضافه كيلئ

ا کرکوئی تھی جاہے کہ اس کی مقبولیت کڑتے و مقلت اور شان و بزرگی کی لوگ قدر کریں اور اسے کڑت و بی ٹو اے چاہیے کہ بعد فرماز حشاہ روزانہ پابندی کے ساتھ اول تین بار درود

شریف پزھے میں کے بعد ۱۳ ہار پام پر پڑھے میں کے بعد ۱۳ ہار ہے جھے: باغذیؤ کا کھڑنی بوڈیک کا غزیز

آخرین آباد در دور شریف فر ه کرای عزب و مقلت بین اضاف کی و ماکرے ۔ چھ نظمتہ میں میں میں مند میں کا مصرف علم میں میں میں میں میں میں میں استان کی اور ماکرے ۔ چھ نظمتہ

كرائ كے بعدالت والغدائ كى عزت وعظمت من اضاف موجات كار

عزت مانے کیلئے

الرِ كُونُ فَحْضَ لِوْكُول كَيْ تَطْرُول مِنْ كُرِيكًا بواور جابت اوكدائ في عزت قائم بوجائ تووه

ال آیت کواایار پڑھ کرائے اور پھونک لے۔

فَسُنْخُنَ الَّذِيْ بِيتِدِهٖ مَلَكُونُتُ كُلِّ مَّمَّتُ قَالَيْءِ تُرْجَعُونَ ٥

تمام پریثانیوں کیلئے اکسیر

روزانه وقت مقرره يرا اباريزهيس

اللَّهُمَّ إِنِّ اَعُوْذُبِكَ مِنَ الْهَمِ وَالْحُزُنِ وَاعُوذُ بِكَ مِنَ الْعَجْزِ وَالْكَسُّلِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ الْجُنِنِ وَالْبُحُلِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ عَنَ الْجُنِنِ وَالْبُحُلِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ عَلَى لَةَ الذَّيْنِ وَقَهْرِ الرِّجَ الِنْ

نمازمغرب کے بعدیہ پڑھے

حضرت مسلم حمی ٹے رسول اکرم تھا گئے کا ارشاد کردائی قل فر ملا ہے کہ نماز مغرب ہے فار ٹی بوکر کس سے بات کر سف سے پہلے سات مرتب ہے کہ لو

ٱللَّهُمَّ آجِرُنِّي مِنَ النَّارِ ۗ

اور پھرا گرائی دات کو تبہاری سوت آگئی قو دوز نے سے محفوظ ہوجا کے اور اگرائی دھا کو سات پار ٹھاز فجر کے بعد کی ہے بات کے بغیر کہا و گے اور اس وان مرجا اور آئی ووز نے ہے

محقوظ رجو ك_(الجواكرونساقى، الدن حيان)

نمازعشاء کے بعدیہ پڑھے

عشامل نمازك بعدموره الملك يزهنا وإبي

جو ما نَكَ وه عطاء ہو

حضرت هن فرمائے ہیں کہ صفرت عمرہ ان جندب سنے فرمایا کہ جم حمیس ایک الی عدیث ندسناؤں جو میں نے رسول الفوق کے کئی بارتن اور حفرت الومکر اور حضرت ممرّ ہے گئی کئی باری ہے جمل نے عرض کیا ضرور سنا کیں۔ حضرت عمرہ نے فرمایا جو فقعی میج اور شام ہے رہ حد

> اللَّهُمَّ اَنْتَ خَلَقْتَنِیْ وَانْتَ لَهُدِیْنِیْ وَانْتَ تُطُعِمْنِیْ وَانْتَ لَسُقِیْنِیْ وَانْتَ تُعِیْنَیْنُیْ وَانْتَ تُحْیِنِیْ ﴿

اورائ کے پڑھنے کے بعد اللہ تعالی ہے جو مائے گا اللہ تعالی مفرورائ کو عطافر ہائیں۔ کے را لمفیر اٹن فی الاوسط ہا مناد جس دمجن الروائد)

بزا نورحاصل کرنے کیلئے

حافظ الوکر بزازًا ہِیٰ کتاب میں لائے مین کے رسول الفقطی نے فرمالے ہے کہ جو گھٹی اس آیت کومات کے وقت پڑھے گا اللہ تعاقل اسے انتا بڑا فور عطافر ہائے کا جو عون سے مکہ شریف تک کھے تھے

> ڷڹٛڮٲڹۘڔؙۯۼٛٳڸڤٙٲءٙڒڹؚ؋ڡٙڵؽڠڡڵ؆ٙڵٳڞٳڸڂٵ ۏٙڒٳؿؙؿٚڔڮٛؠۼؠڮۊۯڹۼۥؘٲڂڰٳ

موت کے سواہر چیز سے امن

سند ہزار تک دریہ ہے کہ حضو مقطع ہیں ارشاد فرنا جب تم بستر پر لیتوا ورسورہ فاتحہ ہ اخلاص یہ حاوق موت کے سوامر چنز ہے اس میں روز کے (تعمیر این کثیر ن) اس ۴۴

جعه کی نماز کے بعد گناہ معاف کروانے کا ایک نبوی نسخہ

جوآ دي جمدي نماز کے بعد سومرتبہ بز ہے گا

سُبُحَانَ اللهُ وَالْعَظِيُدِ وَيِحَمُدِهِ

قو حفرت محد النظاف فر الما كراس كريز سنة والسائد كما يك الا كالم تناوساف بول كرا اوراس كه والدين كريوني بزار كناوساف بول محر (رواه ان السنى في كل اليوم واليانة ص erry)

حصول ملازمت كيلئے سورہ والفحیٰ كا خاص عمل

سود دوانتی کو عامین نے پرتا ثیر ہاتا ہے اس میں تو مقام پرکاف (ک) آیا ہے آپ نماز جُر کے بعد و ہیں بیٹیس اور بیسورہ اس طرح پرسیس کہ جب کاف آئے تو یا کر بیکر فیار پرجیس بید حکل صرف نوایام کریں ملازمت سطے گی۔ اگر خوائنو استاطان مست ندلی تو بیٹی افغارہ بار پرجیس اگر بھرمجی صاحب پورٹ میں تو ستائیں بار پرجیس اور ہرکاف پرستائیں باریا کر بھی پائنشل خدا شرطیہ مازمت کی جائے گی۔ (شرقی طابق بھوار فیزانا افعال میں))

لژگی کارشته ند آتا هویا آتا هو مگر پیندند آتا هو

ڒۘڿٳڮٛٳؙڶؠٵۜٲٮؙٛڒڷؾٳڶؽۜڡڹؙڂؽ۬ڕۏؘڡۣٙؽؗڒ ڒڛٳؿٳڽٵؘڷڒڰڝ

فاكوه: اكراآب كى لاكى كيلة رشة ندا تابويا آتا بوكم ليندندا تابوقا أب الإرال

آ بیته کو پزملیں اور خمن بار مورد دانشی پزهلیں اور میمل جرمهیند کے شرور تا بھی ااون تک کریں اور تین جدید تک حارمی رکھی ۔ انشارات ایندازشیز نصیب ہوگا۔

سانب بچھو کے کاٹے کاعلاج

جس کوسائے بچھود فیمرہ فربر بیلیے جانور سنگات لیا ہو ہی پر سائٹ مرتب مورہ فاتھ پڑ ہوکر وم کر سے با پائی اور نمک وہ کرجس جگہ گانا ہے ملکا جائے اور سورہ کا فرون ، سورہ فلنی ، سورہ الناس بڑھ کردم کرتا جائے ۔

فالده: حديث شريف على آيات ك

ایک مرتبر نمازی کچونے آپ کوکٹ ایا لیازے فارغ ہونے کے بعد آپ نے فرمایا خدا احت کرے چھو پر نداری کوچوزی ہے نہ بے لماز کو پھر آپ پھٹنے نے نمک اور پائی منگوایا آپ کاننے کی مگر پر ملتے جاتے اور فرکورہ بالا تیوں سرتوں کو پڑھتے جاتے تھے (طریق کی السفیر بجواد صور جھیں)

شب قدر کی پیچان کا طریقه

شق کی الدین این این این این اینده کی پیچان بین فران قریب کداگر پیدا دوزه جد کدان کا جولالیات القدره ۱۹ وین شب جوکی داگر بند کا موقو ۱۹ وین، اگر اتوار کا جولا سام پی داگر چیکا جوقو ۱۹ وین، اگر مشکل کا جوقو ۱۹ وین، اگر جدها جوقو که وین اور اگر جعراحه کا جوقو ۱۹ وین سکه بعد کی طاق را قول شی سے کی راحت شن جو کی داللنو المدفون شن ۱۹

حنفرت شخ ابواکس خرقال این ایک رساله میں کفیتے بین کہ اگر کم رمضان افراد کو بوؤ شب قدر ۲۹ ویں شب بوگی اگر میر کو بوقر ۲۱ ویں مشکل کو بوقو ۲۷ ویں، بدھ کو بوقو ۱۹ ویں ، جسم اے کو جو تو ۱۶۶ ویں وجھ کو بوقو کا اویں اورا گر ہفتہ کو بوقو ۳۴ ویں شب بوگ ۔

ہرسال جج یا عمرہ کی سعادت حاصل کرنے کیلئے خاص عمل

طواف وواع کے جدمیز اسیدومت کے بیٹے ورکعت سلو والحاجت پار قرمانے کعیال

Carlo Carlo Carlo

🥻 و بوار پرانگل ہے بیآ بت لکمیس

إِنَّ الَّلِيمُ فَوَمَنَ عَلَيْكَ الْفُرْانَ لَوَ آذُكَ إِلَى مَعَاقِ

ای کے بعد دعا کریں کرحی تعالیٰ ہرسال حاضری اور نج دعمر و کی سعادت عطافر ہائیں۔ این کے بعد گور تاتی کرصلو قائی ہونے ورکعت پڑھیں اس کے بعد سورہ بیٹین کی تاوت کریں اور ہرمین پرسات یاد سورہ فاتنی پڑھیں، سورہ پوری ہونے پرانشہ تعالیٰ سے دعا کریں کہ ہرسال نج کی سعادت عظام فرما کیں۔ انتا واللہ ہرسال حاضری نصیب ہوگی۔ (اکار مناوہ و پونیکا جرب محمل ہے۔ جو معزات قارشین ہرس کرس کھنے والے کو مجان واحق شائل فرما کیں۔)

برائے زیارت نبی کریم الطاق

جو گفت خواب میں حضرت ہی کر کہ کا گھنگا کی زیادت کے مشرف ہوتا جا ہے تو اس کو چاہیے کہ دورکست نماز پڑھے اور ہر رکست میں سورہ ان تھے کے بعد سوبار سورہ اخلاص پڑھے جب نمازے فار نے جو جانے تو اس دعا کہ عار بڑھے:

انشاه اخد تعافی دو زیارت سے شرف جوگا۔ اس ممل کو پر مصفے کے دشتہ ان باتوں کا گوافظ رکھنا نہا ہے۔ شرور ک بہم پاک دو کیڑے پاک ہوں بستر پاک دادر حطریات سے ہر پیز کو بسائے اور اس کو مشکل کا دل قتم ہوکر بدھ کی شب سے شروع کریں۔ انشاء انعم تعافی پہنی جی شب میں درند تھی راقوں بھی خرورز یا دسے مروکو کی موقع کے سے شرف وہ کا عرب ہے۔ میں درند تھی راقوں بھی خرورز یا دسے مروکو کی موقع کے سے شرف وہ کا عرب ہے۔

آیت قطب کے عجیب وغریب اوصاف

ال - المرحق بعد نماز تحرر والنه جائيس باريز هے جو پھر جائے ہيں مواند وقعال اس کو صطافر ما تھی ہے۔ ۱۳ - جس منج مک بارید اور اور سے کو کا محاص بیشتر میں مدھ کا نظامتان میں در کہ وہ نے واقعے اور اور کر

۳۔ جس کی کو ہادشاہ یا امیر کے کوئی کا م دریش ہوادر مشکل نظر آ وے دورکھٹ نماز نظی اوا کر کے مصلے برخمن باریس بہت پڑ حکر دولوں یا تھویں پر دم کر کے مند پر پھیرے مراد جرآ وے۔

۳- جس کی پروین جن برگ آسیب کا اثر ہو یا گیں کان تیں بیاآیت پڑھائروم کرے انشاء القدائر جا تاریخ کا

٣- يجوب كاف بوك يراك كرميد هاكان بي يزه كريكونك بدي انشاه الشعمت بال 6-

٥٠ جو محف كل مهم ياجك كيلته بعده تيره مرجه بيا حصائفا والله في إن كار

٣٠ - جو تفق جاريار يز ه کروتمن كه گهري چونک مارے وتمن کا گھر خراب جو جائے گا۔

هـ بوقفى دغمن عالب آنا وإب الإرجامة الارثر على الشرغمن مطيع موجائه كار

٨- جوكوني سائة باريز هارتمي مجلس عن أوسي محنى والتقطيم عند وثيراً أسم.

ہے۔ جوکو کی نو درم شمداور دورم دکھنی مریوں پر دم کرے کھائے قوت ہاد زیادہ عودے۔

١٠ جوكولَ روزان بزار باريز محاكاروزي زياده بول فيب سارزق بيناكا

اله المرتكوز اشرارت كرية تكن بادع هاكريم كرير.

آ يت بيت: فُوَّ الْزُلَ عَلَيْكُمْ فِنْ وَبَعْدِ الْفَهِمْ الْمَنَّةُ نُعَامًا يَغْمُمُ عَلَيْفَةً فِينَكُمْ وَالْمُوالِمُونِ اللَّهِ عَلَيْكُمْ فِي وَمِنْ وَمِنْ مِنْ الْمُعْمِ الْمُؤْمِنِينَ وَمُوالِمِنْ اللَّهِ عَلَيْ وَظُانِفَةٌ قَدُ أَمَنَةً مُهُمُ أَنْفُ مُ أَنْفُ مُ لِيَطُونُونَ بِاللَّهِ غَيْرَ الْحَقَ ظُنَّ الْبِعَاهِ لِلَّذِهِ مَنْفُولُونَ عَلْ لَنَامِنَ الْآخْرِ مِنْ مَنْ يَا إِذًا الْآخْرَ كُلُّه لِلَّهِ. يُخْفُونَ فِي آنْفُيهِمُ مَّا لَا يُنْدُونَ لَكَ. يَغُولُونَ لَوْ كَانَ لَهَا مِنَ الْأَمْرِ شَيْءٌ مَّا فَيَلْنَا هَيَّنَا. قُلْ لَوْ كُنْتُمْ فِي يَتُونِكُمْ لَكُرُوْ الَّذِينَ كُوبَ عَلَيْهِمُ الْقَتْلُ إِلَى مَصَاحِمِهِمْ. وَلِيَتَوَلِيَ اللَّهُ مَا فِي مُسدَّوْرِكُمْ وَلِيُسَمَّرُهُ مَن فِي قُلُوبُكُمْ وَاللَّهُ عَلِيْمٌ بِذَاتِ

دعا كى قبولېت كىكئے مجرسىمل

مشاركة وعلاء سنديستها التدوينية فوكيل يزيينه كيفوا كوشراكهمات كراس آيت كاليب بزار مرجه جذب ابيان اورانتم وكم ماتحد بإصاحات اوردعاما في جائح الشرقالي رديك فرماتك جوم افكارا ورمصائب ك وقت الساكان هنا مجرب ب

وظيفه خاص حضرت شاه ابرارالحق

اول آ فرور و شریف کیارہ مرتبہ پڑھیں اس کے بعد آیت حَسُبُكَ اللهُ وَيَعْمَ الْوَكِيلُ ورنّ وَلِهِ عَاصِد مِن تِهِ مِن لِيكِ

يزهيس كاميالي موكياب

ا من الفاظنة الزشر در وفتن كيليخ ا٣٥ باريزاهيس. ا ... برائے و-هت رزق وادائے قرض ۳۰۸ بار پڑھیور

هل. برائے بخیل خاص کا مااا بار پر حتین ۱۲ برائید کفالت از مصائب پر بینانی ۱۴۴ بر پر حتین (بیان فرمورد و حضرت مولا ناشاه ایرار ایخی صاحب)

نظر بددور كرف كامسنون وظيفه

انن مسائر میں ہے کہ جرائیل علیہ السلام حضر میں گئے کے پاس نفریف اوسے آپ اس وقت خردہ منے سیب ہو جہاتو آپ میں گئے نے فرایا حسن وسین کونٹر لگ گئے ہے۔ فرایا میں جائی کے قابل چیز نظر واقع کی ہے۔ آپ نے پیکمات بڑے کر آئیس بناو میں کیوں دویا؟ حضو میں گئے نے ہوچھا وہ کھات کیا ہیں؟ فرایا:

> اللهُمَّ ذَا الشَّلُطَانِ الْعَظِيْمِ وَالْنَّ الْقَدِيْمِ ذَا الْوَجُو الْكَرِنْمِ وَلَتَ الْكَلِمَاتِ التَّامَّاتِ وَ اللَّعَوَاتِ الْمُسْتَجَابَاتِ عَانِ الْحَسَنَ وَالْمُعَدَّنَ مِنْ اَنْفُسِ الْجِنِّ وَاعْنُونَ الْانْسِ ﴿

حضوما ﷺ نے بیادہ اپنے آئی واقعہ دانواں سے اللہ کنزے ہوئے اورا پ سکسا میٹے کیلئے کورنے کیے مشروطی نے امرائ فرمایا لوگوا اپنی جانواں کو اپنی ہو بین کواروا کی اواد کواک پادا (واسات جروشک) کے ساتھ بناد ویا کروائی جسی اور کو کی بناہ کی دعائیں۔ (تغییرات کثیری کا ۱۳۹۰) جروشک است میں است کے سکت کے سکتی اور کو ایسان کا میٹر است کا میٹر است کا میٹر کا استان کا میٹر کا استان کا میٹر

فائده اول آخروه وشريف پره کر مذکوه بالا دجا تمد مرجه پرهيس اور مريش پره کريس عمل ايک مجنس بندي تين بارکريس و ساک اندر جهال حظرت حسن و سين کانام سيمان کي جگه پر موجود امريش کان مريس بده کاناهاف الطاف من انفس اللجن و اعين الانس

خيروبركت كيلئ

جعمات کے دن باہضوائل آ ہے کو لکھ کر مکان یا وکان کے دروازے پر لٹکانے ہے۔ ٹیرورکت ہو۔

هُلُ إِنَّ الْصَعْسَلَ بِسَدِاللَّهِ. يُؤْمِنُهِ مَنْ يَّسَاءٌ. وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيْهُ يُغْتَصُّ بِرَحْمَيَهِ مَنْ يُشَاءً، وَاللَّهُ قُوالْفَصْلِ الْعَظِيْمِ

چۇننى جىدىكەن بەھەمىرة بىتالكرى ۱۳۱۳ بارىي<u>ە س</u>ۆلەل خېرە بركت بوكەچىر كادېم م

وكمان مجي ندجويه

بحد فروقت نماز جعداس آیت کوگھ کرمگان یاد کال بی رکھنے سے ٹیر وہرکت اور رزش کار اصافیہ جا ہے۔

. وَتَشَكَّدُ مَكُنَّكُمْ فِي الْأَرْضِ وَجَعَلْنَا لَكُمْ فِيهَا مَعَايِشَ. فَلِيْلَا ثَا تَشْكُونُهُ.

بِاً مِن بِيبِ كَلَابِ بِالْعَوَرُوْزَا مَنْ مِن كَدُوبِ اثنًا الله بعِب رَكَ بولَ . وَلِكَ فَصْلُ الْغُرِيُوكِ مِنْ يَشَاءُ وَاللّٰهُ وُواللّٰهُ وَاللّٰهُ مَلِ الْفَصْلُ الْعَظِيمُ

کشائش رزق کیلئے

مُتَحَفَّةٌ وَّمُولُ اللهِ اَحْمَدُ وَّمُولُ اللهِ چوفتم بعد نماز جد بإک وصاف موکرتینیش مرتب به لکوکردین باس دیکی ضدا تحالی است فجیب ست درق مطاف شد کا اوروشیطان سکتم سیمخواه رسیدگار

جنتى تعويذ

حضرت عبدالله بن عبال أسفه يتعوية بطور حقيق فلي كانت عبوه سنات كلي كيارت قربات بيس جب حضرت آمن كافتن مبادك جماآ خضرت كالته تحتل بوئة وعفرت آمن كوفواب جمل كانت آمن كافتل ب جب آميه ان كوجش الوان كانام محد دكفا اور موف يك هائ جمل المساورة الكي تعوية دلعا بهما في الحري وان كودا وت كريسه بيناوي براس آموية كوامام بيمي في ما ورعاه سيوق الوقيم بصبائي سفرا في وي والكي المع وجم امن تحديثا وي راس آموية كوامام بيمي في وادامام في الفيائي الكيري عمل وكركيا ب بهم امن تحديثا كوست الريخ المري كام وحديث عن والكركم رب بين جم في خود محمى ان كوب بين حديثا المعرش استعال كيا اور كراي بهتر بهدف بايا ب ladistration of the contract o

جسمانی میند سے پہلے پہلے اس کو کر ہی اس طرت بہتا کی کر تعویذ ناف پر دہا انظاماللہ بنا پیدا ہوگا۔ چنا نچائی نے ایک دن آ کر بینے کی دلادت کی تم سنائی۔ یاتعویذ برے معزت منتی جمیل احرصاحب تعالوکی کے معمولات میں سے تعال ہے اس کو بر مقصد میں استعمال کراتے تھے

میں احماد سب ما اور اے موالات میں سے محال ہے آئی او ہر معامد میں استعمال اور اس مقصد کے مطابق طریقہ استعمال تجویز کرتے تھے۔ تعویذ ہیںہ۔

اعيشة بالواحد من شركل حاصد وكل حلق والد من قاتم و لحاحد عن السبهل عائد على الفساد جاهد من نافث او عاقد وكل خلق مارد ياخذ بالمراصد في طرق الموارد انها هم عنه بالله الاعلى واحوطه منهم بالبد العلما و الكف الدف لا يرى يدالله فوق اباديهم و حجاب الله دون عاديهم لا يطردوه ولا بضروه في مقعد ولا منام ولا مسير ولا مقام اول الليال ، آخر الايام

فاكور يتعويذ جنات، جادواور تردشمنان كودوركرف كيلي بحي فاص بيزير.

شب قدر کے برابر ثواب

قرآن کرم کی وہ سے شب تدریس میادت کرنے کا قراب ایک بزار میمیوں کی عبارت سے بہتر ہے اور ایک بڑو کرمیوں میں نمیں بڑار واقعی بول جی اور صافوں کی تعداد ترای سال چار ماہ فتی ہے بوشش تن تعالیٰ کا انعام میں انعام ہے اور چونکہ ان کی رصت کی کوئی انتہائیں ہے اسکے اگر وہ کی اور مل پر مجی شب قدر کا قواب دے دیں تو ان کے فزان رحت میں بھی کیشی آئی۔ چنانچے ورن کلمات میں مرحد کہنے ہے شب قدر کے رابر قواب متا ہے۔ آ ہے بھی یاد کرئیں اور بیڈ اب عامل کریں۔

لَاَ إِلَٰهَ إِلَّا اللَّهُ الْحَالِيَمُ الْكَرِيُمُ سُبَحَانَ اللَّهِ رَبِّ الشَّمَا وِي الشَّيْعِ وَرَبِّ الْعَرْشِ الْعَظِيْرِةِ* (كزاهمال،صَيِّع،جلد) عار کلے بہت بڑھے ہوئے ہیں

صفود اکر می تیکنی ایک وان نماز نجر کیلیئے تقریف لے کئے قوام الوئین صفرت جوبر پر عصلے پر چھنی تھی آپ نماز نجر سکہ جعد جاشت سکہ وقت نشر بیف لائے قوآپ و ہیں تیکنی تھیں ہو چھنے ہر انتاا کہ بال تک سے مسئل بھی ہول آپ میں گئے نے توش ہو کرایک وظیفہ میں اگر کا اس نے باس سے باس سے باس سے باس میں قوید جانے کے بعد یہ جاد گلات سکیم ہیں اگر تھرے سادے وقت کے وقیقے سے قوالے جا میں قوید یا ہو جا کی دورہ ہیں:

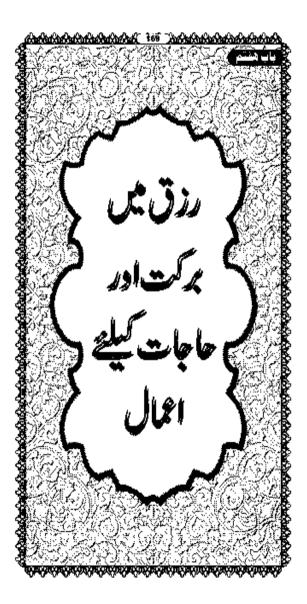
> سُخُانَ اللهِ وَيُحَمَّدِهِ عَدَدَخَلُقِهِ وَرِضَا نَفْسِهِ وَزِنَةَ عَرْشِهِ وَمِدَادَكُلِمَاتِهُ رُسِمٍ، ذاتى مكان اوروسعت رزق كيلئ

اگرا آپ کے پاس ہے کی جگہ یا مکان شہویا روز کا کا اربیہ شہویاروز کے سے بھی ہویا سافرے ہوادر سکان آپ کے پاس کو گی شہوتو تھ کورہ آپ کے 16 ایاروزان پڑ مدلوج ہے ک کامیا نی نہوانٹا رانشکا میا بی ہوگ

وَلَقَنُ مَنَكُفَاكُمُ فِي الْأَرْضِ وَجَعَلْنَالَكُمُ فِيهَامَعَالِثَ قَلِيلًا مَا اَتَفَكُرُونَ ﴿ اولا وزيداورها ظت ممل كيك وَيُمُولِ وُكُمُ مِا مُوَال وَبَنِينُ نَ وَيَجُعَلُ وَيُمُولِ وُكُمُ مِا مُوَال وَبَنِينُ نَ وَيَجُعَلُ لَكُمُ مِنْ جَنْتٍ وَيَجُعَلُ لَكُمُ أَنْهُوا ﴿

اگر آپ کے بہان اوٹا وٹریز نیکس ہے قو حمل تغیرتے ہی فو بیٹے فک اایار دوزان پڑھے: رز ق کی تھی کورور کرنے کیلے مجل اس وعا کوروز انسامات مرتبہ پڑھے۔

شخ الاسلام امام ابن القيم الي كماب ''زاد المعاد في هدى خير العباد'' میں ایک مدیث بیان فرماتے ہیں کہ حفرت الوفز امدّ ہے مروی ہے کہ میں نے حضور اللہ سے دریافت کیا كه "آپ كى رائے جھاڑ چھونك، دوااور بیاری ہے بیچنے کی دوسری تدبیروں کے بارے پس کیاہے؟ کیاان سے خداکی تقدریل سمتی ہے؟'' ِ حضور المُلِينَةِ نِي ارشادِفر ماما که "میمی توخداکی تقدیرے ."



Contractive Contra

عمل سوره مزمل شريف

ببطاهريقد فجرى فماذك بعدسوه مزل ايك دفعه يز بصفاكا ودد محداوران جارة يجل كو

ا تعن عمن وفعہ پڑھا کرے۔ اس مار میں جمہ کرے۔

ادل . رَبُّ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ لَاتُّومُلُهُ وَيَكِيُّلُا

روَمُ: وَاللَّهُ لِغَافِرُ الَّيْلَ وَالنَّهَارُ

سَرُمَ ۚ يُبَتَّقُونَ مِنْ فَضَلِّ اللهِ حِيارِمُ ۚ وَاسْتَغُفِرُوا اللّٰهُ إِنَّ اللّٰهُ عَفْرُرٌ ۖ جَمِنْهُ

جب تمام بوجوماجت وإب برآ دے

و در اطریق : جس بانت می موده مبادکه کسی برادر کی عابت کیلے پر سے قواس ترکیب سے پڑھ کر پڑھتے پڑھتے رک السکٹ پر ق سے وَکِیکُلائک پڑھ کر مسئیسی اللہ وکہ مقد الوکیکُل مومز پڑھا در جب واست لمیشور اللہ اللہ اللہ عظارہ و وجہ پر پہنچ قواس بورے جملہ کی موبار کرے اس ترکیب ہے البارائی موده مبادک کو پڑھے اس سکہ بعد باسمند بنا معطی کوکیا دم موار پڑھے اول و آخر بدود و شریف بڑھے

معلى وياده وبروح الرود والمتعلق المنطقة على المنطقة على المنطقة على المنطقة على المنطقة على المنطقة المنطقة على المنطقة المنطقة على المنطقة ا

إِبْرَاهِيْمْ وَعَلَىٰ الِ إِبْرَاهِيمْ إِنَّكَ حَمِينًا مَبِيدٌ

گیارہ گیارہ بارای درود تریف کو پڑھتا ہائے۔ جب پڑھ کر قارع ہوجائے تو بجدہ ش جا کر اپنا مقعد اللہ تعالیٰ سے طلب کرے اورا کر کسی کو دہی طرف متوجہ کرنا ہوتو مجدہ میں دیا کرٹے دفت اس طرح دھا ایکے:

بَاشُغَائِبَ الْفُفُوْتِ قِلْبُ قَلْهُ اللَّهِ (لِيَّنَ الْمِحَافِانِ مَنِهَانِ) مِنْ رَّحْمَتِكَ وَقَصْلِكَ

تیمراطریقند: کمرکی مفتون اور فرخول کے درمیان جمل دیک مرتبہ سورہ مؤل شریف پزستے اور جب فرش ادا کر بچے تو رو بار اور پڑھے ای طرح بر نماز کے بعد وہ مرتبہ پڑھا کر سے اس طرح اس کی تصاوکل کیارہ بار ہوگی۔ اول آخر درود شریف تین تین بازیا با بچ پانچ باریا کیارہ کیارہ بار پڑھے۔ اس کا ورد بیشہ رکھا نظا مالفہ تعالیٰ برقم کی پریشائی دور موگ اور زق جم ترتی بھی ترتی ہے۔ indentaria (harinda de la compania del compania de la compania de la compania del compania de la compania del compania de la compania de la compania de la compania del compania de la compania de la compania de la compania de la compania del compania de

حب کیفے ای مورہ مباد کوا الباد پڑھ کر کسی شریقی پر ممرکے کھائے یا کسی اور چیز پر پڑھ کردم کرکے بیائے انشاء الله منتصر میں کام بائی ہوگی۔

برائے ادا ٹیگی قرض

ا۔ عشاہ کی نمازے فارغ ہوکر جسیہ سونے کا ادادہ کرے تب پاوضو دیت لیت کر اسپنے بستر پر آیت اکتری ۱۷ بار اول و آخر ورووشریف میارہ کیارہ بار پڑھے انگاہ اللہ تعالی قرض ادامورائے گا۔

۱۳۰ روزای کویز ہے

 ۱۱۔ عشاء کی نماز پڑھ کرای جگہ برسودہ آمر (باذا جاء مطراند) کواہم پاراہم روزنگ برابر پڑھیں۔ افشاء اللہ تعالیٰ قرض سے سیکروش ہوجا کمیں کے۔ بحرب واکسیر ہے۔ اول وآخر درود شریق کیارہ کردہ اور برسیس ۔

روزی میں برکت کیلیئے نبوی نسخہ

ہو آ دی گھریٹی واخل ہوکر سفام کرے جاہے گھریٹی کوئی ہویا نہ ہو پھر ایک مرتبہ درود شریف پزھے اورا کیے مرتبہ مورہ اخلاص پڑھے وروز کی ٹیل برکت پاسٹ (حصن تصین)

أَلْمُ عُطِى هُوَالله كاسر لِع الارْعَل

یو گفتی چاہے کہ روزی کی گل دورہ دواور درق خوب فرائی ہے تھیں۔ جواسے چاہیے کہ پارندی کے ساتھ و بعد کی نماز فرض کے بعد بحالت تکنید قبلہ رخ چشے پیشے سرتم بار قوید کے ساتھ پڑھے۔ اللّٰمَعْدَلُ فواعۃ اول دا قرسات بار دروہ شریف

الكلهم الخونى والامسنون ومجرب عمل

چوفنل جعد کے دن ستر بار ہر دعا پڑھے گئیبٹا ٹیرویکے دو بقط نڈکڑ رنے پاکیں گے۔ کے قرینے کی اوا نگی اور روز کی میں برکٹ کے افزات طاہر بول یہ اول وآ فر سات سات بار دروز شریف

روراتہ پاچ سویار میں ہے۔ روایات سے قابت ہے کواس کلے کی برکت سے الشاتعا کی ماری تکلوتی کوروزی مطافر ہاتے ہیں۔ 11 مدم میں میں 12

سوره فلق كالأجواب عمل

جوفض کثرت ہے سورہ فلق پڑھے گا اس پر روز کیا انتیاء اللہ بارش کے قطروں کی طرق ساک بیفوروں تب شریا سر

بأغنى يامغنى كالمجرب عمل

تم کی سنتوں اور فرضوں کے درمیان گیا رہ سومرجہ یا غنگ یا شفنی پڑھیں روزی کا مسئلہ اشتار مارید ملی اور بائے گا۔ اول آخر ملاق عدر بھی ورود گریف

روزى كااصل الأصل عمل

مغرب کی نماز کے بعد سورہ وافقہ کا معمول بنائمیں اور روزی کے معالیطی بین قدرت الٰجی شاعد در کیسیں بید

روزي مين فراخي كيلئة مجرب ترين تربجلا

تین کام کرلیں اور روز کی کے متعلق بے فکر جوجا کیں اور حاسدوں کے شر سے اللہ تعالیٰ کی اومانگیں ..

لف 💎 رازق عرف اور مرف الشاتعاني كو ما تين اور دل شركسي اور 🗲 بارے بين يہ

خیال تک ندا نے ویں کرم ری دونی اس کے باتھ میں ہے۔

ب ورکعت پر هارمهرش بیشاراند تعالی به پا میدکرین کرتمی حرام روزی کوافتیار مهری کرس مید

نْ. تَمُوزًا إِنْ إِدْ وَمِنْ مَا إِنْ الدِروزِقِ لِحَمَالِ مِن مِن مِن مِن مِلِي اللهُ تَعَالَى كَا حصر

فکایگر اورائے تہاہے خوشول ہے فی تکمل اند کا موں شرقری کریں۔ مرد موجود میں موجود کا موجود ک روزی میں برکت کاایک فطری عمل

کھانے پینے کی اشیاء اور دوزی کی دیگر چیزوں کو ضائع نے کریں۔ وسر خوان پر بیچے ہوئے نکو رہ کھالیں اور پلیٹ کو انجمی طرح صاف کریں اور چورز آل سلے اس پر اللہ تھالی کا شکر اوا کریں۔ ال مجل کی برکت سے روز کی کے دروازے تک شکل حالے میں اور بخطی و دروہ و حاتی ہے۔

برائے ترتی رزق

و جُعِمَى فِي إعشاء كَن مَاز ك بعد المِنتِث كواالإريز هي يُعروا إلى يا يت كريدً انْ

اللهٔ هٰو الرَّأَانُ وَوَاللَّهُوَ الْعَمِينُ بِرُّ مِصْلُولِ وَآخَرُ كِيارِهُ كِيارِهِ باردووشُرِيف النَّهُ وَاللَّهُ عِيدٍ مِنْ مِنْ كِي مَامِلًا بِيما مِوجًا مِنْ جِيدٍ

م. يوفنس جاميري مرد ياده بوجائ أور المول برقي اعدر دق من رق بوادر مرده

ے عداب وور ہوجائے بیک منع وشام بید عاتمین باد پڑھے:

۴. کیکن زن رزن کیلئے جرب ہے۔ فحر کی نماز کے بعد ۲۵) دروزانہ پزیسے اول وہ فز گیار د ممار دراور دور فر نیف بزیسے

۳ _ بعد نماز تمر ۱۰۰ ایاد الله احتماد اول و آخر در و شریف گیار و گیاره باز چاکرے افٹا واللہ خیالی برز تی زیارہ برگانور قرض کی اواجو جائے گا۔

ہ۔ سورہ حزل چالیس روزنگ اور زکیب نے ساتھ مقررہ وقت پر پڑھنا کشائش رزق کیلئے نہذیت مذید ہے ۔ جگر بھی تھیں بوق بہتر ہے۔ پہلے کمیارہ بار وروثریف پڑھے پھر کیارہ موگیارہ باریمنٹی من کے بعد گیارہ بارسوء مزل پڑھ کرکشائش رزق کیلئے وہا کرے پھر گمارہ بار درورہ ٹریف بڑھ کرتم کروے ۔ اگ اس کمل کو اینا معمول جانل جائے تو فیس

سے طرح طرح کی امدادیو۔ سے مرح کا طرح کی امدادیو۔ سے مرح کا کا کا امدادیو۔

 الله على الكون كي الكون كي بيا عند كده كراسك بينها بهت مفيد بنهد الى جك سندرز ق بيلي كد والمروكة إن مجل شاءوا

عے۔ جب گھر میں واقل ہوتو سورہ اخلاص پوری پڑھ لیا کرے افشاء اللہ اس کے رزق میں برگت ہوگ

٨٠ سور د انشرار اورسود كافرون كي كثرت فيرد بركت او كثرت درق كيلة نهايت مغيد ب-

Outher that the track of the Control of the Contro

ومغمان شریف کا جاندہ یکنے کے بعد تین مرتب مورد گیرت لینے ہے پورام ال وق مقارب کا۔
 ا۔ برروز کیاروم کیارو ماریا منی اور جالی بارمور ومزل اگر جالیس بار شریز ہو سکتھ کم از کم
 میارو وریز من ہے در آن گیر ہے ۔ گرب ہے۔

ال الما أنوانت كي بعدروزان ١٠٠ إد إياسلام هناك دزق شرفرافي جوكي .

۱۳ روزاند ایک خراد باد یا تی یا آبوم اور ایک خراد باد یا دیاب کا پر منا کشانش وزق کیلئے تبایت منیدے۔

ا۔ جو قص بھشبر کی پہلی ساعت میں جاعدی کی انگونگ کے عمینہ پر اس تیش کو کندہ کر اگر پینے اے بے خاورز کی ہے۔

| ļ | ۴۵ | ľΉ | ۵í |
|---|-----------|----|-----|
| į | ſΛ, | ۵۰ | ٥٢ |
| | #4 | 60 | 147 |

مالى ترقى كىليئے دعا

الد مخض نما نفرت پیلے ۱۰ ایاریہ پرمے آنی ماندان کے رزق میں برکت ہوگا۔
 الشیخت آن اللہ یو بحت شدیدہ شیخت آن اللّٰہ المنظیم آسکی فیش اللّٰہ تاہدی۔

۔ ۔ جب نوانگل دیکھی تو ہودہ پڑھے ای کے جدائں گھل کو اپنے سب سے چھوسالم ہے کا کاروبو ہے۔

> ٱللَّهُ مَ بَارِكَ لَنَافِي ثَمَرِنَا وَبَارِكَ لَنَا فِهَدِيْنَتِنَا وَبَارِكُ لَنَا فِي صَاعِبًا وَبَارِكُ لَنَا فِي مُدِنَا.

(مسلم، ترندی، نسائی حن الی برریه)

جناب حافظ ا قبال قریشی کا انٹرویو جو' ونت نیوز' کے محانی ٹل شیرنے رہا

عافظ اقبال صاحب فرمات ہیں کہ کہ جاد وکرنے والا اور کرفینے والا دوتوں اسام سے خارج ہوجت ہیں۔ اور اُنرکس پر جاد و باجنات کا اثر ہوجائے تواسے صرف کر آئی آبات اور مسئون دھا کا ہے ہی دور کردانا چاہیے۔ غیر اسلاقی اور غیر شرقی طریقت اور خار تھے۔ حاملی کے کمل کردنا نمایت تھری کے ہے۔

آئ کل کی کوچوں میں ہرجگہ عالی حضوات ڈیٹھے ہوئے ہیں جن میں ہے اکثر قرقر آن و خت سے دور کی کی دج سے خدا کی وقو سے بھی گر یہ خوش کرتے ور اپنی اور او کو اس کی کمران کا سب بنتے ہیں۔ اگر عالی ج سے بڑے والے سے کرتے ہیں کہ مریض پر ۲۰۰۰ جناسے کا حملہ ہوا ہے ان میں سے اکثر اس طرح ختر ہوں گے اور باقی اس طرح حالاتی اصل اڑ حمرف ایک بن جن میں کا جوتا ہے اور و ایکی اگر ان بھی عالموں کے ساست آتا جائے تو فودان کے توانس اڑ جائے ہیں۔

سوال وجواب كي نشست

اس: العاقة البال صاحب يبلي بيناكي كرة ب في منام كمال ع سيكما؟

ن: الحدوثة على في حفظ قرآ أن اورعام كورس كے بعد ورس وقد رسى كاسلىد شروق كيا اوراس كساتھ ساتھ ويا كاروبار محى شروق كيا حكى واقد محم مى خواجش هى كه عالى كالم يكھول چائي ان كے احرار بريش في معارت بير مفتى عزيز الرحمن صاحب عدر سفرت العلام كور انوال جو كه بعد ين جامع في إسلام آباد بش حديث كے استاد حتين ہو كا ان سنة على سكھ تا شروح كيا اخبول في محمد بيليا ورسوره حزل كا جلد (بعد كل) اورا جازت جى عظافر انى د

اس کے علاود جا گام کے پہاڑوں پرمعروف حیادت ۳۳ سالہ نائل اور عالم حضرت موانا تا شاہ محمود صاحب المعروف صندل بابا ہے اجازت کا شرف حاصل کیا انہوں سائی ڈیکھیے معریث کی سند مجل مرصت فرمائن۔

م: آپ کے یا تراکون کو نے کمل کی موازت ہے؟

ن: محصان الدال في اجازت ماسل جد

برقتم كے جناتي الرائت و جارہ أنظر بدر بندش و بخار و بيا ثابتن، باولالا وي

الناز جنات من اليخ كالأسال لمريقة كياب!

ی : اگر آپ میچ وشام کی دخا کمی روزاند پڑھیں آ ہے اکٹری سورد فاتحہ اور جارول آل کے بار روزاندرم کر کے میٹری آ جنامیہ کے شریعے فکا جا کمیں گے۔اٹندواند

ال: ﴿ كَيَاجَادُو مِسْكَوْرُ مِنْظِيرِ مُثَوِّلٍ فَيَا بِمُونَّى بِمِومَلَقِي عِيدًا

ج: کی بال رشتن کی بندل کے طاوہ کاروبار اور مُروکی بندل میں کی جا کئی ہے۔ اس بندل کے خاتمے کیلیے سورہ مرتم روزانہ یا حوالج کے کم ل ہے۔

اس: ﴿ الله وَ يِنَا تُوَاللَّهُ كَا تَعْمَا رَبِّس بِي كِيا وَلَا وَكُ بِعِي بُنْدُسُ كَي جِا حَتَّى بيه؟

ے: آپ نے بالکل درست کہا کہ اولا و رینا اللہ کے افتیار بٹل ہے۔ کیکن جادہ و قیرہ کے ور میلے اولاد کی بینٹر کی جائتی ہے۔ پیش اوقات میاں یوی بقیر کم بٹی بیاری سے اولاد کی فعت میں محربہ ہوئے بین امسل بٹی ان پر جادد کی یا جنائی اثرات ہوئے بیل جہدال افر میں کوشش کردیا جاتا ہے تو اللہ تعالی ان کو اولاد کی فعت عطا کردیتے ہیں۔ عمارے فیٹے نے

Adalahan Adalahan Tiri Salahan Adalahan Adalahan

ہے اولاد حفرات کیلئے وکڑا لیس تعویذات کا ایک جمرب ترین کمل متحب کیا ہے جس کی سرید دیشر کے محتب مائی میں ان تریاب کا جس کی جب وروز ان مائی

بركت بيزش وغيروهم موياتي باورالفدتعال اداد وكالعت عطافر ماديية نيور

س: الاعقاع بياديون كاعقاع آب كم طرح كم سقة بين؟

ے میں او طابق بیار ہوں کا اعلاق بارش کے بائی سے کرتا ہوں اس پر مصر مترسور و فاتحہ ... آیے سے انگری چہارگل وم کرکے مربعض کو الون کے بابا کا اور خبا یا جا اور مربا

ے مربانے سور واقعام کی اا دان تک تلاوت کی جاتی ہے اس طرح کیفر میا ڈیٹس اور دومرک کاریال مجیء درسوجاتی ہیں۔

دومرن کار بال میں ادر جو جات ہے۔ س: ہر حال میں انسان کو انڈ سند ما تکنا چاہیے کیا تھویڈ و تعلیات کروا نے سند انسان کا مقیدہ خواہ میں ہوتا۔

ن. واقعًا أب في رست لباك برمانت ش الذكو يكانا ما يريكن بدخيال غلا به كد التويد بركيات كرواف ساد كول كاعقيد وقراب وتاب بيسس من برم يقرأ ويرجة

کیلئے وظا کف بھی بناتا ہوں اور ساتھ ساتھ اس کوٹا کیو گڑتا ہوں کہ اللہ کی ڈاٹ پر پیٹین رکیس - نماذ وغیرو کی بابند کی کریں - ہماری بر بٹائندل کی دمسل دجہ اللہ سے دوری ہے۔

ر میں محمد وجروں پابھوں مرین ہمرون پر چاہداں کا من بواللہ سے دوری ہے۔ پیر تعریبہ و محملیات اگر آیات قرائی ادر مسئون دعاؤں سند ماخوذ ہوں تو ان کے بیش

جونے کی دلیل صدیت ہے مجی لیتی ہے۔ اس میں تعریف میں شاہدی میں اساسی اسٹان میں اسٹان میں اسٹان کے اسٹان میں اسٹان میں اسٹان میں اسٹان کی اسٹان کی

ا ہیں: اگیا جنائی دو تقرار انساختم کرنے کیلئے مریش کا سامنے ہونا ضروری ہے؟ میں میں آئی کی بیشن فیتر کا ایک ایک بیشن کیا ہے دور میں ایک ایک بیشن مشہ

ن بنائیا و دیگر اثرات فتح کرنے کیلئے مریض کا سامنے ہونا زیادہ بہتر ہے لیکن ضروری ٹیک ہے۔ میرے بہت سے مریض بیرون ممالک ہے تعلق رکتے ہیں۔ ش الحدود مریض

کے سامنے آے اپنیرائے ام واکن والدہ کا تام اور کمل ایڈریس کے کرمرش سکہ بارے

سی تمل تمل بقادینا جول اور پیمرگوئی محی اثر جوائن کوئیجی ہے تم کردینا جول۔ س: کیا جوائی اثر ہے جسسانی بیاریاں مجی ادبی جو جائی جیں؟

ن کیال مرے کا میں موسی کے ایک کا ایک اور اس میں اور اس کا ایک ایک کیال مرے کا میں میں میں ایک کا ایک ک

جوجائے مشعر میں دورہ آگھوں میں تکلیف وغیرہ کیا شکابت کرتے ہیں۔ بڑے بڑے اکثر وں کے پاس طاخ کروائے کے باوجو آگلیف سے نزپ رہتے ہوئے ہیں لیکن جیسے تی ان کے جاتی واڑ گوختر کیا جاتا ہے ان کی چاری بالکل وور حوجالی ہے۔ اس وقت

يك في ح ك بيان م إلى المراجع في ا النام العنول في فرق بيان م إلى المراجع في ا ᢗᠬᠪ᠔ᡤ᠔᠕᠐᠘ᡚᡤ᠔᠘᠘᠘᠘ᠮ᠘᠆ᠮᢧᠮ<u>᠆᠘᠕᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘᠘</u>

ص: كيا أب في نفيات كاللم محى حاصل كياب؟

ن مستمیس میں نے نفسیات کاملم ہا کا عدہ عاصل شیس کیا لیکن اٹھ دند فریکٹن ،شدید وَ تَلْ مُینشن اور دیگر نسیاتی مریشی شفایا جاتے ہیں۔ دانندے رابطہ وَ تُم کرے انسان کے بقرار ول کو

سكول في جانا يه اور بهد أن وي يريفانيال ازخودود ووالى ين

جوام باب اپنے دوعائی شرق مسائل (جادوہ نظریدہ بندش اور جنائی اثرات وغیرہ) کیلئے عافقا آبال صاحب سے ملاقات کرنا جا ہے جول وہ درئ ڈیل مقامات پر مطے شرہ اوقات شن دامطر کیلئے جن

| | - # |
|--------------|---|
| بروز جوالآار | جامعه ومرسيب زمان مزيت جهامرومورياه |
| a4.11% | وارالعلوم مدنيقل برادري قبرستان مزرمولي فيلي مبيتال |
| /95 B | بر ماه کن بیلی جعرات م |
| " کرایی | ایر ماوک آخری جمعرات |

0300-5802404 : 歩近な E-mail:saieheen@gmail.com 合合合合合合合

ر کہا جامعدام حبیبہ کے قلم سے

الله تعالی کی کماب ترقین کریم اور می اگر مخطیط کی احادے مباد کہ بھی جیسا کہ بماری آخریت کی جوائی ہے ای طرح اماری دنیا کی جوائی اور دنیا ای حاجت و شروریات کے جورے امرے کی مناب بھی موجود ہے قرقین کریم میں اللہ تعالی نے خوافر ال کریم کو شفا قرار دیا ہے۔ چاھی ارتجاد باری تعالی ہے:

وَنَنْزِلُ مِنَ الْقُرْانِ مَا هُوَ شِفَاهٌ وَرَحُمَهُ لِلْمُؤْمِنِينَ

حقورہ کر مختلف کے جم پر جو بے شار اسمانات جی ان میں سے ایک بڑا احمان آپ کی ووڑ نوروعا کی جی جن می ذکرگی کے جر کوش، جر مُروت اور چر جمال کا اعالمہ کیا گیا ہے۔ جر عمل کیلئے وہا تھائی گئی جر معیدے سے نجات کیلئے وقلید سخمایا مجااور جرمقام کی مناسبت سے ذکر کی تلقین کی گئی ہے۔ یہ وعائمی مستقل ججرات اور دلائل تبوت جی الن دعا ڈلر اور اور اور ووقا انف کے ایریت کے چیش افر واقعا افزال آر کی صاحب نے آئیں سنٹنل کا ب کی مورت میں جو اور

مرتب فرمایا ہے۔

ا نسانی بسروش کی دوانشام میں: .

(۱) جسمالی امریش (۴) ردعانی یی امریش

جسانی صحیتانی اورو حدار قلب یعنی ول کیجی جوت پر ہوتا ہے اس ایٹی آلی وروحانی محمد جسمانی صحت کیلئے نمایت خروری و ٹابدی ہے۔ محمت و عافیت اور تمام امراض سے حفاجت ہرانسان کی ملیعی خواہش ہوتی ہے۔ کیوں کہائی کے بخیرونسان نہ اطاعت رب کی کالی

علامت براسان في من والمسلم بي جوب بين من من جير دسان به ما ما حت ربير منان به ما حت رب والان قدرت ركة سكاب اور زواج والى معاملاية نبعا مكما بيد البزا ترقى دعا زال اور عرادات شي الحق

يكن امرمطلوب بهتا ہے اور حيادات كى اوائى اور شريعت سكھ ح كرود امور سنداجتناب سكه بعد ان امور سے صحت و عافيت كى تحتیق ميں رہنا بہتر بن شكل ہے۔

ا جامد ام جوبیہ ایک آمکی و بی ملی و ترجی ارسکاو کے جس شن ند مرف علام توبیدے۔ ایک بند کے ایک ایک و بی ملی و ترجی ارسکاو کے ایک ایک میں کا در ایک در ایک ایک ایک میں اور ایک در اور اور اور ا

آ داستہ کرنے کے ساتھ ساتھ اخلاق و عادات کی قریبت کی جاتی ہے لکہ جسمانی و روحانی عاد اول کا طابق قر آن وسنت کی روشن میں کیا جاتا ہید جناتی یا جادو کی اثر است مولا کا اسپیڈال

كة ريع زاكل كرت إلى ولما كف اتعوية ات اور كمل كا يجا الريه والب كدم يفي بب بلد

محت یاب بوجا تا ہے۔

اں واقت خوم دید کے مدارس کا وجود سلمانوں کیلئے بہت ہوئی قعت ہے۔ وہنایس اگر اسلام کی بقاء کی کوئی صورت ہے قو ہدارت ہیں۔ کیول کد اسلام نام ہے خاص مقا کدوا قائی کا جس بی ویازت اسطامات وسطائٹرت اور اخلاقی سب واقل ہیں اور گئا ہرے عمل علم پر موقوف ہے۔ آ ہے بھی ایل مجیوں کو ویلی مدارس کی فضا عمر مجیمیس کا سطوع اویدے آوات ہوگئیں۔ جا معدام میں بھیش

ا پی اچھی اور چیامداران فی اصلامان میں جیری و سوم اطابہ ہے واست ہو سے بہ محام بہیں۔ ہو استام بہیں میں اور ہو ای سلسانہ الذوب کی آیل کر کی ہے) چار ماڑر کوری حفظ ، ناظرہ ، تی یہ اور تھیر کوری کی قدر کس کا اجتمام جیدا ساتھ دی گھرائی تھی کیا جاتا ہے۔ جامعہ کے انظامی امرواور تھیر مسجد دھ رسد میں آ ہیں۔

كى معادنت آپ كيك بعترين صدقه جاريد مورنوش بخرت بن عتى ب

حانظ ام عبدالله

(عالمروفاق المدارق العربية)

M.Sc Psychology

Roll of Hanour 3rd Position

ᡬᢐᡊᢐᢖᡚᢐᢧᢐᢐᠻᢐᡊᢐᡒᠺᢐᢙᡑᢙᢐᡸ[᠆]ᠯᢟᡠ᠄᠘ᢐᢓᢐᢧᢐᢐᠪᢐᢊᢐᢙᢊᢐᢙᡳᢙᡳᢙᡳ مسيدتا مختديم لوحقوطي الشرطب يهمني مشهري الأولب. ا طويل ولامراجي ا ليخطين فياهدم ويشيخ الإبدائ وري بمنوي المهودي ح مداخدان و مست الزركا ا ومحدمسا فرقنا اصبالرقس مطيح المانحول وساوحتي كالطاط المعاقدتها حوست ميكين المشيمين ے ابواؤنٹ میداہ ڈاری میٹری کیسے سیاری ال معراقل مرسسة ومنزي فلعالمأو والمامشين بن فياتك الإجالة ب ويرنان بركورات. والراقيا حيان إلى البراقية المراجع فينا اعمدانسوخ مرزع مزيدناه المؤتدية والمان جانفل فياف يوينا مهن الان فرمنول Ken and and work 5 40 9 W. W. Sant فاومسالوزة شفيته مناديكا ميز فرون فدن احداری م يزم بد م ين موسائد والحا الجرين ومالتوموانيا فياسب الكشارى -4-45/Turn 55.45 منع الانتاج متوبرا بمريده وا العبيموكي وخراوا والمعشود المصيديات مين الاسرافران (والمام) كما في حالياً إلى كمناج البعد ويهدا بالتركيم الأجافة كادمارينده مند فالكروسة بم بعجب علية ودع وبنبوره حرمت نبست كاست بتحكومك سيديك يا. از الأزا لادمياخيه فقيهالعصرمون تارثيدا حمرتنكوي الجية الاسلام مولانا محمرقاتهم نافوتوي حضرية بمثولا فالورشاة تشميري حفرت مولانا فيرفيرجالندحري تطربت مواا نافييا والحق نوريودي حضرمت مولانا عبدالكثيم بزاروي وظله حضرت مولا نازين العابدين مدفقه

بسيالة الرصي الرحيم

لجرة مماركه عاليه قاور بيغفور ميمحمودييه اللهم بنجاه سيكانا وموشدنا حضوت الشيخ السيد محمود صاحب دامت بركاتهم (سيليا) وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشيخ ولى احمد قدس الله سره وبجاه شيخ المشالخ حضرت الشاه نجم الدين قدس الله سره

> وبجاؤ شيخ المشائخ حضرت احوند شاه عبدالغفور قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه شعيب توردُهيروي قدس الله سره وبجاه شيخ المشاتخ حضرت حافظ محمد قدس الله سره

وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه صديق بشونرى قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت

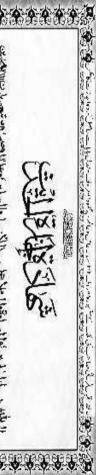
الشيخ جنيد پشاوري قدس الله سره

وبجاه شيخ المشالخ حضرت

ᢙᢙᢙᢙᢙᢙᢙᢙᢙᢙ<u>ᢙ</u>

الشيخ احمد ملتاني قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه عالم دهلوي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه منور قدس الأمره وبجاوشيخ المشائخ حضرت شاه دوله قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الغوث الاعتظم السيدمحي الدين عبد القادر جيلاني قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه ابوسعيد منحزومي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه ابوالحسن على الهنكاري قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت خواجه ابوالفرح الطرطوسي قدس الأمسره وبجاوشيخ المشائخ حضوت خواجه عبدالواحد زبد تميمي قدس الله مره وبجاه شيخ المشائخ حضرت خواجه ابويكر شبلي قدس الدسره وبحاه شيخ المشائخ حضرت الشبخ جيد بغدادي قدس الله سوه

وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشيخ عبدالله سري سقطي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت معروف كرخي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائح حضرت داؤد الطاني قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت حبيب عجمي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت حسن البصرى قدس الله سره ربجاهِ حضوت سيَّد نا امير المؤمنين على ابن ابي الطالب كرم الله وجهه وبسجياه حضرت سيّدنا ومولانا سيّد الموسلين خياتهم النبيين احمد المجتبي محمد المصطفى صلى الله عليه و آله وسلم طَهَر قُلْبِي عَمَّنُ سِواكَ ونَوَرُهُ بِأَنُوارِ مَعُرَفَتِكَ وَوَ فَقَنِيُ لِمَا تَحِبُهُ وِتُرْضَاهُ وِاجْعَلْنِي مِنْ عِبادِكَ الصَّالحِينَ. (آمين)



المساقال إلى داه زال فالمدونة فيرس القوط التالية المدائد والمال المدورة والمداوي والمراجع والمراكزين والمولين والمواجدة والمواجدة والمالية والمواجدة والمالية و بعد فقد إستيان في الآخ

のであっているころのではとくというとうできまっているという اساكلان الانتفاق وزود والاعمام العالم المائدة فع والعمل عاجب وورى والانتهام ور م المواطئ والمراطق المراكز الداء المتعلق والدعلي ع. الاجتناب عن الترويس برهرك المطالعين

ارهن يبللنفس بالزهلاق ففلدته والنقوى والقراض والافتاء والفسائل ويناله

88 .

.

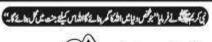
م: التعظيم والتوقير ٧٨ وان العلى السيدة والكسادة والكتب وعموها

100 Y - Y -- 7

がして

•

かっていっている





- مخير حضرات كيلئے صدقہ جاريد کا بہترين موقعہ -اپنے بيارے دالدين اورد مگرم حثن سے ايسال وَاب كيلئے مجدو درسـ ک --- تقيير ميں حصدو ال كرو خير ه آخرت بنائيں ---

مستقبل کے ارادیے

عالیشان مجد طالبات کیلیے لائبر رین کمپیوٹر لیب دارالافناء دارالاقامه بیموں اورنا داروں کیلیے ویلفیئر ٹرسٹ اکا وَنٹ نمبر: 01026726 کوڈ 1155 بیرون ملک: UNILPKKA-741 یون ملک: UNILPKKA-741

ز مان سرّ بٹ جھامرہ ،مورگاہ راولپنڈی پاکستان Cell: 0300-5802404 Muhammad Apmir Siddee

Bahab (BAN900) (Janwal Masapun Stanfölder) repartment of Politica (Baba)(SSA) (Baldhall)

Ayr Gun



محجرعام *محد* **مِنَ** المستغيرة على مركز قبيام مولال مو العلمة ال

يريد يريون المرابع المنافعة المنافعة المرابعة المنافعة المرابعة المنافعة ال منده منة وعائد العابي كالمندادي كرانات بمادات مع وركالي ويكما لمثراه وفرخور لمنته مصسته لعلاوها المناقع كالكريس إمر جو اكما المريش كرفؤ كم بالدلعان يسبلك كمه مغالف كويتبن كمهاقد يجها بالدغ فوجوس كما تابرون كالتوالي عناد يمارك أورا والمعاون الماري والإراد والمراجع والمراع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع ين ان كما الدولان الساخرة الرفع بعاد لسب كم ياد عام كالمراد ، عراد المراد الم والمتعاد المعالمة والمتعادية والمتعادة والمتعادية والمت - يون عالم يرين المرين مذفاليان كحاكمس بمنت كواجيت لدبادعالي محافيل فهاسدة لمداحث ميكلة من كمذبحر الإيت ذلك منادست كين م جازيانان ١٢٠مم

محرّ م وكرم: السلام عليكم

کتاب وظائف الصالحین کا بدید بیش خدمت ہے۔ اس بیتی کتاب میں اساء الحسنی کے فضائل،
مزل (آسیب و محرے خفاظت کے لئے قرآئی آیات)، دردوشریف سے مشکلات کا طل،
مخزق دعا نمیں، رحمق والے اشال، رزق میں برکت کے اشال، قرآئی دعا نمیں، دعاؤں سے
عاریوں کا طابع، محروجادو سے حفاظت، قرآئی سورتوں کے فضائل وغیر و تامیند کئے گئے ہیں۔
روزم و کی عام مشکلات اور روحائی عاریوں کے طلک زیر نظر کتاب آن کل کے دور میں
ایک اکسیر کا درجہ رکھتی ہے کیونکہ اس میں موجود مواد قرآن وسنت سے ماخوذ ہے اور اکا برین کی
تغلیمات کو سامنے رکھتے ہوئے روزم و کے اور ادو وظائف پر ایک دہم میں جموعہ ہے۔ اپنی
مشکلات اور سمائل کے (عند اللہ پہندیدہ) حل کے بھیشہ قرآن وسنت سے رجوئ
فرما میں۔ اس جموعہ سے جنتی وعائیں باسانی یادہ وکس کوشش کریں اور فرصت کے لئات مثلاً
خرامی ۔ اس جموعہ سے جنتی وعائیں باسانی یادہ وکس کوشش کریں اور فرصت کے لئات مثلاً
مغری انتظار کرتے ہوئے پڑھنے کی عادت بنا میں اور دوست احباب کو بھی ترفیب ویں۔ اور
منظری انتظار کرتے ہوئے پڑھنے کی عادت بنا میں اور دوست احباب کو بھی ترفیب ویں۔ اور



0321-5180613

Email: saaleheen@gmail.com